



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 10, 1975/ वैशाख 20, 1897
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10, 1975/VAISAKHA 20, 1897

इस भाग में सिम्ट पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

उपराष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1975

का०आ० 1416.—पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के कुलाधिपति, पंजाब विश्वविद्यालय के अधिनियम सन् 1947 की धारा 10(3) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डा० रामचन्द्र पाल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के कुलपति का बतन। वनांक 1 जुलाई, 1974, जिस दिन से उन्होंने कुलपति का पद ग्रहण किया, रु० 3,000 (तीन हजार रुपये) प्रति मास पर पुनः सहर्ष निर्धारित करते हैं। यह अधिसूचना इस सचिवालय की अधिसूचना संख्या बी०पी०एस०/पी०यू०-बी०सी०/74, दिनांक 24 मई, 1974 के अनुक्रम में जारी की जाती है।

[क्रमांक-बी०पी०एस०/पी०यू०-बी०सी०/75]

बि० फडके, भारत सरकार के उपराष्ट्रपति एवं पंजाब विश्वविद्यालय के
कुलाधिपति के सचिव

VICE PRESIDENTS SECRETARIAT

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1416.—In exercise of the powers conferred by Section 10(3) of the Punjab University Act, 1947, the Chancellor of the Punjab University is further pleased to fix the

salary of Dr. Ram Chand Paul, Vice-Chancellor, Punjab University, at Rs. 3,000 (Rupees three thousand) per month with effect from 1st July, 1974, the day he took over as Vice-Chancellor. This issue is in continuation of this Secretariat Notification No. VPS/PU-VC/74 dated 24-5-1974.

[No. VPS/PU-VC/75]

V. PHADKE, Secy. to the Vice-President of India
and Chancellor, Punjab University, Chandigarh.

भारत निर्वाचन आयोग,

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1975

प्रादेश

का०आ० 1417.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 236-राजगढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बापूलाल चौहान, गांव नरसिंहपुरा, तहसील बारा, डा० बीरा, जिला राजगढ़ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री बापूलाल चौहान को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० म०प्र०-वि०स० /236/72(69)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 3rd April, 1975

S.O. 1417.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bapulal Chouhan, Village Narsinghpura, Tahsil Biaora, P.O. Biaora, District Rajgarh who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 236-Rajgarh constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bapulal Chouhan to be disqualified for being chosen as, and being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/236/72(69)]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1418.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग मिजोरम सरकार के परामर्श से, श्री आर० एम० अग्रवाल के स्थान पर मिजोरम सरकार के मुख्य सचिव श्री सुरेंद्र नाथ को तारीख 17 मार्च, 1975 से अगले आदेशों तक मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र के लिये मुख्य निर्वाचन आफिसर के रूप में एतद्द्वारा नाम-निर्दिष्ट करता है ।

[सं० 154/मिजो०/75]

ए० एन० सेन, सचिव ।

New Delhi, the 18th April, 1975

S.O. 1418.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Mizoram, hereby nominates Shri Surendra Nath, Chief Secretary to the Gov-

ernment of Mizoram as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Mizoram with effect from the 17th March, 1975 and until further orders vice Shri R. M. Agrawal.

[No. 154/MIZ/75]

A. N. SEN, Secy.

विधि, न्याय व कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1975

नोटिस

का० प्रा० 1419.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरी रूलज), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी का श्री मोज एफ० कर्मालावाला, अधिवक्ता चर्चगेट चैम्बर्स, 5, न्यू मरीन लाइंस, कमरा नं० 611, छठी मंजिल, बम्बई ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन महाराष्ट्र राज्य में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या का० 22/56/74 न्याय०]

रा० प्र० गुप्त, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 28th April, 1975

NOTICE

S.O. 1419.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Moiz F. Karmalawala, Advocate, Churchgate Chambers, 5, New Marine Lines, Room No. 611, 6th Floor, Bombay for appointment as a Notary to practise in the whole of the State of Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/56/74-Jus.]

R. P. GUPTA, Competent Authority.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1975

प्राय-कर

का० प्रा० 1420.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित संख्या को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के

वर्गित संस्था को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव, विहित प्राधिकारी, द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिये अनुमोदित किया गया है। यह अधिसूचना 17 मार्च, 1975 से प्रभावी है।

संस्था
बकुल फाइनेम अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई

[सं० 858/का सं० 203/83/74-आई० टी० ए०-2]

एम० के० पाण्डेय, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 22nd March, 1975

Income-Tax

S.O. 1420.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Secretary, Department of Science & Technology, the prescribed authority, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961. This notification is effective from 17th March, 1975.

INSTITUTION

Bakul Finechem Research Centre, Bombay

[No. 858/F. No. 203/83/74-T.A. II]

M. K. PANDEY, Under Secy.

कार्यालय आयकर आयुक्त

नागपुर, 29 मार्च 1975

का० आ० 1421.—जसा कि केन्द्रीय सरकार का मत है कि जिन करदाताओं ने 31 मार्च, 1974 के वित्तीय वर्ष 1973-74 में 9 माह से अधिक समय से 25,000 रु० या उससे अधिक आयकर जमा नहीं किया है, उन व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम तथा पतों की पूर्ण जानकारी जनहित में प्रकाशित की जाय।

2. अतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 में प्रदत्त व निर्दिष्ट सभी शक्तियों के द्वारा केन्द्रीय सरकार अपने आदेश का० नं० 1/1/69-आय टी (सी), दि० 9-6-1969 के द्वारा सभी आयकर आयुक्तों को अधिकार एवम् निर्देश देती है कि वे ऐसे व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम व पतों को प्रकाशित करें।

3. अतः मैं, आयकर आयुक्त, विदर्भ एवम् मराठवाड़ा, नागपुर एतद्द्वारा अब विदर्भ एवम् मराठवाड़ा प्रभार के व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम तथा पते संलग्न अनुसूची क्रमांक I, II और III के अनुसार प्रकाशित कर रहा हूँ।

अनुसूची-I

9 महीने से अधिक किन्तु 1 वर्ष और 3 महीने से अधिक नहीं ऐसे व्यक्तिक्रमी करदाताओं की सूची

क्रम संख्या	व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम तथा पते	व्यक्तिक्रम राशि
1	2	3
		रु०
1.	श्री रामेश्वरदास रामदास, जयपुर	12,061
2.	श्री चन्द्रकान्त मोर (हि०अ०कु०), तुमसर	13,163
3.	श्री रामनारायण मोर (हि०अ०कु०), तुमसर	14,923
4.	श्री बनवरीलाल लोईया, कामठी	27,228
5.	श्रीमती विजयाबाई अरविन्द पोतनिस, धौरंगाबाद	27,338
6.	फूलचन्द मन्नालाल, वारसा	32,517
7.	मेसर्स निजामाबाद बिड़ी म्यान्सु० कंपनी, कामठी	39,028
8.	श्री रमाकान्त लोईया (हि०अ०कु०), कामठी	42,312
9.	स्व० श्री नरसिगदास मोर, तुमसर	49,209
10.	मे० डिसर्स एण्ड कं० (प्रा०) लि० जयपुर	81,173
11.	श्री कस्तुरीदीन मोहम्मद अली, नागपुर	87,939
12.	मे० सुवर्णा ट्रांसपोर्ट कं० (प्रा०) लि०, बुलडाणा	91,950
13.	श्री राधाकिसन लोईया (हि०अ०कु०), कामठी	1,32,515
14.	मे० रामकृष्ण नाथराम (बिड़ी) (प्रा०) लि०, नागपुर	1,53,215
15.	मे० रामकृष्ण रामनाथ (पंजीकृत), कामठी	1,65,990
16.	मे० आर०आर० अणवराल (प्रा०) लि०, नागपुर	3,03,114

अनुसूची-II

एक वर्ष तीन महीने से अधिक किन्तु दो वर्ष और तीन महीने से अधिक नहीं ऐसे व्यक्तिक्रमी करदाताओं की सूची

क्रम संख्या	व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम तथा पते	व्यक्तिक्रम राशि
1	2	3
		रु०
1.	स्वर्गिस फतेचन्द मोर, द्वारा वैधानिक उत्तराधिकारी श्री रामनारायण मोर, तुमसर	482
2.	श्री जयनारायण नन्दकिशोर द्वारा एजेंट मे० आर० बी० श्रीराम एण्ड कं० (प्रा०) लिमि०, विशाखापटनम्	731
3.	क्याप्टन बाबली धमशेरगंज बहादुर राना (अनिवासी) द्वारा एजेंट मे० आर० बी० श्रीराम एण्ड कं० (प्रा०) लिमि०, विशाखापटनम्	5,972

1	2	3
4. स्व० नरसिंहास मोर द्वारा वैधानिक उत्तराधिकारी श्री चंद्रकान्त मोर, तुमसर . . .		9,813
5. डा० कञ्जुमल जेठानन्द, नागपुर . . .		12,545
6. श्री चंद्रकान्त मोर (हि०अ०कु०), तुमसर . . .		13,620
7. श्री जी० व्ही, रानडे नागपुर . . .		15,157
8. मे० अविदी शाप, नागपुर . . .		18,100
9. मे० नागपुर ग्लास वर्क्स, नागपुर . . .		21,884
10. मे० सुवर्णा ट्रांसपोर्ट कं० (प्रा०) लिमि०, बुलढाणा . . .		26,720
11. श्री रामनारायण मोर (हि०अ०कु०) तुमसर . . .		36,365
12. श्री फकुद्दिन मोर भली, नागपुर . . .		41,728
13. श्री राधाकिसन लोईया (हि०अ०कु०), कामठी . . .		46,116
14. श्री बनबरीलाल लोईया (हि०अ०कु०), कामठी . . .		52,119
15. श्री रमाकांत लोईया (हि०अ०कु०), कामठी . . .		94,113
16. श्री रामेश्वरदास रामदास जयपुर . . .		97,874
17. श्री संतोषकुमार अगरवाल तुमसर . . .		1,06,414
18. मे० डिलर्स एण्ड कं० (प्रा०) लिमि०, जयपुर . . .		1,61,705
19. मे० रामकृष्ण रामनाथ (विडी) प्रा० लि०, नागपुर . . .		2,63,039
20. मे० निजामाबाद विडी मैनु० कं०, कामठी . . .		2,78,112
21. मे० रामकृष्ण रामनाथ (फर्म पंजीकृत), कामठी . . .		5,34,270
22. मे० रामकृष्ण रामनाथ अगरवाल (प्रा०) लि०, नागपुर . . .		5,35,015

अनुसूची -III

वो बवं तीन महीने तथा उससे अधिक समय से कर नहीं दिया है ऐसे व्यक्तिक्रमियों की सूची।

क्रम व्यक्तिक्रमी करदाताओं के नाम और पते व्यक्तिक्रम राशि संख्या

1	2	3
		र०
1. डा० कञ्जुमल जेठानन्द, नागपुर . . .		14,007
2. श्री फकुद्दिन मो० भली, नागपुर . . .		23,086
3. श्री व्ही जी० कोल्हटकर, नागपुर . . .		31,673
4. मे० जानकी जनरल स्टोर्स नागपुर . . .		33,257
5. मे० नागपुर ग्लास वर्क्स, नागपुर . . .		37,075
6. श्री मोहसिन कजल भली हुसेब, नागपुर . . .		37,513
7. मे० निजामाबाद विडी मैनु० कं०, कामठी . . .		40,245
8. श्री आर० एम० लक्ष्मा, अमरावती . . .		44,367
9. श्री जयनारायण नन्दकिशोर द्वारा एजेण्ट मे० (आर० बी० श्रीराम एण्ड कं० (प्रा०) लि०, विशाखापटनम् . . .		44,958

1	2	3
10. मे० रामचन्द्र रामरतन अमरावती . . .		53,060
11. श्री ए० ए० हाजी अमरावती . . .		55,133
12. क्याप्टन दादली शमशेरजंग बहादुर राना (अनिवासी) द्वारा एजेण्ट मे० आर० बी० श्रीराम एण्ड कं० (प्रा०) लि०, विशाखापटनम् . . .		55,801
13. श्री एम० पी० लाहोटी, लातूर . . .		58,767
14. स्व० डी० डब्ल्यू मन्वरे नागपुर . . .		62,298
15. श्री भागीरथी प्रसाद कालूराम, परभणी . . .		75,350
16. मे० के० मुसा मोहम्मद गोविया . . .		80,622
17. श्री एस० के० मुखर्जी सी०/ओ० मे० सितादस ट्रेनिंग कं० बरदान वेस्ट बंगाल . . .		80,857
18. मे० सितादस ट्रेनिंग कं० बरदान वेस्ट बंगाल . . .		84,919
19. श्री जी० व्ही० रानडे नागपुर . . .		92,474
20. श्री आसिलाल मुबालाल, जयपुरिया, तुमसर . . .		1,08,227
21. मे० लक्ष्मी लाईम फैक्टरी, राजुर (अपंजीकृत फर्म) . . .		1, 17,168
22. मे० नागपुर आरेंज ओअरर्स असोसिएशन, नागपुर . . .		1,29,143
23. मे० अविदी शाप, नागपुर . . .		1,31,091
24. रामबिलास मुरलीधर एण्ड बलराम तोलुराम, तुमसर . . .		1,51,472
25. श्री रामकुमार रामगोपाल (अनिवासी) द्वारा एजेण्ट मे० आर० बी० श्री राम एण्ड कं० (प्रा०) लि०, विशाखापटनम् . . .		2,42,057
26. मे० रामकृष्ण रामनाथ अगरवाल (प्रा०) लि०, नागपुर . . .		2,77,218
27. श्री रामेश्वरदास रामदास जयपुर . . .		4,07,228
28. मे० गोवर्धनदास गोपीकिसन, गोदिया . . .		4,51,507
29. मे० रामकृष्ण रामनाथ (विडी) प्रा० लि०, नागपुर . . .		5,69,108
30. श्री रमाकांत लोईया (हि०अ०कु०) कामठी . . .		6,84,089
31. श्री बनबारीलाल लोईया (हि०अ०कु०), कामठी . . .		9,73,113
32. मे० आर० एम० गोपीकिसन, अगरवाल (गिपस) प्रा० लि० तुमसर . . .		14,80,000
33. श्री राधाकिसन लोईया (हि०अ०कु०), कामठी . . .		15,01,118
34. श्री चन्द्रकान्त मोर (हि०अ०कु०), तुमसर . . .		15,99,458
35. श्री ए० एस० विक्षित वर्मा . . .		16,07,416
36. मे० जयपुरिया ब्रदर्स, तुमसर . . .		16,24,379
37. मे० गुवुघाट माईन्स, तुमसर . . .		16,25,892
38. मे० रामकृष्ण रामनाथ (पंजीकृत) कामठी . . .		18,02,740
39. मे० मे० डिलर्स एण्ड कं० (प्रा०) लि०, जयपुर . . .		18,08,560
40. मे० बलराम तोलुराम (हि०अ०कु०), तुमसर . . .		21,50,000

1	2	3
41. स्व० फतेचन्द मोर व्दारा वैधानिक उत्तराधिकारी		
श्री रामनारायण मोर, तुमसर	.	23,48,518
42. श्री रामनारायण मोर (हि०अ०कु०) तुमसर	.	28,69,711
43. स्व० नरसिंगदास मोर व्दारा वैधानिक उत्तरा- धिकारी श्री चन्द्रकांत मोर, तुमसर	.	37,61,984

[फा० सं०आर०ई०सी० बाय (64)/74-75]

कलवन्त राय, आयकर आयुक्त

Office of the Commissioner of Income-tax,
Vidarbha and Marathwada
Nagpur, the 29th March, 1975

S.O. 1421.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and addresses hereinafter specified relating to tax defaulters who were in default of payment of tax of Rs. 25,000/- and above for the periods exceeding 9 months as on 31-3-1974 relating to the financial year 1973-74.

2. And whereas in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Government by its order F. No. 1/1/69-IT(B) dated 9-6-1969 hereby authorised and directed all Commissioners of Income-tax to publish the names and addresses of such tax defaulters.

3. Now, therefore, I, Commissioner of Income-tax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur hereby publish the names and addresses of the tax defaulters in Vidarbha and Marathwada charge as per Schedules-I, II and III hereto annexed.

SCHEDULE I

List of persons in default for periods exceeding 9 months but not exceeding 1 year 3 months

S. No.	Name and address of the tax defaulters	Amount in default
1	2	3
		Rs.
1.	Shri Rameshwardas Ramdas, Jaipur.	12,061
2.	Shri Chandrakant Mor (HUF), Tumsar.	13,163
3.	Shri Ramnarayan Mor (HUF), Tumsar.	14,923
4.	Shri Banwarilal Loiya, Kamptee.	27,228
5.	श्री. वजयबाई Arvind Potnis, Aurangabad.	27,338
6.	Shri Fulchand Mannalal, Warsa.	32,517
7.	M/s. Nizamabad Bidi Mfg. Co., Kamptee.	39,028
8.	Shri Ramakant Loiya (HUF), Kamptee.	42,312
9.	Late Shri Narsingdas Mor, Tumsar.	49,209
10.	M/s. Dealers & Co. (P) Ltd, Jaipur.	81,173
11.	Shri Fakurddin Mohd. Ali, Nagpur.	87,939
12.	M/s. Suwarna Transport Co. (P) Ltd., Buldhana.	91,950
13.	Shri Radhakisan Loiya (HUF), Kamptee.	1,32,515
14.	M/s. Ramkrishana Ramnath (Bidi) (Pvt.) Ltd., Nagpur.	1,53,215
15.	M/s. Ramkrishna Ramnath (RF), Kamptee.	1,65,990
16.	M/s. R.R. Agarwal (P) Ltd., Nagpur.	3,03,114

SCHEDULE II

List of persons in default for periods of 1 year and 3 months and above but not exceeding 2 years and 3 months

S. No.	Name and address of the tax defaulters	Amount in default
1	2	3
		Rs.
1.	Late Fatechand Mor through legal heir Shri Ramnarayan Mor, Tumsar.	482
2.	Shri Jainarayan Nandkishore through agent M/s. R.B. Shreeram & Co. (P) Ltd, Vishakhapatnam.	731
3.	Capt. Dadli Shamsheerjung Bahadur Rana (Non Resident) through agent M/s. R.B. Shreeram & Co. (P) Ltd, Vishakhapatnam.	5,972
4.	Late Narsingdas Mor through Legal heir Shri Chandrakant Mor, Tumsar.	9,813
5.	Dr. Kachumal Jethanand, Nagpur.	12,545
6.	Shri Chandrakant Mor (HUF), Tumsar.	13,620
7.	Shri G. V. Ranade, Nagpur.	15,157
8.	M/s. Abidi Shop, Nagpur.	18,100
9.	M/s. Nagpur Glass Works, Nagpur.	21,484
10.	M/s. Suwarna Transport Co. (P) Ltd, Buldhana.	26,720
11.	Shri Ramnarayan Mor (HUF), Tumsar.	36,365
12.	Shri Fakruddin Mohd. Ali, Nagpur.	41,728
13.	Shri Radhakisan Loiya (HUF), Kamptee.	46,116
14.	Shri Banwarilal Loiya (HUF), Kamptee.	52,119
15.	Shri Ramakant Loiya (HUF), Kamptee.	94,113
16.	Shri Rameshwardas Ramdas, Jaipur.	97,874
17.	Shri Santoshkumar Agarwal, Tumsar.	1,06,414
18.	M/s. Dealers & Co. (P) Ltd., Jaipur.	1,61,705
19.	M/s. Ramkrishna Ramnath (Bidi) Pvt. Ltd., Nagpur.	2,63,039
20.	M/s. Nizamabad Bidi Mfg. Co., Kamptee.	2,78,112
21.	M/s. Ramkrishna Ramnath (RF), Kamptee.	5,34,270
22.	M/s. Ramkrishna Ramnath Agarwal (P) Ltd., Nagpur.	5,35,051

SCHEDULE III

List of persons in default for periods of 2 years and 3 months and above

S. No.	Name and address of the tax defaulters	Amount in default
1	2	3
		Rs.
1.	Dr. Kachumal Jethanand, Nagpur.	14,007
2.	Shri Fakruddin Mohd. Ali, Nagpur.	23,086
3.	Shri V.G. Kolhatkar, Nagpur.	31,673
4.	M/s. Janki General Stores, Nagpur.	33,257
5.	M/s. Nagpur Glass Works, Nagpur.	37,075
6.	Shri Mohsin Ali Fazal Hussain, Chandrapur.	37,513
7.	M/s. Nizamabad Bidi Mfg. Co., Kamptee.	40,245
8.	Shri R.M. Ladha, Amraoti.	44,367
9.	Shri Jainarayan Nandkishore through Agent M/s. R.B. Shreeram & Co. (P) Ltd., Vishakhapatnam.	44,958
10.	M/s. Ramchandra Ramratan, Aniravati.	53,060
11.	Shri A.A. Haji, Amraoti.	55,133
12.	Capt. Dadli Shamsheerjung Bahadur Rana (Non-resident) through Agent M/s. R.B. Shreeram & Co. (P) Ltd., Vishakhapatnam.	55,801

1	2	3
13.	Shri N.P. Lahoti, Latur	58,767
14.	Late D.W. Mandpe, Nagpur	62,296
15.	Shri Bhagirathi Prasad Kaluram, Parbhani	75,350
16.	M/s. K. Moosa Mohd., Gondia	80,622
17.	Shri S.K. Mukherjee C/o M/s. Citadal Trading Co., Bardhwan, West Bengal	80,857
18.	M/s. Citadal Trading Co., Bardhwan, West Bengal	84,919
19.	Shri G.V. Ranade, Nagpur	92,474
20.	Shri Ghasilal Suwalal Jaipuria, Tumsar	1,08,227
21.	M/s. Laxmi Lime Factory, Rajpur. (URF)	1,17,168
22.	M/s. Nagpur Orange Growers Association, Nagpur	1,89,143
23.	M/s. Abidi Shop, Nagpur	1,31,091
24.	M/s. Rambilas Murlidhar & Balaram Toluram, Tumsar	1,54,472
25.	Shri Ramkumar Ramgopal (Non-resident) through Agent M/s. R.B. Shreeram & Co. (P) Ltd., Vishakhapatnam	2,42,057
26.	M/s. Ramkrishna Ramnath Agarwal (P) Ltd., Nagpur	2,77,218
27.	Shri Rameshwardas Ramdas, Jaipur	4,07,228
28.	M/s. Gowardhandas Gopikisan, Gondia	4,51,507
29.	M/s. Ramkrishna Ramnath (Bidi) Pvt. Ltd., Nagpur	5,69,108
30.	Shri Ramakant Loiya (HUF), Kamptee	8,84,089
31.	Shri Banwarilal Loiya (HUF), Kamptee	9,73,113
32.	M/s. R.S. Gopikisan Agarwal (Shippers) Pvt. Ltd., Tumsar	14,80,000
33.	Shri Radhakisan Loiya (HUF), Kamptee	15,01,118
34.	Shri Chandrakant Mor (HUF), Tumsar	15,99,458
35.	Shri A.S. Dixit, Wardha	16,07,418
36.	M/s. Jaipuria Brothers, Tumsar	16,24,379
37.	M/s. Gudrughat Mines, Tumsar	16,25,892
38.	M/s. Ramkrishna Ramnath (RF), Kamptee	18,02,740
39.	M/s. Dealers & Co. (P) Ltd., Jaipur	18,08,560
40.	M/s. Balaram Tohram (HUF), Tumsar	21,50,000
41.	Late Fatechand Mor through legal heir Shri Ramnarayan Mor, Tumsar	23,48,518
42.	Shri Ramnarayan Mor (HUF), Tumsar	28,69,711
43.	Late Narsingdas Mor through Legal Heir Shri Chandrakant Mor, Tumsar	37,61,984

[F. No. Recy(64)/74-75]

KALWANT RAI, Commissioner of Incometax.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1975

शुद्धि-पत्र

का० प्रा० 1422.—भारत के राजपस विनांक 18 जनवरी, 1975 के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में प्रकाशित विनांक 13 जनवरी, 1975 की दोनों अधिसूचना का० प्रा० सं० 154 तथा 155 में "6 करोड़" के श्रृंखला को "5.50 करोड़" पढ़ा जाये।

इस संबंध में 24 जनवरी, 1975 का शुद्धिपत्र एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[का० सं० 88(75)-बीमा 4/74]

आर० डी० खानवासरकर, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1975

CORRIGENDUM

S.O. 1422.—In the notification S. O. Nos. 154 and 155 both dated 13th January, 1975, published in the Gazette of India in Part II Section 3 Sub-Section (ii) dated the 18th January, 1975, the figure of "6 crores" may be read as "5.50 crores".

The corrigendum dated 24th January, 1975 in this regard is hereby cancelled.

[F. No. 88(75)-INS IV/74]

R. D. KHANWALKAR, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1423.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम के उपखंड (2) के खण्ड 19 के उप-बन्ध ओरियन्ट बैंक आफ कामर्स लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा, गिरवीदार के रूप में 2 जनवरी, 1967 से धृत "सुप्रभात इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड" के शेयरों के सम्बन्ध में, उक्त बैंक पर, 1 जनवरी, 1976 तक लागू नहीं होंगे।

[सं 15(15)-बी-प्रो० 3/75]

(Department of Banking)

New Delhi, the 11th April, 1975

S.O. 1423.—In exercise of the powers, conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to the Oriental Bank of Commerce Ltd., New Delhi, till the 1st January, 1976, in respect of the shares of the Suprabhat Engineering Co. Ltd., held by it as pledgee since the 2nd January, 1967.

[No. 15(15)-B.O. III/75]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1424.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 54 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर, द्वारा धोलपुर में धृत भ्रष्ट सम्पत्ति (भूमि के प्लॉट) के सम्बन्ध में, उक्त बैंक पर, 15 मार्च, 1976 तक लागू नहीं होंगे।

[सं० 15(9) बी० प्रो० 3/75]

New Delhi, the 19th April, 1975

S.O. 1424.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions

of section 9 of the said Act shall not apply till the 15th March, 1976 to the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur, in respect of the immovable property (plot of land) held by it at Dholpur.

[No. 15(9)-B. O. III/75]

क्र० आ० 1425.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध, ग्रिन्डलेज बैंक लिमिटेड, कलकत्ता द्वारा गिरवीदार के रूप में, वृत्त निम्नलिखित कंपनियों के, उनके नाम के आगे लिखे शेयरों के, सम्बन्ध में उक्त बैंक पर 31 मार्च, 1976 तक लागू नहीं होंगे।

कंपनी का नाम	गिरवी रखने की तारीख	धृत शेयरों का चुकता मूल्य
		(लाख रुपये में)
1. जे०के० आटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड	24-11-1966	1.65
	3-2-1967	0.25
2. ग्लोब यूनाइटेड इंजीनियरिंग एंड फाउण्ड्री कंपनी लिमिटेड	20-11-1967	8.80
	16-2-1968	8.81
	16-3-1968	0.05

[सं० 15(16)-बी०प्रो० 3/75]

S.O. 1425.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply, till the 31st March 1976, to the Grindlays Bank Ltd., Calcutta, in respect of the shares held by it as pledgee of the undernoted companies as shown against their names.

Name of the Company	Date of lodgement of shares held	Paid-up value
		(In lakhs of Rupees)
1. Jay Kay Automobiles Pvt. Ltd.	24-11-1966	1.65
	3-2-1967	0.25
2. Globe United Engineering & Foundry Co. Ltd.	20-11-1967	8.80
	16-2-1968	8.81
	16-3-1968	0.05

[No. 15(16)-B.O. III/75]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1975

क्र० आ० 1426.—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त बैंक की धारा 12 की उपधारा 2 के उपबन्ध यूनाइटेड इंजिनियरिंग बैंक लिमिटेड पर लागू नहीं होंगे।

[सं० 15(17)-बी०प्रो० 3/75]

मे०भा० उसगांवकर, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1975

S.O. 1426.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 12 of the Act, shall not apply to the United Industrial Bank Ltd.

[No. 15(17)-B.O. III/75]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 25th April, 1975

S.O. 1427.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Fourth Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 67 of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972 (hereinafter referred to as the said rules), sub-rule (1) shall be omitted.

3. In rule 68 of the said rules, in sub-rule (1), for the words and figures "After completing the service statement mentioned in rule 67, the", the word "The" shall be substituted.

4. In Form 7 of the Forms appended to the said rules,—

(a) for the words and figures "See rules 62, 63(b), 66(1), 67(1)", the words and figures "See rules 62, 63(b), 66(1)" shall be substituted;

(b) in Part II—

(i) the heading "Section I" and the entries thereunder shall be omitted;

(ii) the headings "Section II", "Section III" and "Section IV" shall be renumbered respectively as "Section I", "Section II" and "Section III";

(iii) in the heading Part III, under Section I, in item 1, the brackets, words and figures, "(other than disallowance indicated in Part II of this Form)" shall be omitted.

5. In Form 18 of the Forms appended to the said rules, in Part II—

(i) the heading "Section I" and the entries thereunder shall be omitted;

(ii) the headings "Section II", "Section III" and "Section IV" shall be renumbered respectively as "Section I", "Section II" and "Section III".

[No. Q. 16011/1/75-EV(A)]

New Delhi, the 28th April, 1975

S.O. 1428.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of persons employed in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund (Second Amendment) Rules (India), 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, for the proviso to sub-rule (1) of rule 17, the following shall be substituted, namely :—

“Provided that in no case the maximum amount of withdrawal shall exceed Rs. 1,00,000 or 75 times the monthly pay, whichever is less : Provided further that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under the sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid scheme or the assistance taken from any other Government source shall not exceed Rs. 1,00,000 or 75 times the monthly pay, whichever is less”.

[No. 13(3)-E. V. (B)/75-CPF]

S.O. 1429.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of persons employed in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Third Amendment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, for the proviso to sub-rule (1) of rule 16, the following shall be substituted, namely :—

“Provided that in no case the maximum amount of withdrawal shall exceed Rs. 1,00,000 or 75 times the monthly pay, whichever is less : Provided further that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid scheme or the assistance taken from any other Government source shall not exceed Rs. 1,00,000 or 75 times the monthly pay, whichever is less”.

[No. 13(3)-E. V. (B)/75-GPF]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

आदेश

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1975

क्र० प्रा० 1430.—महा-प्रबन्धक दक्षिणी रेलवे, मद्रास को जापान से एक ट्रेक्शन मोटर के आयात के लिए 25,000 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० जी/सी०सी०/2336740 दिनांक 15-4-1968 जारी किया गया था। अब लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस कार्यालय से इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल भी उपयोग किए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आवेदन के समर्थन में आवेदक ने पांच रुपये के राजकोष आलान और आवेदन पत्र के साथ सरकारी कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है

अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति सं० जी/सी०सी०/2336740 दिनांक 15-4-68 आवेदक से खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता है कि इसकी अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति सं० जी/सी०सी०/2336740 दिनांक 15-4-68 एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : 90-जी/रेलवे/67-68/जी०एच०एम०/10]

एन० सी० कान्जीलाल, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 25th April, 1975

S.O. 1430.—An Import Licence No. G/CC/2336740 dated 15-4-1968 for Rs. 25,000 for the import of one traction Motor from Japan was issued in favour of General Manager, Southern Railways Madras. Now the licensee has requested this office for issue of a duplicate CCP of the same on the ground that the original CCP has been lost/misplaced without having been registered with any Customs House fully utilised.

In support of the request, the applicant has filed an affidavit on stamped paper alongwith T.R. of Rs. 5 and application form.

The undersigned is satisfied that the original CCP No. G/CC/2336740 dated 15-4-1968 has been lost/misplaced by the applicant and directs that duplicate CCP should be issued in favour of the applicant.

The original CCP, No. G/CC/2336740 dated 15-4-1968 is hereby cancelled.

[No. 90.G/Rly/67-68/GLS/10]

N. C. KANJILAL, Dy. Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1975

क्र० प्रा० 1431.—दि प्रोजेक्ट एण्ड इन्विजमेंट कारपोरेशन प्राफ इंडिया लि०, नई दिल्ली को निम्पल्स के साथ ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स, ग्रेफाइट एनोड्स (प्लेट्स-सरोड्स) निम्पल्स के साथ कार्बन इलैक्ट्रोड्स के आयात के लिए 1,03,010 रुपये (एक लाख तीन हजार दस रुपये मात्र) मूल्य का एक पूरक लाइसेंस सं० जी/जे/3040964 दिनांक 7-2-74, सर्वश्री नेशनल न्यूजप्रिन्ट एण्ड पेपर मिल्स लि०, नेपालगर के पक्ष में प्राधिकार पत्र के साथ प्रदान किया गया था। पूरक लाइसेंस, मुख्य लाइसेंस सं० जी/टी/1060391 दिनांक 16-6-1973 के प्रति जारी किया गया था। उन्होंने पूरक लाइसेंस को अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल पूरक लाइसेंस खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि लाइसेंस किसी भी धनराशि का उपयोग किये बिना ही खो गया/अस्थानस्थ हो गया था और लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। प्रधोहरणाधरी संतुष्ट है कि पूरक लाइसेंस सं० सी/ने/3040964 दिनांक 7-2-74 खां गया है और निदेश देता है कि इसका (अबल सीमाशुल्क निकासी प्रति) की अनुलिपि उन को जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति) रद्द किया जाता है। पूरक लाइसेंस की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या एस टी सी/एम आई एस सी/232/73-74/आर एस सी/212]

एस० वर्मा, उप-मुख्य नियंत्रक

New Delhi, the 28th April, 1975

ORDER

S.O. 1431.—The Project and Equipment Corporation of India Limited, New Delhi were granted a subsidiary licence No. G/J/3040964 dated 7-2-1974 with a letter of authority in favour of M/s. National Newsprint & Paper Mills Ltd., Nepanagar for the import of Graphite Electrodes with Nipples Graphite Anodes (Plates-Rods) Carbon Electrodes with Nipples valued at Rs. 1,03,010 (Rupee one lakh three thousand and ten only). The sub. licence was issued against the main licence No. G/T/1060391 dated 16-6-1973. They have requested for the issue of duplicate copy of the subsidiary licence on the ground that the original sub. licence has been lost/misplaced. It has further been reported by the licensee that the licence was lost/misplaced after the utilisation of Rs. Nil and the licence was not registered with any customs authorities.

2. In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original subsidiary licence No. G/J/3040964 dated 7-2-1974 has been lost and directs that a duplicate copy of the said licence (customs copy only) should be issued to them. The original licence (Custom copy only) may be treated as cancelled. Duplicate copy of the sub. licence is being issued separately.

[File No. STC/MISC/232/73-74/RMCell/212]

S. VARMA, Dy. Chief Controller

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

कलकत्ता, 1 जनवरी, 1975

आदेश

का०आ० 1432—सर्वश्री बिहार इलेक्ट्रिक लेम्पस एंड एनाइड मैनुफैक्चर्स सी-30, द्वितीय फेज अदित्यपुर इन्डस्ट्रियल एरिया, जमशेदपुर, बिहार को टंगस्टन फिलामेंट्स के आयात के लिए कुल 17,500 रुपए का एक लाइसेंस सं० पी/एम/1775581/टी/ओ/आर/51/सी/37-38 दिनांक 20-4-74 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन दोनों प्रतियां उपयोग करने से पूर्व और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराए बिना ही खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट, जमशेदपुर के सम्मुख शपथ लेते हुए इस संबंध में एक शपथ पत्र दाखिल किया है कि उक्त लाइसेंस उनके द्वारा रद्द धरोहर, हस्तांतरित नहीं किया गया है या उनकी ओर से किसी भी अन्य पार्टी को किसी भी प्रयोजनार्थ या

18 GU/75—2.

विचार हेतु जो कुछ भी हो नहीं दिया गया है। आवेदक ने मूल लाइसेंस को रद्द करने के लिये प्रयत्न किया है और उसके बचले में अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया है और उन्होंने यह बचन दिया है कि मूल सीमाशुल्क/मुद्रा विनिमय प्रयोजन प्रति मिल गई तो वे उसे जारी करने वाले प्राधिकारी के पास लौटा देंगे।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० पी/एम/1775581/टी/ओ/आर/51/सी/37-38 दिनांक 20-4-74 की मूल सीमाशुल्क/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की सीमाशुल्क/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां एतद् द्वारा रद्द की जाती हैं।

[संख्या : एयू/31658/32/ए०एम० 74/5 एवं 6/231]

एम० एम० पुरी,

उप-मुख्य नियंत्रक,

कुते संयुक्त मुख्य नियंत्रक,

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)
Calcutta, the 1st January, 1975

ORDER

S.O. 1432.—M/s. Bihar Electric Lamps and Allied Manufactures B-30, 2nd Phase, Adityapur Industrial Area, Jamshedpur, Bihar were granted licence No. P/S/1775581/T/OR/51/C/37-38 dated 20-4-1974 for Import of Tungstan Filaments for a total value of Rs. 17,500. They have applied for duplicate copy of the Customs Purposes Copy exchange purposes copy of the licence on the ground that both copies of original customs purposes and Exchange purposes of the said licence have been lost or misplaced before utilisation and without having been registered with any customs authorities.

In support of their cancellation the applicant have filed an affidavit sworn in before executive Magistrate, Jamshedpur to the effect that the said licence has not been cancelled, pledged, transferred or banded over by the said firm or on their behalf to any other party for any purpose or consideration what so ever. The applicant have made a request to cancel the original licences in lieu of which the duplicate copy has been applied for by them and they undertake to return the original customs/Exchange purposes copy of the licence to the issuing authority if traced out latter.

I am satisfied that the original Customs/Exchange purposes copy of the licences No. P/S/1775581/T/OR/51/C/37-38 dated 20-4-1974 has been lost/misplaced and direct that a duplicate copy of the customs/exchange purpose copy of the licence issued to the applicant. The original customs/Exchange purposes copies of the said licence are hereby cancelled.

[No. Au/31658/32/AM/74/V&VI/231]

M. S. PURI, Dy. Chief Controller
for Jt. Chief Controller

उद्योग और नागरिक पूर्ति संस्थान

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1975

का०आ० 1433.—आई०डी०आर०ए/6/16—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक विकास परिषद् (कार्यविधि) नियम 1952 के नियम 5 (1) के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा टेक्सटाइल मशीनरी मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, बम्बई के अध्यक्ष को 19 जून, 1976 तक के लिए भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ०—दिनांक 20 जून, 1974 के आदेश द्वारा गठित मशीन टूल के निर्माण अथवा उत्पादनरत अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् का सदस्य नियुक्त करती है और निदेश देती है कि उक्त आदेश में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :

उक्त आदेश में, श्री आर०एन० बसु से संबंधित प्रविष्टि संख्या 27 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि निविष्ट की जाएगी, अर्थात्:—

28 अध्यक्ष, टेक्सटाइल मशीनरी मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन,

80, डा० एनीबेसेंट रोड,

वर्ली, बम्बई-400018.

[एफ० सं०/4-47/73-एम०टी०]

त्रिलोचन सिंह, उप-सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 29th April, 1975

S.O. 1433.—IDRA/6/16.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (D&R) Act, 1951 (65 of 1951) read with rule 5(1) of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, till 19th June, 1976, the Chairman, Textile Machinery Manufacturers' Association, Bombay, to be member of the Development Council constituted by the Order of the Government of India in the Ministry of Heavy Industry Order No. S.O. dated the 20th June, 1974 for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of Machine Tools and directs that the following amendment shall be made in the said Order, namely:—

In the said Order, after entry No. 27 relating to Shri R. N. Basu, the following entry shall be inserted, namely:—

28. Chairman, Textile Machinery Manufacturers' Association, 80, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

[F. No. 4-47/73-MT]

TIRLOCHAN SINGH, Dy. Secy.

(भारतीय मानक संस्था) ¹

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1975

का० आ० 1434.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं:—

अनुसूची

संशोधित भारतीय मानकों की क्रम सं०	संशोधित भारतीय मानकों की प्रव संख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक तैयार होने की सूचना छपी थी उसी एसओ सं० और दिनांक	संशोधन की संख्या और दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 267-1963 अक्रिय सेल की विशिष्टि	एस ओ 1960 दिनांक 29 जून 1963	संख्या 4 ¹ मार्च 1974	(1) (पृष्ठ 5, खण्ड 5-2-3 पंक्ति 3) — '10 मिमी 2' के स्थान पर '1,0 मिमी 2' कर लीजिए। (2) सारणी 5 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1 मार्च 1973
2.	IS : 317-1970 स्क्वेल ग्राहियों के मध्यम ड्यूटी वाले द्रवनिर्गमित ब्रेक के द्रव की विशिष्टि	एस ओ 1555 दिनांक 24 जून 1972	सं० 1 दिसम्बर 1972	(1) [पृष्ठ 5, सारणी 1, क्रम संख्या (ii)] इस 1 दिसम्बर, 1972 विशेषता को हटा कर बाद की क्रम संख्या को पुनः क्रम संख्या वीजिए। (2) [पृष्ठ 6, सारणी 1, स्तम्भ 3 और 4 में क्रम संख्या (XV) के सामने]— दी गई वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित रख लीजिए: 'परीक्षण में पास होने के लिए'	1 दिसम्बर, 1972

1	2	3	4	5	6
3.	IS : 323-1959 परिशोधित स्पिरिट की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस ओ 2206 दिनांक 10 सितम्बर 1960	संख्या 1 मार्च 1973	खण्ड जी०-4. 2. 1 और एम-1. 1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1 मार्च 1973
4.	IS : 534-1965 बेंजीन की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस ओ 4023 दिनांक 31 दिसम्बर 1966	संख्या 1 मार्च 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है और परिशिष्ट 'डी' हटा दिया गया है।	1 मार्च 1973
5.	IS : 539-1965 नेफ्थालीन की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	"	संख्या 1 मार्च 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1973
6.	IS : 548-1964 तेलों तथा वसा की भानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां (पुनरीक्षित)	एस ओ 83 दिनांक 2 जनवरी 1965	सं० 2 मार्च 1973	(1) खण्ड 20. 8. 2 का संशोधन किया गया है। (2) (पृष्ठ 65, खण्ड 20. 5. 1. 2)—इस खण्ड को हटाकर खण्ड 20. 5. 1. 3 की संख्या 20. 5. 1. 2 के कर लीजिए।	1 मार्च 1973
7.	IS : 564-1972 छत पर बिछाने के मिट्टी के बने मंगलीरी नमूने के टाइल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मार्च 1973	(1) (पृष्ठ 5, सारणी 2 के नीचे टिप्पणी पंक्ति 4) — 360 मिमी' के स्थान पर क्रमशः '350 मिमी' और '360 मिमी' कर लीजिए। (2) (पृष्ठ 5, खण्ड 5. 2 धनौपचारिक सारणी, पहले स्तम्भ के नीचे अंतिम इंदराज में) — '425-265' के स्थान पर '425 260' कर लीजिए।	1 मार्च 1973
8.	IS : 722 (भाग 1/खण्ड 2)-1969 एसी बिजली के मीटरों की विशिष्टि भाग 2 एक फेज बुहरी तार पूर्ण धारा वाट घंटा मीटर खण्ड 2 मूलतः धारा रेटिंग वाले मीटर	एस ओ 4114 दिनांक 11 अक्टूबर 1969	संख्या 1 मार्च 1973	(1) खण्ड 8. 8. 2 और 8. 21. 3 को हटा दिया गया है। (2) खण्ड ए-2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (3) (पहला मुख पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 शीर्षक) — 'वाट आवर मीटर' के बाद 'क्लास 2-0' जोड़ लीजिए।	1 मार्च 1973
9.	IS : 722 (भाग 3)-1966 एसी बिजली के मीटरों की विशिष्टि, भाग 3 तीन फेज पूर्ण धारा और ट्रांसफार्मर वालित मीटर और एक फेज दो तार ट्रांसफार्मर वालित मीटर (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1325 15 अप्रैल 1967	संख्या 4 फरवरी 1973	(1) खण्ड 8. 7. 2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) खण्ड 8. 7. 2. 1 और 8. 20. 3 को हटा दिया गया है। (3) सारणी 6 हटा कर परिणामतः बाद की सारणियों की क्रम संख्या जहां भी थी, बदल दी गई है। (4) (पहला मुख पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 शीर्षक अंतिम पंक्ति) — 'ट्रांसफार्मर वालित मीटर' के बाद 'क्लास 2. 0' जोड़ दीजिए। (5) एक नया खण्ड 8. 6. 3 जोड़ा गया है। (6) खण्ड बी. 3. 1 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी 1973
10.	IS : 722 (भाग 4) -1966 एसी बिजली के मीटर की विशिष्टि भाग 4 तीन फेज, वाट घंटा मीटर अधिकतम मांग संकेतक (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1325 दिनांक 15 अप्रैल 1973	सं० 4 फरवरी 1973	(1) खण्ड 10. 7. 2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) सारणी 6 हटा दी गई है और बाद की सारणियों की क्रम संख्या जहां भी थी, बदल दी गई है। (3) एक नया खण्ड 10. 6. 5 जोड़ा गया है। (4) खण्ड 10. 7. 2. 1 और 10. 21. 3 हटा दिए गए हैं। (5) खण्ड बी० 3. 1 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी 1973

1	2	3	4	5	6
11. IS : 722 (भाग 5)-1965 एसी बिजली के मोटर की विशिष्टि, भाग 5 सीमित पावर गुणक परास के लिए वोल्ट, अक्षपीयर घंटा मोटर	एस ओ 664 दिनांक 5 मार्च 1966	सं० 5 मार्च 1973	(1) खण्ड 11.6.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) सारणी 6 और खण्ड 11.19.3 को हटा दिया गया है। (3) खण्ड सी-3.1 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1973	
12. IS : 722 (भाग 6) 1968 एसी बिजली के मोटर की विशिष्टि, भाग 6 वाट घंटा मोटर	एस ओ 2578 दिनांक 20 जुलाई 1968	सं० 3 अप्रैल 1973	(1) खण्ड 10.7.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) खण्ड 10.7.2.1 और 10.21.3 हटा दिए गए हैं। (3) सारणी 6 हटा दी गई और बाव की सारणियों की क्रम संख्या जहाँ भी थी, बदल दी गई है। (4) खण्ड 10.6.1 और बी 3.1 का संशोधन किया गया है।	1 अप्रैल 1973	
13. IS : 722 (भाग 8)-1972 एसी बिजली के मोटर की विशिष्टि भाग 8 एक फेज दो तार पूर्ण धारा वाट घंटा मोटर (श्रेणी 1.0)		सं० 1 मार्च 1973	सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1 मार्च 1973	
14. IS : 780-1969 जलकल कार्यों के लिए स्लूम वाल्व की विशिष्टि (50 से 300 मिमी साइज) (चतुर्थ पुनरीक्षण)	एस ओ 1555 दिनांक 24 जून, 1972	सं० 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 5, खण्ड 4, 2, 1, 1 पंक्ति 4)- 44 किग्रा- ब/सेमी 2' के स्थान पर '44 किग्रा ब/मिमी 2' कर लीजिए।	1 मार्च 1973	
15. IS : 816-1969 मृदु इस्पात की सामान्य संरचना के लिए मेटल थार्क वेल्डिंग के उपयोग की रीति संहिता (पहले पुनः)	एस ओ 1277 दिनांक 27 मई 1972	सं० 1 मार्च 1973	खण्ड 7.5.1.1 में वर्तमान सूत्र के स्थान पर नया सूत्र दिया गया है।	1 मार्च 1973	
16. IS : 916-1966 18-लिटर समझी वाले बर्गाकार टिन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 469 दिनांक 11 फरवरी 1967	सं० 3 मार्च 1973	खण्ड 3.3.1.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मार्च 1973	
17. IS : 933-1967 फेन वाले सुबाहुय रसायनिक अभिगमक की विशिष्टि (पहले पुनरीक्षण)	एस ओ 1720 दिनांक 18 मई 1968	सं० 2 फरवरी 1973	(1) खण्ड 4.2 और 7.3 का संशोधन किया गया है। (2) पृष्ठ 4 और 6 पर दी गई वर्तमान पाद टिप्पणियां चिन्हनाकित (-/-) और (1) के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं। (3) खण्ड 7.4.1 और 12.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। (4) खण्ड 17.1 के बाव दो नई पाद-टिप्पणियां जोड़ी गई हैं।	1 फरवरी 1973	
18. IS: 1019-1968 सूजी भयवा रवा (सेमोलिना) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 2766 दिनांक 10 अगस्त 1968	सं० 1 मार्च 1973	(1) खंड 4.1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) पृष्ठ 7, (पाद-टिप्पणी) अन्त में निम्न-लिखित पाद-टिप्पणी जोड़ लीजिए : “+ दुहरी परत के आटे बोरे की विशिष्टि”	1 मार्च 1973	
19. IS: 1049-1962 ग्लकोहल, सुगंध सेड, की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस ओ 898 दिनांक 30 अप्रैल 1968	सं० 1 अप्रैल 1973	(1) खंड 0.5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 अप्रैल 1973	
20. IS: 1155-1968 गेहूं के आटे की विशिष्टि (दूसरा पुनः)	एस ओ 2766 दिनांक 10 अगस्त 1968	सं० 1 मार्च 1973	(1) खंड 4.1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) (पृष्ठ 6, पाद-टिप्पणी) अन्त में निम्न-लिखित पाद-टिप्पणी जोड़ लीजिए। “+ दुहरी परत के आटे के बोरे की विशिष्टि”	1 मार्च 1973	

1	2	3	4	5	6
21. IS: 1200 (भाग 25) -1971 इमारती और मिक्स हंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धतियां भाग 25 सुरंग विछाना (दू पुन)	---	सं० 1 मार्च 1973	[पृष्ठ 4, खंड 2-3 (सी) पंक्ति 1] 'सेटीमीटर' के स्थान 'घनमीटर' कर लिजिए।	1 मार्च 1973	
22. IS: 1311-1966 इथाईलीन डायक्लोमाइड की विशिष्टि (पह पुन)	एस ओ 1759 दिनांक 20 मई 1967	सं० 2 मार्च 1973	[पृष्ठ 4, सारणी 1 स्तम्भ 2 क्रमांक सं० (iii) के सामने] 'मिमी 20 मिलि' के स्थान पर 'मिमी 20 मिलि' कर लीजिए।]	1 मार्च 1973	
23. IS: 1370-1965 खरदुरी समूह वाले रबड़ पारेण पट्टों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस ओ 1081 दिनांक 9 अप्रैल 1966	सं० 3 फरवरी 1973	(1) सारणी 1 का संशोधन किया गया है। (2) खंड 3.2, 6.3 और 8-1.1 के नीचे वाली अनीपचारिक सारणियों का संशोधन किया गया है। (3) सारणी 4 और खंड सी-4.2 के स्थान पर नई सारणी और खंड दिए गए हैं; और (4) खंड सी-1.1 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी 1973	
24. IS: 1413-1970 वनस्पति के गोल टिनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 5032 दिनांक 6 नवम्बर 1971	सं० 1 मार्च 1973	खण्ड 3.2.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मार्च 1973	
25. IS: 1422-1970 सूती डक की विशिष्टि (पह पुन)	एस ओ 2110 दिनांक 29 मई 1971	सं० 1 मई 1973	(1) खण्ड 0.2 और सारणी 1 का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 0.3.1.1 और सारणी के स्थान पर नए खण्ड और सारणी जोड़ी गई हैं। (3) सारणी 1 के नीचे अतिरिक्त टिप्पणी जोड़ी गयी है।	1 मई 1973	
26. IS: 1476-1971 बरेलू रेफिनेटर्स की विशिष्टि (ग्रंथ चालित) (पहला पुनरीक्षण)	---	सं० 1 मार्च 1973	सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1 मार्च 1973	
27. IS: 1534 (भाग-1) 1967 प्रतिदीप्त द्रव्यों के लिये देलास्ट की विशिष्टि भाग 1 स्थिच स्टाटे सकिटों के लिये (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 520 दिनांक 10 फरवरी 1968	सं० 2 फरवरी 1973	(1) (पृष्ठ 4, खण्ड 1.1 पंक्ति 4) '40' के बाद '65' जोड़ दीजिये और (2) सारणी संख्या 3,4,6,7 और 8 के नीचे नई सामग्री जोड़ी गई है।	1 फरवरी 1973	
28. IS: 1885(भाग 4/II खण्ड 3) -1970 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 4 इलेक्ट्रान द्रव्य और घात्व खण्ड 3 सूक्ष्म तरंग और घात्व	---	सं० 1 मार्च 1973	पृष्ठ 42 पर दिये गये ई टी डी सी 39पी 4 के गठन के स्थान पर नया गठन दिया गया है।	1 मार्च 1973	
29. IS: 1989-1967 खनिकों के लिये चमड़े के बचाव बूटों और जूतों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 2038 दिनांक 17 जून 1967	सं० 2 मार्च 1973	(1) (पृष्ठ 9, खण्ड 6.13, अंतिम वाक्य)- इसको हटा दीजिये। (2) खण्ड 6.18 के नीचे वर्तमान टिप्पणी (संशोधन सं० 1 देखिए) के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है। (3) खण्ड 9.3 और सारणी 2 का संशोधन किया गया है। (4) (पृष्ठ 14, सारणी 2)- 'गमी गुस्सों का दणमलव के प्रथम स्थान तक पूर्ण-कन कर लीजिये।' (5) (पृष्ठ 14, आकृति 6)-शब्द 'दो पक्ष' हटा दीजिये। (6) खण्ड 9.16.1.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मार्च 1972	

1	2	3	4	5	6
30. IS: 2004-1970 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये कार्बन इस्पात की गड़ी वस्तुओं की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 2110 सं० 1 दिनांक 29 मई 1971	सं० 1 मार्च 1973	खण्ड 0.2 के बाद नया खण्ड 0.2.1 जोड़ा गया है।	1 मार्च, 1973	
31. IS: 2087-1971 सामान्य कार्यों के लिये वर्गाकार टिन की विशिष्टि (दू० पु०)	एस ओ 3318 सं० 1 दिनांक 21 अक्टूबर 1972	सं० 1 मार्च, 1973	खण्ड 4.3, 1.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मार्च, 1973	
32. IS: 2418-1964 सामान्य रोशनी के लिये प्रतिदीप्त द्युबों की विशिष्टि	एस ओ 1152 सं० 3 दिनांक 10 अप्रैल 1965	सं० 3 मार्च 1973	(1) (पृष्ठ 15, खण्ड 8.4.1, अनौपचारिक सारणी) — '40' और 80 के स्थान पर '40,65' और 80' कर लीजिये। (2) सारणी 1, 2, 3, 4, 5 और 6 और खण्ड 8.4.2.3 की अनौपचारिक सारणी में नई सामग्री जोड़ी गई है।	1 मार्च, 1973	
33. IS: 2552-1970 इस्पात के ड्रम (जस्तीकृत और अजस्तीकृत) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1107 सं० 1 दिनांक 20 मार्च 1971	सं० 1 सितम्बर 1972	[पृष्ठ 5, सारणी 1, स्तम्भ 2, क्रम संख्या (1) के सामने] '5' के स्थान पर '3' कर लीजिये।	1 सितम्बर, 1973	
34. IS: 2581-1968 जहाजरानी कार्यों के लिये गोल लकड़ार जस्तीकृत इस्पात के तार के रस्सों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 4961 सं० 2 दिनांक 20 दिसम्बर 1969	सं० 2 फरवरी 1973	(1) खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) सारणी 5, 6 और 7 को संशोधित किया गया है।	1 फरवरी, 1973	
35. IS: 2922-1964 शामियाने की लकड़ी की मोचरी की विशिष्टि	एस ओ 1152 सं० 2 दिनांक 10 अप्रैल 1965	सं० 2 मार्च 1973	आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है। किन्तु मान बही रखे गये हैं।	1 मार्च, 1973	
36. IS: 2931-1964 प्राइमर देने के तैयार बुरुश से लगने वाले एलुमिनियम जस्ताआक्साइड मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	एस ओ 2134 सं० 3 दिनांक 3 जुलाई 1965	सं० 3 मार्च 1973	(1) खण्ड 3.1.1 का संशोधन किया गया है। (2) पृष्ठ 5, सारणी 1, स्तम्भ 3, क्रम सं० (3) के सामने — "30 से 40 सेकेंड" के स्थान पर बुरुश से लगाने के उपयुक्त कर लीजिये। (3) (पृष्ठ 5, सारणी 1 स्तम्भ 2 क्रम सं० (vii) के सामने (शब्द 'Condensation' के बाद "Carry out the test with two coats of primer" जोड़ लीजिये।	1 मार्च, 1973	
37. IS: 3196-1968 द्रवित अल्पदाब गैसों के भंडारण तथा परिवहन के लिये वेल्डकृत अल्पकाब्रेन इस्पात के सिलेण्डरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 593 सं० 5 दिनांक 15 फरवरी 1969	सं० 5 मार्च 1973	इस मानक के खण्ड 3.1, 3.2 का संशोधन सं० 3 के द्वारा किया गया था जिसके द्वारा एक नया खण्ड 3.1.1 जोड़ा गया था और अब इसको वर्तमान संशोधन द्वारा हटाया जा रहा है। वर्तमान संशोधन से संशोधन संख्या 3 से किये गये सभी परिवर्तनों रह हो गये हैं।	1 मार्च, 1973	
38. IS: 3253-1965 पर्वतारोहण कार्यों के लिये तीन-पान वाली नायलोन रस्सी की विशिष्टि	एस ओ 1081 सं० 2 दिनांक 9 अप्रैल 1966	सं० 2 मार्च 1973	(पृष्ठ 3, खण्ड 3.2) — के खण्ड के अन्त में निम्नलिखित जोड़ लीजिये :— "The yarn shall have minimum tenacity of 67.5 g. per tex or 7.5 gram per denier"	1 मार्च, 1973	
39. IS: 3516-1966 पेट्रोलियम उद्योग के लिये इलवां लोहे के थ्रेणी 9 के पाइपों के फ्लेंज और फ्लेंजदार फिटिंग	एस ओ 913 सं० 1 दिनांक 18 मार्च 1967	सं० 1 मार्च 1967	(1) (पहला मुखपृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 शीर्षक) — शब्द 'थ्रेणी 9' हटा दीजिये और (2) (पृष्ठ 4, खण्ड 1.1, पंक्ति 2) — शब्द 'थ्रेणी 9' हटा दीजिये।	1 मार्च, 1973	
40. IS: 3584-1966 कपूर की विशिष्टि	एस ओ 3818 सं० 1 दिनांक 17 दिसम्बर 1966	सं० 1 फरवरी 1973	(1) खण्ड 4.3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) एक नया खण्ड 4.5 जोड़ा गया है।	1 फरवरी, 1973	

1	2	3	4	5	6
41. IS : 3967-1967 फच की विशिष्टि	एसओ 3673 दिनांक 14 अक्टूबर 1967	सं० 1 अक्टूबर 1972	[पृष्ठ 6, सारणी, स्तम्भ 3, कम संख्या 1 अक्टूबर, 1972 (VII) के सम्मुख]— '4.5' के स्थान पर '5.2' कर लीजिए		
42. IS : 3976-1967 खातों के लिए रबर कैलकुल एसओ 2654 के बचाव यूटों की विशिष्टि	दिनांक 5 अगस्त 1967	सं० 4 मार्च 1973	(1) पृष्ठ 6, सारणी 1, क्रमांक (iii) हटा दीजिए और बदलकर कमसंख्या ठीक कर लीजिए। (2) (पृष्ठ 6, सारणी 1, टिप्पणी) —इसको हटा दीजिए, और (3) पृष्ठ 9, सारणी 2, क्रमांक (vii)- हटा दीजिए और बाद की कमसंख्या ठीक कर लीजिए।	1 मार्च, 1973	
43. IS : 4175-1967 गलती ठीक करने का तरल पदार्थ की विशिष्टि	एसओ 4080 दिनांक 18 नवम्बर 1967	सं० 1 अक्टूबर 1972	खण्ड ए-2.1 के नीचे दिए गए सूत्र के स्थान पर नया सूत्र दिया गया है।	1 अक्टूबर, 1972	
44. IS : 4268-1967 वायु द्वारा प्राइमरी निर्ध्व- वित्त गीले सेल की विशिष्टि	एसओ 287 दिनांक 20 जनवरी 1968	सं० 2 मार्च 1973	(1) खण्ड 4, 5.3 से 5.5, 6.1, 7.1.2, 7.1.3 और 9.2.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं; (2) खण्ड 7.1.1, 9.1 (ए) और 9.2 (ए) का संशोधन किया गया है। (3) परिशिष्ट ए का संशोधन किया गया है। (4) आकृति 1 और 2 के स्थान पर नई आकृतियां दी गई हैं। (5) आकृति 3 और 6 के नीचे दी गई टिप्पणियां हटा दी गई हैं। (6) नया खण्ड 5.6 जोड़ा गया है। (7) खण्ड 8.1 (सी) के अन्त में नई सामग्री दी गई है। (8) सारणी 2 में नए मान जोड़े गए हैं।	1 अक्टूबर, 1972	
45. IS : 4572-1968 पालाएमाइड (नाइलोन) रेशों के रस्सों (तीन पान वाले) की विशिष्टि	एसओ 2578 दिनांक 20 जुलाई 1968	सं० 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 4, खण्ड 1.1 पंक्ति 2 और 3) —खण्ड 1 मार्च, 1973 "of density 1.14 approx." हटा दीजिए।	1 मार्च, 1973	
46. IS : 4663-1968 जूता उद्योग के लिए पक्के रबर के बने चपक की विशिष्टि	एसओ 3745 दिनांक 26 अक्टूबर 1968	सं० 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 5 और 6, सारणियां 1 और 2 (+) 1 मार्च, 1973 चिन्हांकित पाठ—टिप्पणी) — 'दोनों वर्तमान पाद टिप्पणियों के स्थान पर : निम्नलिखित जोड़ दीजिए :— "Confirming to IS : 579-1962 Specification for sole leather (revised)."	1 मार्च, 1973	
47. IS : 4706-1968 खाद्य स्टार्च की परीक्षण पद्धतियां	एसओ 3961 दिनांक 9 नवम्बर 1968	सं० 2 मार्च 1973	खण्ड 6.3.2 का संशोधन किया गया है	1 मार्च, 1973	
48. IS : 5009-1968 बूखरत कीप की विशिष्टि	एसओ 2330 दिनांक 14 जून 1969	सं० 1 मार्च 1973	सारणी 1 के अंतर्गत नई सामग्री जोड़ी गई है।	1 मार्च, 1973	
49. IS : 5154-1969 सीसा प्रत्यक्ष ट्रैक्शन ब्रेटरियों की विशिष्टि	एसओ 4311 दिनांक 25 अक्टूबर 1969	सं० 2 मार्च 1973	(1) खण्ड 5.2, 8.11 और 8.11.1 का संशोधन किया गया है; और (2) खण्ड 8.11 के शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है।	1 मार्च, 1973	
50. IS : 5225-1969 वर्षामापी अनभिलेखी की विशिष्टि	एसओ 89 दिनांक 10 जनवरी 1970	सं० 3 फरवरी 1973	(1) खण्ड 4.2 के स्थान पर नया खण्ड जोड़ा गया है, और (2) आकृति 1 और खण्ड 7.1 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी, 1973	

1	2	3	4	5	6
51. IS: 5235-1969 वर्षापापी अभिलेखी, की विशिष्टि	एस ओ 639 दिनांक 21 फरवरी, 1970	सं० 1 मार्च, 1973	(1) खण्ड 7.1 का संशोधन किया गया है, 1 मार्च, 1973 (2) नया खण्ड 4.3 जोड़ा गया है।		
52. IS: 5430-1969 असोनिया परिरक्षित गाढ़े प्राकृतिक रबड़ के परीक्षण की विशिष्टि	एस ओ 1910 दिनांक 30 मई, 1970	सं० 1 मार्च, 1973	सारणी 1 के नीचे एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 मार्च, 1973	
53. IS: 5684-1970 पाइप के बने बांक (बैनदार) की विशिष्टि	एस ओ 1277 27 मई, 1972	सं० 1 मार्च, 1973	(पृष्ठ 7, खण्ड 5.3, अंतिम पंक्ति) '122' के स्थान पर '1222' कर लीजिए।	1 मार्च, 1973	
54. IS: 5840-(भाग 1)—1970 कैथोड—किरण ट्यूबों के माप: भाग 1 ट्यूब रूप रेखा	एस ओ 1277 दिनांक 27 मई, 1972	सं० 1 अप्रैल, 1973	एक नया खण्ड 4 जोड़ा गया है।	1 अप्रैल, 1973	
55. IS: 5840-(भाग 2)—1970 कैथोड-किरण ट्यूबों के माप: भाग 2 आधार	एस ओ 3305 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	सं० 1 मार्च, 1973	एक नया खण्ड 5.2.2 जोड़ा गया है।	1 अप्रैल, 1973	
56. IS: 5870-1970 यन्त्री गाड़ियों के डिब्बों में भीतर रोशनी के लिए कांच की गोल चिम-नियों की विशिष्टि	एस ओ 3318 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	सं० 1 अप्रैल, 1972	एक नया खण्ड 5.2.2 जोड़ा गया है।	1 अप्रैल, 1973	
57. IS: 6101-1971 छांखवार पैत टोपी वाले पेंचों की विशिष्टि	एस ओ 3318 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	सं० 1 मार्च, 1973	खण्ड 4.1 और 6 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1973	
58. IS: 6488-1972 कर्मचारियों के लिए जाली के उपकरण के लिए सुती जाली की विशिष्टि	„	सं० 1 मार्च, 1973	(1) खण्ड 2.1 और 2.2.2 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं; (2) सारणी 1 और 2 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1973	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां और संशोधन, भारतीय मानक संस्था, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली और उसके शाखा कार्यालयों (1) माधना नूरमोहम्मद शेख मार्ग, खानपुर, अहमदाबाद-1 (2) एफ० ब्लाक, यूनिटी विल्डिंग नरसिम्हराज स्वयंसेवा वंगलोर-2 (3) 534 सरकार बल्लभभाई पटेल रोड, बम्बई-40 (4) 5 चौरंगी एप्रोच, कलकत्ता-13 (5) 5-9-20/2ए (प्रथम मंजिल) चिरागअली जैन, हैदराबाद-1 (16) 1171/418 बी सर्वोदय नगर, कानपुर (7) 54 उत्तरल पेटस रोड, मद्रास-2 और (8) बी सी आई बिल्डिंग (तीसरी मंजिल) गांधी मैदान पूर्व, पटना से प्राप्त की जा सकती है।

[सं० सी एम डी/13:5]

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 22nd April, 1975

S.O. 1434.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the Schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS:267-1963 Specification for inert cells (second revision)	S.O. 1760 dated 29 June 1963	No. 4 March 1973	(i) (Page 5, clause 5.2.3, Line 3)—Substitute '1.0 mm ² ' for '10 mm ² ' (ii) Table V has been substituted by a new one.	1 March, 1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. IS : 317-1970 Specification for automotive hydraulic brake fluid, moderate duty.	S.O. 1555 dated 24 Jun. 1972	No. 1 Dec. 1972	(i) [Page 5, Table 1, Sl. No. (ii)] Delete this characteristic and re-number the subsequent serial numbers accordingly. (ii) [Page 6, Table 1, cols. 3 and 4, against Sl. No. (xv)] Substitute the following for the existing matter in both the columns : 'To pass the test'	1 Dec. 1972	
3. IS : 323-1959 Specification for rectified spirit (revised)	S.O. 2206 dated 10 Sep. 1960	No. 1 March 1973	Clauses G-4.2.1 and M-1.1 have been substituted by new ones.	1 March, 1973	
4. IS : 534-1965 Specification for benzene (revised)	S.O. 4023 dated 31 Dec. 1966	No. 1 March, 1973	Table 1 has been amended and Appendix D deleted.	1 March, 1973	
5. IS : 539-1965 Specification for naphthalene (revised)	—	No. 1 March, 1973	Table 1 has been amended.	1 March, 1973	
6. IS : 548-1964 Methods of sampling and test for oils and fats (revised)	S.O. 83 dated 2 Jan. 1965	No. 2 March, 1973	(i) Clause 20-8-2 has been amended. (ii) (Page 65, clause 20.5.1.2.)- delete the clause and re-number '20.5.1.3' '20.5.1.2.'	1 March, 1973	
7. IS : 654-1972 Specification for clay roofing tiles, mangalore pattern (second revision)	—	No. 1 March, 1973	(i) (Page 5, Note under Table 2, line 4)-Substitute '350 and 360 mm respectively' for '360 mm' (ii) (Page 5, clause 5.2 informal table, last entry under first column)-Substitute '425 x 260' for '425 x 265'.	1 March, 1973	
8. IS : 722 (Part II) Sec. 2)-1969 Specification for ac electricity meters. Part II single-phase 2-wire whole current watthour meters Section 2 meters with Basic current ratings.	S.O. 4114 dated 11 Oct. 1969	No. 1 March, 1973	(i) Clauses 8.8.2. and 8.21.3 have been deleted. (ii) Clause A-2 has been substituted by a new one. (iii) (First cover page, pages 1 and 3, title) Add, 'Class 2.0' after 'Watt-hour Meters'.	1 March, 1973	
9. IS : 722 (Part III)-1966 Specification for ac electricity meters. Part III three-phase whole-current and transformer-operated meters, and single-phase two-wire transformer-operated meters (first revision).	S.O. 1325 dated 15 April, 1967	No. 4 Feb. 1973	(i) Clause 8.7.2. has been substituted by a new one. (ii) Clauses 8.7.2.1. and 8.20.3. have been deleted. (iii) Table 6 has been deleted and the subsequent table numbers changed wherever they appear. (iv) (First cover page, pages 1 & 3, title, last line)-Add, 'Class 2.0' after 'Transformer-Operated Meters' (v) A new clause 8.6.3 has been added. (vi) Clause B-3.1 has been amended.	1 Feb. 1973	
10. IS : 722 (Part IV)-1966 Specification for ac electricity meters. Part IV Three-phase watthour meters with maximum demand indicator (first revision).	S.O. 1325 dated 15 April. 1967	No. 4 Feb. 1973	(i) Clause 10.7.2 has been substituted by a new one. (ii) Table 6 has been deleted and the subsequent table numbers changed accordingly wherever they appear. (iii) A new clause 10.6.5. has been added. (iv) Clauses 10.7.2.1. and 10.21.3. have been deleted. (v) Clause B-3.1 has been amended.	1 Feb. 1973	
11. IS : 722 (Part V)-1965 Specification for ac electricity meters. Part V volt ampere hour meters for restricted power factor range.	S.O. 664 dated 5 March, 1966	No. 5 March, 1973	(i) Clause 11.6.2. has been substituted by a new one. (ii) Table 6 and clause 11.19.3 have been deleted. (iii) Clause C-3.1 has been amended.	1 March, 1973	
12. IS : 722 (Part VI)-1968 Specification for ac electricity meters. Part VI var-Hour meters.	S.O. 2578 dated 20 Jul. 1968	No. 3 April, 1973	(i) Clause 10.7.2 has been substituted by a new one. (ii) Clauses 10.7.2.1. and 10.21.3. have been deleted. (iii) Table 6 has been deleted and subsequent table numbers changed accordingly wherever they appear. (iv) Clauses 10.6.1. and B-3.1 have been amended.	1 April, 1973	
13. IS : 722 (Part VIII)-1972 Specification for ac electricity meters Part VIII Single-phase 2-wire whole-current watthour meters (Class 1.0.)	—	No. 1 March, 1973	Table 1 has been substituted by a new one.	1 March, 1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14. IS : 780-1969 Specification for sluice valves for water works purposes (50 to 300 mm size) (fourth revision).	S.O. 1555 dated 24 Jun. 1972	No. 1 March, 1973	(Page 5, clause 4.2.1.1 line 4)-Substitute '44 kgf/mm ² ' for '44 kgf/cm ² '.	1 March, 1973	
15. IS : 816-1969 Code of practice for use of metal arc welding for general construction in mild steel (first revision)	S.O. 1277 dated 27 May 1972	No. 1 March, 1973	The existing formula in clause 7.5.1.1 has been substituted by a new one.	1 March, 1973	
16. IS : 916-1966 Specification for 18-litresquare tins (revised)	S.O. 469 dated 11 Feb. 1967	No. 3 March, 1973	Clause 3.3.1.1. has been substituted by a new one.	1 March, 1973	
17. IS : 933-1967 Specification for portable chemical fire extinguisher, foam type (first revision)	S.O. 1720 dated 18 May 1968	No. 2 Feb. 1973	(i) Clauses 4.2 and 7.3 have been amended; (ii) Existing foot-notes on pages 4 and 6 with (+) and (\$) marks have been substituted by new ones; (iii) Clauses 7.1.4 and 12.1 have been substituted by new ones; and. (iv) Two foot-notes have been added after clause 17.1	1 Feb., 1973	
18. IS : 1010-1968 Specification for Suji or Rava (semolina) (first revision).	S.O. 2766 dated 10 Aug. 1968	No. 1 March, 1973	(i) Clause 4.1.1 has been substituted by a new one; and. (ii) (Page 7, foot-notes)-Add the following foot-note at the end : ‡Specification for DW-flour bags.	1 March, 1973	
19. IS : 1049-1962 Specification for alcohol perfumery grade (revised)	S.O. 898 dated 30 March, 1963	No. 1 April, 1973	(i) Clause 0.5 has been substituted by a new one; and. (ii) Table I has been amended.	1 April, 1973	
20. IS : 1155-1968 Specification for wheat atta (second revision).	S.O. 2766 dated 10 Aug. 1968	No. 1 March, 1973	(i) Clause 4.1.1 has been substituted by a new one; and. (ii) (Page 6, foot-notes)-Add the following foot-note at the end : '1 Specification for DW-flour bags'.	1 March, 1973	
21. IS : 1200 (Part XXV)-1971 Methods of measurement of building and civil engineering works Part XXV tunnelling (second revision).	—	No. 1 March, 1973	[Page 4, clause 2.3 (c), line 1]-Substitute 'cubic metre' for 'centimetre.'		
22. IS : 1311-1966 Specification for ethylene dibromide (first revision).	S.O. 1759 dated 20 May 1967	No. 2 March, 1973	[Page 4, Table 1, col 2, against Sl. No. (iii)] Substitute 'g/20° r l' for 'mg/20° ml'.	1 March, 1973	
23. IS : 1370-1965 Specification for friction surface rubber transmission bolting (revised)	S.O. 1081 dated 9 April, 1966	No. 3 Feb. 1973	(i) Table I has been amended; (ii) Informal tables under clauses 3.2, 6.3 and E-1.1 have been amended; (iii) Table 4 and clause C-4.2 have been substituted by new ones; and. (iv) Clause C-1.1 has been amended.	1 Feb., 1973	
24. IS : 1413-1970 Specification for round vanaspathi tins (first revision)	S.O. 5032 date 6 Nov. 1971	No. 1 March, 1973	Clause 3.2.2 has been substituted by a new one.	1 March, 1973	
25. IS : 1422-1970 Specification for cotton duck (first revision)	S.O. 2110 dated 9 May 1971	No. 1 May 1973	(i) Clause 0.2 and Table 1 have been amended; (ii) Clauses 0.3, 1.1 and Table 2 have been substituted by new ones; and (iii) Additional note has been added under Table 1.	1 May, 1973	
26. IS : 1476-1971 Specification for domestic refrigerators (mechanically operated) (first revision)	—	No. 1 March, 1973	Table 1 has been substituted by a new one.	1 March, 1973	
27. IS : 1534 (Pt. I)-1967 Specification for ballasts for fluorescent lamps Part I for switch start circuits (first revision).	S.O. 520 dt. 10 Feb. 1968	No. 2 Feb. 1973	(i) (Page 4, clause 1.1 line 4)-Add '65' after '40'; and (ii) New matter has been added under Tables 3, 4, 6, 7, and 8.	1 Feb., 1973	
28. IS : 1885 (Part IV Sec. 3)-1970 Electrotechnical vocabulary Part IV electron tubes and valves Section 3 Microwave Tubes and Valves.	—	No. 1 March, 1973	Composition of ETDC 39:P4 on page 42 has been substituted by new one.	1 March, 1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29. IS : 1989-1967 Specification for miners' safety leather boots and shoes (first revision).	S.O. 2038 dated 17 Jun. 1967	No. 2 March, 1973	(i) (Page 9, clause 6.13, last sentence) delete. (ii) Existing Note under clause 6.18 (see Note in Amendment No. 1) has been substituted by a new one); (iii) Clause 9.3 and Table 2 have been amended; (iv) (Page 11, Table 2)—Round off all the values to the first place decimal; (v) (Page 14, Fig. 6)—Delete the words 'toe-puff'. (vi) Clause 9.16.1.1 has been substituted by a new one.	1 March, 1973	
30. IS: 2004-1970 Specification for Carbon steel forgings for general engineering purposes (first revision).	S.O. 2110 dated 29 May 1971	No. 1 Mar 1973	New clause 0.2.1 has been added after clause 0.2.	1 Mar 1973	
31. IS: 2087-1971 Specification for square tins for general purposes (second revision)	S.O. 3318 dated 21 Oct 1972	No. 1 Mar 1973	Clause 4.3.1.1 has been substituted by a new one.	1 Mar 1973	
32. IS: 2418-1964 Specification for tubular fluorescent lamps for general lighting service	S.O. 1152 dated 10 Apr 1965	No. 3 Mar 1973	(i) (Page 15, clause 8.4.1, informal table)—Substitute '40, 65 and 80' for '40 and 80'; & (ii) New matter has been added under Tables 1, 2, 3, 4, 5 and 6 and the informal table of clause 8.4.2.3.	1 Mar 1973	
33. IS: 2552-1970 Specification for steel drums (galvanized and ungalvanized) (first revision)	S.O. 1107 dated 20 Mar 1971	No. 1 Sep 1972	[Page 5, Table 1, col. 2, against Sl. No. (i)]—Substitute '3' for '5'.	1 Sep 1973	
34. IS: 2581-1968 Specification for round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes (first revision)	S.O. 4961 dated 20 Dec 1969	No. 2 Feb 1973	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one; and (ii) Tables 5, 6 and 7 have been amended.	1 Feb 1973	
35. IS: 2922-1964 Specification for wooden tent mallets	S.O. 1152 dated 10 Apr 1965	No. 2 Mar 1973	Fig. 1 has been substituted by a new one, retaining values given under it.	1 Mar 1973	
36. IS: 2931-1964 Specification for ready mixed paint, brushing, aluminium-zinc oxide composite primer	S.O. 2134 dated 3 Jul 1965	No. 3 Mar 1973	(i) Clause 3.1.1 has been amended; (ii) [Page 5, Table 1, col. 3, against Sl. No. (iii)]—Substitute 'Suitable for brushing' for '30 to 40 seconds'. (iii) [Page 5, Table 1, col. 2, against Sl. No. (vii)]—Add the following sentence after the word 'condensation': 'Carry out the test with two coats of primer'.	1 Mar 1973	
37. IS: 3196-1968 Specification for welded low carbon steel gas cylinder for the storage and transportation of low pressure liquefiable gases (first revision)	S.O. 593 dated 15 Feb 1969	No. 5 Mar 1973	Clauses 3.1 and 3.2 of this standard were amended through Amendment No. 3, wherein a new clause 3.1.1 was also introduced which is being deleted vide this Amendment. The present amendment supersedes all the changes made through Amendment No. 3.	1 Mar 1973	
38. IS: 3253-1965 Specification for hawser-laid nylon rope for mountaineering purposes	S.O. 1081 dated 9 Apr 1966	No. 2 Mar 1973	(Page 3, clause 3.2)—Add the following at the end of the clause: 'The yarn shall have minimum tenacity of 67.5 gram per tex (or 7.5 grams per denier)'.	1 Mar 1973	
39. IS: 3516-1966 Specification for cast iron pipe flanges and flanged fittings, class 9, for petroleum industry	S.O. 913 dated 18 Mar 1967	No. 1 Mar 1973	(i) (First cover page, pages 1 and 3. Title)—Delete the words 'CLASS 9'; and (ii) (Page 4, clause 1.1, line 2)—Delete the words 'Class 9'.	1 Mar 1973	
40. IS: 3584-1966 Specification for camphor	S.O. 3818 dated 17 Dec 1966	No. 1 Feb 1973	(i) Clause 4.3.1 has been substituted by a new one; and (ii) A new clause 4.5 has been added.	1 Feb 1973	
41. IS: 3967-1967 Specification for cutch	S.O. 3673 dated 14 Oct 1967	No. 1 Oct 1972	[Page 6, Table 1, col 3, against Sl. No. (vii)]—Substitute '5.2' for '4.5'.	1 Oct 1972	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42.	IS: 3976-1967 Specification for safety rubber-canvas boots for mines	S.O. 2654 dated 5 Aug 1967	No. 4 Mar 1973	(i) [Page 6, Table 1, Sl. No. (iii)]—Delete and change the subsequent serial numbers accordingly; (ii) [Page 6, Table 1, Note]—Delete; and (iii) [Page 9, Table 2, Sl. No. (vii)]—Delete and change the subsequent serial numbers accordingly.	1 Mar 1973
43.	IS: 4175-1967 Specification for correcting fluid	S.O. 4080 dated 18 Nov 1967	No. 1 Oct 1972	The existing formula under clause A-2.1 has been substituted by a new one.	1 Oct 1972
44.	IS: 4268-1967 Specification for air depolarized primary wet cells	S.O. 287 dated 20 Jan 1968	No. 2 Mar 1973	(i) Clauses 4.5.3 to 5.5, 6.1, 7.1.2, 7.1.3 and 9.2.1 have been substituted by new ones; (ii) Clauses 7.1.1, 9.1(a) and 9.2(a) have been amended; (iii) Appendix A has been amended; (iv) Fig. 1 and 2 have been substituted by new ones; (v) The notes below Figs 3 & 6 have been deleted; (vi) New clauses 5.6 has been added; (vii) New matter has been added at the end of clause 8.1(c); and (viii) New values have been added in Table 2.	1 Mar 1973
45.	IS: 4572-1968 Specification for polyamide (nylon) filament ropes (Hawser-laid).	S.O. 2578 dated 20 July 1968	No. 1 Mar. 1973	(Page 4, clause 1.1, lines 2 & 3)—Delete the words of density 1.14 (approx).	1 Mar. 1973
46.	IS: 4663-1968 Specification for permanent rubber-based adhesives for footwear industry	S.O. 3745 dated 26 Oct. 1968	No. 1 Mar. 1973	[Pages 5 & 6, Tables 1 & 2 foot-note with (+) mark]—Substitute the following for the existing foot-note in both the tables: ‘†Conforming to IS: 579-1962 Specification for sole leather (revised)’ Clause 6.3.2 has been amended	1 Mar. 1973
47.	IS: 4706-1968 Methods of test for edible starches	S.O. 3961 dated 9 Nov 1968	No. 2 Mar 1973		1 Mar 1973
48.	IS: 5009-1968 Specification for buchner funnels	S.O. 2330 dated 14 Jun 1969	No. 1 Mar 1973	New matter has been added under Table 1.	1 Mar 1973
49.	IS: 5154-1969 Specification for lead-acid traction batteries	S.O. 4311 dated 25 Oct 1969	No. 2 Mar 1973	(i) Clauses 5.2, 8.11 and 8.11.1 have been amended; and (ii) Heading of clause 8.11 has been substituted by new one.	1 Mar 1973
50.	IS: 5225-1969 Specification for rain gauge, non-recording	S.O. 89 dated 10 Jan 1970	No. 3 Feb 1973	(i) Clause 4.2 has been substituted by a new one; and (ii) The matter in Fig. 1 and Clause 7.1 have been amended.	1 Feb 1973
51.	IS: 5235-1969 Specification for rain gauge, recording	S.O. 639 dated 21 Feb 1970	No. 1 Mar 1973	(i) Clause 7.1 has been amended; and (ii) New clause 4.3 has been added.	1 Mar 1973
52.	IS: 5430-1969 Specification for ammonia preserved concentrated natural rubber latex	S.O. 1910 dated 30 May 1970	No. 1 Mar 1973	A note has been added at the bottom of table 1.	1 Mar 1973
53.	IS: 5684-1970 Specification for pipe vices (chain type)	S.O. 1277 dated 27 May 1972	No. 1 Mar 1973	(Page 7, clause 5.3, last line)—Substitute ‘1 222’ for ‘122’.	1 Mar 1973
54.	IS: 5840 (Part I)-1970 Dimensions of cathode-ray tubes Part I tube outlines	S.O. 1277 dated 27 May 1972	No. 1 Apr 1973	A new clause ‘4’ has been added.	1 Apr 1973
55.	IS: 5840 (Part II)-1970 Dimensions of cathode-ray tubes Part II bases	S.O. 3305 dated 21 Oct 1972	No. 1 Mar 1973	A new clause ‘4’ has been added.	1 Mar 1973
56.	IS: 5870-1970 Specification for glass globes for internal lighting of passenger coaches	S.O. 3318 dated 21 Oct 1972	No. 1 Apr 1973	New Clause 5.2.2 has been added.	1 Apr 1973
57.	IS: 6101-1971 Specification for slotted pan head screws	S.O. 3318 dated 21 Oct 1972	No. 1 Mar 1973	Clauses 4.1 and 6 have been amended.	1 Mar 1973
58.	IS: 6488-1972 Specification for cotton webbing for personal wet equipment	—	No. 1 Mar 1973	(i) Clauses 2.1 and 2.2.2 have been substituted by new ones; and (ii) Tables 1 and 2 have been amended.	1 Mar 1973

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, ‘Manak Bhavan’, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at (i) ‘Sadhana’ Tulsivihar, Khanpur, Ahmedabad-1 (ii) F Block, Unity Bldg., Narasimharaja Square, Fungalre-2 (iii) 5 Chowringhee Approach, Calcutta-13 (iv) 54 General Patters Road, Madras-2 (v) 117/418 B, Sarvodaya Nagar, Kerpur, and (vi) 5-9-201/2 Chirag Ali Lane, Hyderabad-1, (vii) 534 Sardar Vallabhbhai Patel Road, Bombay-7 and (viii) B. C. I. Bldg. (third floor), Gandhi Maidan East, Patna.

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा 1435: —समय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्हु) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अगस्त 1973 माह में तीसरे अनुसूची में जिन 112 लाइसेंसों के व्योरे दिए गए हैं, उनका नवीकरण किया गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी०एम/एल-)	वैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तरसम्बन्धी पदनाम
		से	तक		
1	2	3	4	5	6
1.	सी०एम/एल-14 3-9-1956	16-8-73	15-8-74	वि मेटल रोलिंग वर्क्स प्रा० लि०, 104, सायन भादुंगा इस्टेट, सायन, बम्बई-22	पिटचां एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातु की चट्टे, पत्तियां और वृत्त— IS : 21-1959
2.	सी०एम/एल-30 11-7-1957	-7-73	30-6-74	दि इंडिया सीमेंट लि०, संकर नगर डाक घर, जिला तिरुनेलवेली, (तमिलनाडु)	साधारण तथा शीघ्र कठोर कारी फोर्ट लेण्ड सीमेंट— IS : 269-1967
3.	सी०एम/एल-53 20-1-1958	1-7-73	30-6-74	साउथ इंडिया प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, मार्केट लेण्डिंग, कोट्टायम (केरल)	घास की पेटियों के लिए तख्ते— IS : 10-1970
4.	सी०एम/एल-136 3-8-1959	16-7-73	15-8-74	लिबर्टी केमिकल वर्क्स, नगरवास रोड, भोगरा पश्चिम, अंधेरी (पूर्व) बम्बई	सोडियम थायोसल्फेट फोटीफाफी ग्रेड— IS : 246-1972
5.	सी०एम/एल-175 14-3-1960	16-7-73	15-7-74	कैमलिन प्राइवेट लि०, 210 लेडी जमशेदजी रोड, बम्बई-16	फेरो-जैलो ट्रेनेट फाइटन पेन की स्थाही— IS : 220-1972
6.	सी०एम/एल-207 20-7-1960	1-8-73	31-7-74	दि रिनाउन बिस्कुट कम्पनी, कनाट रोड, निकट विक्टोरिया गार्डमन्स, बम्बई-27	बिस्कुट — IS : 1011-1968
7.	सी०एम/एल-232 17-10-1960	1-8-73	31-7-74	असम प्लाईवुड प्रोडक्ट्स, गांव ककोजन, डाकघर जैपुर (असम)	घास की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS : 60-1970
8.	सी०एम/एल-241 21-9-1960	16-8-73	15-2-74	भारत पुल्बराइजिंग मिल्स प्राइवेट लि०, चिचपोकली कास लेन, बायकला, बम्बई-8	बी०एच०सी० जल विसर्जनीय तेजबूण— IS : 562-1962
9.	सी०एम/एल-427 30-6-1962	1-7-73	30-6-74	वि कलकत्ता केमिकल कं लि०, 6, तिल-जला रोड, कलकत्ता-29	स्टियरिक अम्ल ग्रेड 1, 3 और 4— IS : 1675-1971
10.	सी०एम/एल-431 18-7-1962	1-8-73	31-7-74	इंडियन प्रोक्सीजन लि०, (इलेक्ट्रोड फैक्टरी) बरकपुर टंकरोड, खरवा, 24-परगना (प० बंगाल)	मृदु इस्पात की मेटल आक वल्लिंग के लिए सामान्य प्रवेश वाले ठके इलेक्ट्रोड— IS : 814-1973
11.	सी०एम/एल-432 18-7-1962	16-8-73	15-8-74	विक्टर केबल्स कारपोरेशन, 7/3, जी० टी० रोड, साहिबाबाद, डाकघर पसौदा गाजियाबाद (उ० प्र०)	(1) 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड के पी०बी०सी० केबल, तांबा और एलुमिनियम चालक वाले— (2) 250/440 वोल्ट ग्रेड पी०बी०सी० रोषित लक्ष्मीवी डोरिया— IS 694 (भाग 1 और 2)-1964
12.	सी०एम/एल-462 23-4-1962	1-8-73	31-7-74	मांभर साल्ट्स लि०, मांभर लेक (राज-स्थान)	डैरी नमक और खाने का नमक— IS : 253-1970

1	2	3	4	5	6
13. सी०एम/एल-561 11-7-1963	1-8-73	31-7-74	लायड बिट्यूमेन प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, 1, तारतस्ता रोड, कलकत्ता	जलरोक स्थानमी रोक बनाने के लिए बिट्यूमेन नमूने टाइप 3, ग्रेड 1, 2; और टाइप 2 ग्रेड 1— IS : 1322-1970	
14. सी०एम/एल-614 31-12-1963	1-8-73	31-7-74	"	कंक्रीट में प्रसार जोड़ों के लिए पूर्व- निर्मित फिलर, लकड़ी के प्रकार के और खबर बापेर न निकलने वाले बिट्यूमेन सना फाइबर) IS : 1838-1961	
15. सी०एम/एल-653 28-4-1964	16-8-73	15-8-74	अनंद वाटरमीटर्स मैन्यु० कं०, पालूस्ली इंडस्ट्रियल एरिया, कोचीन-5 (केरल)	15 मि०मी० और 25 मि०मी० साइज के पानी के मीटर (घरेलू प्रकार के) IS : 779-1968	
16. सी०एम/एल-699 25-6-1964	16-7-73	15-7-74	बम्बई आयल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, आगरा रोड, भांडुप, बम्बई	स्टैटिक ग्रस— IS : 1675-1971	
17. सी०एम/एल-720 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	माडन इंडस्ट्रीज, जी०टी० रोड, साहिबाबाद (उ०प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
18. सी०एम/एल-721 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1969	
19. सी०एम/एल-724 29-6-64	1-8-73	31-7-74	किसान इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा० लि०, दनकौर स्टेशन (उत्तर रेलवे) जिला बुलन्दशहर (उ०प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
20. सी०एम/एल-725 29-6-64	1-8-73	31-7-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1969	
21. सी०एम/एल-758 14-8-1964	1-8-73	31-7-74	वि भारत कार्बन एण्ड रिजन मैन्यु० कं० लि०, प्लाट संख्या 66-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद टाऊनशिप (हर- याणा)	टाइपराइटर के कार्बन कागज, टाइप 1, 2 और 3— IS : 1551-1959	
22. सी०एम/एल 833 6-11-1964	16-8-73	15-8-74	वि कांजीवली मेटल वर्क्स, चित्तभाई पटेल रोड, कांजीवली (पूर्व) बम्बई-67	पिटिंग एलुमिनियम के घटते ग्रेड- एस०आई०सी०, एस०आई०सी० और एन०एस०3— IS : 21-1959	
23. सी०एम/एल-1112 20-7-1965	16-8-73	15-8-74	धीमान सांख्यिकीक वर्क्स, अम्नाला छावनी	सामान्य कार्यों के लिए लकड़ी के मीटरी पैमाने सहित, ग्रेड 'ए' और 'बी' 50 सें० मी० और मुड़ सकने वाले, केवल ग्रेड बी, 50 सें०मी०— IS : 1480-1970	
24. सी०एम/एल-1120 4-5-1965	1-9-73	31-8-74	आंध्र स्टील कारपोरेशन लि०, मल्का- पुरम, विशाखापत्तनम् (आ०प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
25. सी०एम/एल-1121 4-5-1965	1-9-73	31-8-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1969	
26. सी०एम/एल-1122 6-8-1965	16-8-73	15-8-74	साइनामाइड इंडिया लि०, अतुल, वाया बलसाड़	मालाथियोन पायसनीय तेजप्रव— IS : 2567-1963	
27. सी०एम/एल-1136 3-9-65	16-8-73	15-8-74	"	मालाथियोन, तकनीकी— IS : 1832-1961	
28. सी०एम/एल-1166 28-7-1965	1-8-73	31-7-74	स्वास्तिक मेटल वर्क्स, जगाधरी (हरयाणा)	बेहिलत पीतल की बद्धर, पत्ती ग्रेड IS : 410-1967	
29. सी०एम/एल-1242 14-4-1966	16-4-73	15-4-74	प्लव केमिकल्स, 3-सी नेल्सन मोनिकमुवलि- यर रोड, अमीनजीकैर, मद्रास-29	एडिडन पायसनीय तेजप्रव— IS : 1310-1958	

1	2	3	4	5	6
30. सी०एम/एल-1303 28-7-1966	16-8-73	15-8-74	वि एवरेडी फ्लैशलाइट कम्पनीयूनियन कार्बा- इड (इंडिया) लि० का विभाग मिल्स रोड लखनऊ (उ० प्र०)	फ्लैशलाइट— IS : 2083-1962	
31. सी०एम/एल-1305 28-7-1966	1-8-73	31-1-74	भ्रमस हाईबोर्डर्स लि० पानीखेती निकट गौहाटी	सामान्य हाईबोर्ड फाइबर— IS : 1658-1966	
32. सी०एम/एल-1307 28-7-1966	1-8-73	31-7-74	दि स्ट्रक्चरल वाटरपूविंग कं० प्रा० लि०, संख्या 8 सेवक वैद्य स्ट्रीट, कलकत्ता-29	जलरोक बनाने का समेकित मिश्रित मसाला— IS : 2645-1964	
33. सी०एम/एल-1382 30-12-1966	16-7-73	15-7-74	कैमलिन प्राइवेट लि०, 210, लेडी जमशेवजी रोड, बम्बई-16	सभी ऋतुओं के लिए रोटरी टाइप मशीनों की इन्फ्लेकेटिंग कासी स्पाही— IS : 1222-1969	
34. सी०एम/एल-1469 30-6-1967	1-8-73	31-7-74	दि भारत कार्बन एण्ड रिबन मैनु० कं० लि०, प्लाट संख्या 66-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, टाऊनशिप (हरियाणा)	सभी ऋतुओं के लिए ड्रम टाइप मशीनों की इन्फ्लेकेटिंग स्पाही— IS : 1222-1969	
35. सी०एम/एल-1474 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	गोम्रा पेस्टीसाइड्स प्रा० लि०, फीदोरवा, मारगाँव (गोम्रा)	डाइएलिङ्ग पायसनीय तेजद्रव— IS : 1054-1962	
36. सी०एम/एल-1475 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	"	एलिङ्गन पायसनीय तेजद्रव— IS : 1307-1958	
37. सी०एम/एल-1476 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	"	एलिङ्गन पायसनीय तेजद्रव— IS : 1310-1958	
38. सी०एम/एल-1478 18-7-1967	1-8-73	31-7-74	गीता धायरन एण्ड ब्रास वर्क्स प्रा० लि०, बजूबा, जिला बड़ोवा	जलकल कार्यों के लिए स्लूसवाल्थ (ग्रलोह और क्रोमियम तकुरे और रिंग लगे) श्रेणी 1 और 2 300 मि०मी० साइज के— IS : 780-1969 और जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व—ग्रलोह तकुरे तथा रिंग लगे) श्रेणी 1 और 600 मि०मी० साइज के और श्रेणी 2 और 1200 मि०मी० साइज के दुहरे फ्लैज वाले— IS : 2906-1969	
39. सी०एम/एल-1490 16-8-1967	16-8-73	15-8-74	पोलीफार्म प्राइवेट लि०, 29 पंचपखाड़ी, मिल्स समुख कैसल खन्ना ग्राहाता, भागवा रोड, थाना (महाराष्ट्र)	सल्फ्यूरिक अम्ल— IS : 266-1961	
40. सी०एम/एल-1491 16-8-1967	16-9-73	15-8-74	"	ताइड्रिक अम्ल, विथलेवी अभिकसी और गुड ग्रेड— IS : 264-1960	
41. सी०एम/एल-1492 16-8-1967	16-8-73	15-8-74	"	हाइड्रोक्लोरिक अम्ल— IS : 265-1962	
42. सी०एम/एल-1512 12-9-1967	1-8-73	31-7-74	प्लब केमिकल्स, 3-सी, नेल्सन मानिक मुव- लियर रोड, अमीनजीकौर, मद्रास-29	डी०डी०टी० धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
43. सी०एम/एल-1532 28-9-1967	16-7-74	15-1-74	राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स, जी० टी० रोड, बटाला (पंजाब)	केवल 50 मि०मी० 75 मि०मी० और 100 मि०मी० साइज के बालू ठोसे पाइप— IS : 1729-1964	
44. सी०एम/एल-1539 6-10-1967	1-9-73	31-8-74	निबली मिरेमिक्स एण्ड रिफ्रैक्टरीज लि०, बड़ालूर (डाकवर) दक्षिण आर्काट जिला (तमिलनाडु)	इन्स्युलेशन और मृत्तालयों के लिए साइकल नुमा वाल्व रजित प्लज की टंकियां, कांचाभ चीनी मिट्टी की नीचे लगने वाली, 12-5 लिटर समार्व वाली— IS : 774-1971	
45. सी०एम/एल-1540 6-10-1967	1-9-73	31-8-74	"	कांचाभ सेनीटरी का सामान (चीनी, मिट्टी के)— IS : 2556 (भाग 2 से 10)-1967	

1	2	3	4	5	6
46. सी०एम/एल-1632 9-2-1968	16-8-73	15-8-74	वि कनारा वायर एण्ड वायर प्रोडक्ट्स लि०, यम्याधि पहाडू, कोचिनी डाकघर, मंगलोर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1969	
47. सी०एम/एल-1633 9-2-1968	16-8-73	15-8-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1969	
48. सी०एम/एल-1666 1-4-1968	1-9-73	28-2-74	यूनाइटेड पुल्वराइजर्स, बोदला, आगरा-7	बी०एच०सी० धूलन पाउडर--- IS : 561-1962	
49. सी०एम/एल-1686 30-4-1968	16-8-73	15-2-74	पालसंस इंडस्ट्रीज, मुल्तानपुर रोड, कपूरथला (पंजाब)	डोर क्लोजर (ग्रह नियंत्रित) केवल 2 और 3 साइज--- IS : 3564-1970	
50. सी०एम/एल-1752 22-7-1968	16-7-73	15-7-74	ग्लेस किड (इंडिया) प्राइवेट लि, 75 गणेश चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता-13	बनिकों के लिए चमड़े के बजाव बूट और जूते--- IS : 1989-1967	
51. सी०एम/एल-1765 13-8-1968	16-8-73	15-5-74	पी०बी०एस० इंडस्ट्रीज, 457 ए, अमरावती गांव होजपेट तालुक 1	बीएचसी धूलन पाउडर--- IS : 561-1962	
52. सी०एम/एल-1778 30-8-1968	1-9-73	28-2-74	राज ब्रुश इंडस्ट्रीज, 135, मालवीय नगर, भोपाल-3	रंग-रोगन और बार्निश के लिए चपटे ब्रुश--- (केवल 12 से 20 मि०मी०) IS : 384-1963	
53. सी०एम/एल-1786 11-9-1968	1-8-73	31-7-74	गोम्रा पेस्टीसाइड्स प्रा० लि, फीटोरबा, मार- गांव (गोम्रा)	बी०एच०सी० धूलनपाउडर--- IS : 561-1962	
54. सी०एम/एल-1787 11-9-1968	1-8-73	31-7-74	"	डी० डी० टी० धूलन पाउडर IS : 564-1961	
55. सी०एम/एल-1820 25-10-1968	1-9-73	28-2-74	यूनाइटेड पुल्वराइजर्स, बोदला, आगरा-7	डी० डी० टी० धूलन पाउडर--- IS : 564-1961	
56. सी०एम/एल-1823 31-8-1968	16-7-73	15-1-74	वि हिन्दुस्तान वुड इंडस्ट्रीज, बल्लमकुलम् पूर्ण डाकघर (बरास्ता तिरुवल्ला) अलेप्पी जिला (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते--- IS : 10-1970	
57. सी०एम/एल-1942 21-3-1967	16-8-73	15-8-74	पोलीफार्म प्राइवेट लि०, 29-पञ्चपञ्चाड़ी, कैथेल मिल्स के सामने खन्ना महाता, आगरा रोड, थाना (महाराष्ट्र)	एसिटिक श्रमल--- IS : 695-1965	
58. सी०एम/एल-2020 15-7-1969	16-8-73	15-8-74	कृष्ण माहत्तर्स एण्ड ट्रेडर्स, 12 इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर पश्चिम (राजस्थान)	एन्ड्रिन पायसनीय तेजव्रव--- IS : 1310-1958	
59. सी०एम/एल-2022 23-7-1969	16-7-73	15-1-74	गुप्ता इंजीनियरिंग वर्क्स, रेलवे रोड, कपूरथला (पंजाब)	थरेलू प्रेशर कुकर, 4 से 7 लिटर समाई वाले--- IS : 2347-1966	
60. सी०एम/एल-2023 23-7-1969	1-8-73	31-7-74	अग्रियाराध खन्ना एण्ड संस, 308/1ई, ग्राह- जावा बाग, पुराना रोहतक रोड, दिल्ली-7	अंग्रेजी टट्टियों के लिए प्लास्टिक की सीट और बक्कन टाइप 'ए' IS : 2548-1967	
61. सी०एम/एल-2032 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	विजय इंडस्ट्रीज, शोरनूर-1, पालघाट जिला माटिस ताते (खड़े प्रकार के), 65 मि०मी० साइज 4-सीवर वाले--- IS : 2209-1970		

1	2	3	4	5	6
62. सी० एम/एल-2033 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	एडिसन एण्ड कम्पनी लि०, 4 श्रीर 18 स्मिथ रोड, मार्सेट रोड, मद्रास-2	निम्नलिखित प्रकार के मिलिंग कटर : (1) गोल सिरेवाले मिल, (2) समांतर गैक सिरे वाले मिल, (3) पार्श्व और ऊपरी कटर, (4) बेलनाकार कटर, (5) टेपर गैक सिरेवाले मिल, (6) टेपर गैक स्लाट मिलिंग कटर, (7) की-वे मिलिंग कटर, (8) एक कोणीय कटर, (9) दो कोणीय कटर, (10) समान कोणीय कटर, (11) 50 ग्रंथ गोल सिरेवाले एक कोणीय कटर, (12) समांतर गैक सिरेवाले एक कोणीय कटर, (13) उत्तल कटर, (14) एक सिरे वाले गोल कटर— IS : 1830-1971	
63. सी एम/एल-2034 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	एडिसन एण्ड कम्पनी लि०, 4 श्रीर 18 स्मिथ रोड, मार्सेट रोड, मद्रास-2	(1) समांतर गैक वाले हाथ के समांतर रीमर IS : 5444-1969 (2) समांतर गैक वाले चक्र में लगने वाले रीमर IS : 5446-1969; (3) कोर्स गावडुम गैक वाले चक्र में लगने वाले रीमर IS : 5447-1969; (4) टेपर पिन वाले हाथ के रीमर IS : 5881-1970 (5) टेपर पिन वाले मशीनी रीमर IS : 5918-1970 (6) मशीन ब्रिज रीमर IS : 5919-1970 (7) शलरीमर IS : 5926-1970 (8) मशीन जिग रीमर IS : 6091-1971	
64. सी एम/एल-2038 31-7-1969	1-8-73	31-7-74	सेनीफिक्स इंडिया प्राइवेट लि०, 172/7 मधुसूदन पाल चौधरी लेन, हावड़ा-1	अव्यू सी और मूलालयों के लिए डलवां लोहे की फ्लश की टंकियां (वाल्ब रहित साइकल नुमा) (1) निचली सतह पर लगने वाली 12.5 लिटर समाई वाली (2) ऊंची सतह पर लगने वाली 10 और 12.5 लिटर समाई वाली— IS : 774-1971	
65. सी एम/एल 2039 31-7-1969	1-8-73	31-7-74	शेख बाकर अली एण्ड कम्पनी, 65, फिथर लेन, कलकत्ता-12	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग IS : 10-1970	
66. सी एम/एल-2041 16-9-73	16-8-73	15-8-74	तांनसी स्टोनवेयर पाव्लस, जंकशन रोड, वृंदावलन, दक्षिण आर्कट जिला (तमिलनाडु)	केवल 100 मिमी, 150 मिमी और 230 मिमी व्यास के लवण कांचाभ स्टोमवेयर— IS : 651-1971	

1	2	3	4	5	6
67. सी एम/एल-2127 28-10-1969	16-8-73	15-8-74	जयरामदास उद्योग प्रा० लि०, 8वां मील, मैसूर रोड, कंगरी बाकधर बंगलोर बसिण	(1) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक स्टब सिरीज IS: 5100-1969 (2) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक छोटी सिरीज अथवा जाबर— IS: 5101-1969 (3) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक लम्बी सिरीज— IS: 5102-1969 और (4) दिक्स्ट ड्रिल, मोस टेपर ग्रीक— IS: 5103-1969	
68. सी एम/एल-2142 12-11-1969	1-9-73	31-8-74	टीटी (प्राइवेट) लिमिटेड, संख्या 78, ओल्ड मद्रास रोड, दूरवाणी नगर, बंगलौर-16	पिटवा एलुमिनियम के बलन, ग्रेड-एस आई सी एन एस 3 IS: 21-1959	
69. सी एम/एल-2147 26-11-1969	16-8-73	15-8-74	ओसवाल इलेक्ट्रिकल्स, 49, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद (हरयाणा)	तीन फेजी प्रेरण मोटर 0.75 किवा से 2.7 किवा 'ए' श्रेणी के रोधनलसी IS: 325-1961	
70. सी एम/एल-2190 31-12-1969	16-8-73	15-8-74	एडिसन एण्ड कम्पनी लि०, 4 और 18 स्मिथ रोड, माउंट रोड, मद्रास-2	(1) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक स्टब सिरीज— IS: 5100-1969 (2) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक छोटी सिरीज अथवा जाबर— IS: 5101-1969 (3) दिक्स्ट ड्रिल, समांतर ग्रीक लम्बी सिरीज— IS: 5102-1969 और (4) दिक्स्ट ड्रिल, मोस टेपर ग्रीक— IS: 5103-1969	
71. सी एम/एल-2241 9-2-1970	1-7-73	30-6-74	साउथ इंडिया प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, मार्केट लैडिंग रोड, कोट्टायम् (केरल)	चाय की पेटियों के लिए पट्टियां IS: 10-1970	
72. सी एम/एल-2353 26-6-1970	16-7-73	15-7-74	मार्टिन बर्न इंडस्ट्रियल यूनिट संख्या 2, 1, सत्य डाक्टर रोड, खिरपुर कलकत्ता-23	संपीड़ित गैस सिलेण्डरों के लिए वाल्व फिटिंग (ब्रित पेट्रोलियम गैस) IS: 3224-1971	
73. सी एम/एल-2364 13-7-1970	16-7-73	15-7-74	„	प्रत्यक्ष ब्रित गैसों के भंडारण तथा परिवहन के लिए 33.3 लिटर जल घमाई वाले बेरुद्धत प्रस्प कार्बन हस्तात के गैस सिलेण्डर— IS: 3196-1968	
74. सी एम/एल-2374 23-7-1970	1-8-73	31-7-74	डीको केबल्स आफ सनतनगर बारजूला, श्रीनगर-5 (जम्मू तथा कश्मीर) ॥	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सज्ज खिंचे लड़वार एलुमिनियम और हस्तात की कोर वाले एलुमिनियम चासक— IS: 398-1961	
75. सी एम/एल-2375 27-7-1970	1-8-73	31-7-74	भिलाई सीमेंट पाइप मैन्यु० कं०, 70/ए, इंडस्ट्रियल इस्टेट, नन्दिनी रोड, भिलाई-1 (म० प्र०)	प्रबलित कंक्रीट के एम पी 2 श्रेणी वाले हल्की ड्यूटी बिनावाक के कंक्रीट पाइप 900 मिमी तक भीतरी व्यास वाले— IS: 458-1971	

1	2	3	4	5	6
76. सी एम/एल-2395 31-8-1970	1-9-73	30-11-74	वि हिन्दू प्रायरन फाउंडरी, रेलवे रोड, बदाला (पंजाब)	10 लिटर तथा 12.5 लिटर सम्राई की डबल्यू सी तथा मूलालयों में ऊंचाई पर लगने वाली (वाल्स रहित साइफन प्रकार) नोबे को चौड़ी डलवां लोहे की पलश की टंकियां— IS : 774-1971	
77. सी एम/एल-2401 1-9-70	1-9-73	31-8-74	प्राध्व स्टील कारपोरेशन लि०, मल्कापुरम, विशाखापतनम् (आ० प्र०)	कंक्रिट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966	
78. सी एम/एल-2426 14-10-1970	16-8-73	15-2-74	भारत पुल्बराइजिंग मिल्स प्रा० लि०, चिचपोकली कासलेन, बम्बई-27	डीडीटी जल विसर्जनीय तेजचूर्ण— IS : 565-1961	
79. सी एम/एल-2528 27-1-1971	1-8-73	31-7-74	वि भारत कार्बन एण्ड रिबन मैन्यू. कं० लि०, प्लाट सं०, 66ए, इंडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद टाउनशिप (हरियाणा)	हाथ से लिखने के कार्बन कागज IS : 3450-1966	
80. सी एम/एल-2560 19-2-1971	16-8-73	15-2-74	भुवनेश्वरी पुल्बराइजिंग मिल्स, 4/5, इलम्या मुवासी स्ट्रीट, मद्रास-81	बी एच सी जल विसर्जनीय तेजचूर्ण— IS : 562-1962	
81. सी एम/एल-2617 16-7-1971	16-7-73	15-7-74	शिव बुर्गा प्रायरन वक्स प्रा० लि०, 56/1, मधुसूदन पाल चौधरी लेन, हावड़ा (प० बंगाल)	जल गैस और मल के बाह्य पाइपों के लिए डलवां लोहे के फिटिंग, 600 मिमी तक के फिटिंग IS : 1538-1969	
82. सी एम/एल-2719 28-7-1971	1-8-73	31-7-74	एलिको प्राइवेट लिमिटेड, बी-90, एसोसिएटेड प्राइवेट इंडस्ट्रियल इस्टेट, बाल मगर-मुदराबाद-37	सीधी मापन के लिए पी एच मीटर— IS : 2711-1966	
83. सी एम/एल-2726 3-8-1971	16-8-73	15-8-74	एस के जी शुगर लि०, (डिस्ट्रीसरीज डिबीजन) डाकघर मीरगंज, जिला सारन (बिहार)	विहस्किां IS : 4449-1967	
84. सी एम/एल-2727 4-8-1971	1-8-73	15-8-74	वैबीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, तुलसीराम गुप्ता मिल्स इस्टेट, रे रोड, बारुखाना बम्बई-10	बी एच सी जलविसर्जनीय तेजचूर्ण IS : 562-1962	
85. सी एम/एल-2731 6-8-1971	16-8-73	15-8-74	मेरीफर इंडस्ट्रीज, धीराम गली, सम्मुख जिंदल आयल मिल्स, शाहपुरा, दिल्ली	(1) पी बी सी रोधित, खोल वाले और बिना खोल वाले इकहरीकोर केबल, एलुमिनियम चालकों वाले 250/ 440 और 650/1100 वोल्ट (2) पी बी सी रोधित खोल वाले चपटे दुहरीकोर केबल, 250/440 वोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले (3) पी बी सी रोधित बिना खोल वाले इकहरीकोर केबल, तांबे के चालकों वाले 650/1100 वोल्ट IS : 694 (भाग 1 और 2)-1964	
86. सी एम/एल-2735 12-8-1971	16-8-73	15-8-74	विक्टर केबल्स कारपोरेशन, 185, जी टी रोड, साहिबाबाद (उ. प्र.)	1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता के लिए पी बी सी रोधित (भारी ड्यूटी) बिजली के केबल IS : 1554 (भाग 1)-1964	
87. सी एम/एल-2736 12-8-1971	16-8-73	15-8-74	हुकमचन्द जूट मिल्स लि०, डाकघर हाजीनगर, नैहटी 24-नगरना (प० बंगाल)	(1) सीमेंट भरने के पटसन बोरे— IS : 2590-1965 और (2) दुहरी ताने के घाटे के बोरे— IS : 3984-1964	

1	2	3	4	5	6
88. सी एम/एल-2738 16-8-1971	16-8-73	31-5-74	स्काईटोन इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया), 43, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद (हरियाणा)	1100 बो. तक कार्यकारी बोल्टता के लिए पी बी सी (भारी ड्यूटी) बिजली के केबल— IS : 1554 (भाग 1)-1964 अंग्रेजी टट्टियों की प्लास्टिक की सीट और डबकन (फेनोलिक प्लास्टिक और एमीनो प्लास्टिक) IS : 2548-1967	
89. सी एम/एल-2749 25-8-1971	16-8-73	15-8-74	केनोवेल्ड पोलिमेर प्रा० लि०, जोशी बिल्डिंग (यूनिट संख्या 2) तीसरी मंजिल साकी बिहार रोड, बम्बई-72 एएस और कृपलानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड, बम्बई-72 एएस	रम— IS : 3811-1966 बीडी— IS : 4450-1967	
90. सी एम/एल-2752 26-8-1971	16-8-73	15-8-74	एन के जी शुगर लि०, (प्रासवनी विभाग) डाकघर मीरगंज (बिहार)	मालाधियोत पायसनीय तेजद्वय IS : 2567-1963	
91. सी एम/एल-2821 26-11-1971	16-8-73	15-8-74	„	जिन— IS : 4100-1967	
92. सी एम/एल-2826 3-12-1971	1-8-73	31-7-74	गोम्रा पेस्टोसाइड्स प्रा० लि०, कैटोरडा मारगांव (गोम्रा)	दूध का पाउडर (सेपरेटा) IS : 1165-1967	
93. सी एम/एल-2834 9-12-1971	16-8-73	15-8-74	एन के जी शुगर लि०, (प्रासवनी विभाग) डाकघर मीरगंज, जिला सारन (बिहार)	आग बुझाने के लिए 63 मिमी और 70 मिमी साइज के बिना प्रस्तर लगे सन के कैनवस के होज IS : 4927-1968	
94. सी एम/एल-2842 15-12-1971	1-9-73	31-8-74	फोरमोस्ट डेरोज लि०, देहरादून, डाकघर कैलाशपुर जिला सहारनपुर (उ० प्र०)	एक लम्बालक वाले रेबटोफायर प्रकार के डीसी आर्क वेल्डर रेटिंग : 250 अम्पी IS : 4559-1968	
95. सी एम/एल-2863 5-1-1972	16-1-73	15-1-74	जय श्री टेक्सटाइल्स एण्ड इंडस्ट्रिय लि०, रिषरा डाकघर जिला हुगली (प० बंगाल)	पीने का पानी भरने के लिए उच्च घनत्व पाली-इथाइलीन पाइप 32 मिमी तक बाहरी व्यास की साइज वाले और दाब रेटिंग 6 किग्रा/सेमी ² के— IS : 4984-1972	
96. सी एम/एल-2964 10-3-1972	16-3-73	15-3-74	वि इंडस्ट्रियल गैसेस लि०, 146 ग्रंथल रोड, हावड़ा	ब्लार्ड के लिए धतवर्ष काला सोदा— IS : 2108-1962	
97. सी एम/एल-3100 12-7-1972	16-7-73	15-7-74	क्लाइमेक्स प्लास्टिक उद्योग, 26/1/2, मालाकार पाइपलाइन, कलकत्ता-38	हस्त चालित गियर रहित खींचने और धरने-उठाने की यूनिवर्सल मशीनें— IS : 5604-1970	
98. सी एम/एल-3103 13-7-1972	16-7-73	15-7-74	स्टार प्रायरेट बक्स प्रा० लि०, संख्या 8, स्टेशन रोड, तिलुआ हावड़ा (प० बंगाल)	बी-टिथल परसन बोरे— IS : 2566-1965	
99. सी एम/एल-3108 25-7-1972	1-8-73	31-7-74	ट्रैकटेल तिरकार (इंडिया) प्रा० लि०, 14/6वां मील, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	एन्क्रिप्ट पायसनीय तेजद्वय— IS : 1310-1958	
100. सी एम/एल-3109 26-7-1972	1-8-73	31-7-74	दि रामेश्वर जूट मिल्स लि०, मुक्तपुर डाकघर समस्तीपुर, जिला दरभंगा (बिहार)	सोडियम बाइकार्बोनेट— IS : 2124-1962	
101. सी एम/एल-3111 31-7-1972	1-8-73	31-7-74	बम्बई केमिकल्स प्राइवेट लि०, 19 विक्टो-रिया रोड, सोलेवल, रे रोड, मजगांव, बम्बई-10	केबलों पर कवच बढ़ाने के लिए प्रजस्तीकृत मुहु इस्पात के टेप— IS : 3975-1967	
102. सी एम/एल-2112 31-7-1972	1-8-73	31-7-74	दारा केमिकल्स लिमिटेड, मोठापुर (प० रेलवे ओखामंडल) (गुजरात)	मुहु इस्पात की नलियां IS : 1239 (भाग 1)-1968	
103. सी एम/एल-3113 1-8-1972	1-8-73	31-3-74	सर्वन स्टील लिमिटेड, भोजा अक्की, हैदराबाद-40		
104. सी एम/एल-3115 1-8-1972	1-8-73	31-7-74	जिंदल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, दिल्ली रोड, हिसार (हरियाणा)		

1	2	3	4	5	6
105. सी एम/एल-3116 1-8-1972	1-8-73	31-12-73	रामकृष्ण प्रसाद पेस्टीसाइड्स कोप्पुरम निकट नामलेजर थार०एस० (गुन्दूर जिला)	एन्टिन पायसनीय तेजदव IS : 1310-1958	
106. सी एम/एल-3120 9-8-1972	16-8-73	31-3-75	दि टाटा स्टील एण्ड स्टील क० लि०, जमशेदपुर (बिहार)	अस्त्रदाब रीम मिलेण्डरों को बनाने के लिये गर्म वेल्डित इस्पात की बट्टरें- IS : 6240-1971	
107. सी एम/एल-3127 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	र्याटस ऐग्रीकलचरल प्रोड्यूस कोम्राप- रेरिब सोसायटी लि०, (58 और 59 मील के बीच) मांड्या, (कर्नाटक राज्य)	पशुओं के लिये मिश्रित आहार-- IS : 2052-1968	
108. सी एम/एल-3129 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	रवि इंजीनियरिंग वर्क्स प्रताप इस्टेट, छेहरटा जिला भ्रमृतसर	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-1969	
109. सी एम/एल-3130 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	रवि इंजीनियरिंग वर्क्स प्रताप इस्टेट, छेहरटा जिला भ्रमृतसर	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS 1977-1969	
110. सी एम/एल-3134 21-8-1972	1-9-73	31-8-74	डीजल इंजीनियर्स, 137 बाल टेक्स रोड, मद्रास-1	निम्नलिखित रेटिंग के खड़ी प्रकार के डीजल इंजन चक्र प्रति मिनट टाईप IS : 1601-1960	कोडी-1 (5हापा)
111. सी एम/एल-3140 25-8-1972	16-8-73	15-8-74	दि रिलायन्स जूट एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, रेलवे स्टेशन कांकीमाड़ा (पूर्वी रेलवे) डाकधर भटपाड़ा, 24 परगना (प० बंगाल)	(1) ए--टिगल पटसन बोरे IS : 1943-1964 (2) बी--टिगल पटसन बोरे-- IS : 2566-1965	

[सं० सी०एम०डी/130 : 12]

ए० के० गुप्ता, कार्यवाहक महानिदेशक

New Delhi, the 25th April, 1975

S.O. 1435.--In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that one hundred and twelve licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of August, 1973.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Period of Validity From	To	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-14 3-9-1956	16-8-73	15-8-74	The Metal Rolling Works Private Limited, 104, Sion-Matunga Estate, Sion, Bombay 22.	Wrought aluminium and aluminium alloy sheets, strips and circles-- IS : 21-1959
2.	CM/L-30 11-7-1957	1-7-73	30-6-76	The India Cement Ltd., Sankar nagar P.O., Distt. Tirunelveli (Tamil Nadu)	Ordinary and rapid hardening portland cement-- IS : 269-1967
3.	CM/L-53 20-1-1958	1-7-73	30-6-74	South India Plywood Industries, Market Landing, Kottayam (Kerala)	Tea-chest plywood panels-- IS : 10-1970

1	2	3	4	5	6
4. CM/L-136 3-8-1959	16-7-73	15-8-74	Liberty Chemical Works, Nagardas Road, Mogra West, Andheri (East), Bombay.	Sodium thiosulphate, photographic grade— IS : 246—1972	
5. CM/L-175 14-3-1960	16-7-73	15-7-74	Camlin Private Ltd., 210 Lady Jamshedji Road, Bombay-16.	Ferro gallo tannate fountain pen ink— IS : 220—1972	
6. CM/L-207 20-7-1960	1-8-73	31-7-74	The Renown Biscuit Co., Connaught Road, Near Victoria Gardens, Bombay-27.	Biscuits— IS : 1011—1968	
7. CM/L-232 17-10-1960	1-8-73	31-7-74	Assam Plywood Products, Village Kakojan, P.O. Jeypore (Assam)	Tea-chest of ywood panels— IS : 10—1970	
8. CM/L-241 21-9-1960	16-8-73	15-2-74	Bharat Pulverising Mills Private Limited, Chenchpokli Cross Lane Byculia Bombay-8.	BHC WDPC— IS : 562—1962	
9. CM/L-427 36-6-1962	1-7-73	30-6-74	The Calcutta Chemical Co. Ltd. 6 Tiljala Road Calcutta-29.	Stearic acid grades 1, 3 & 4— IS 1675-1971	
10. CM/L-431 18-7-1962	1-8-73	31-7-74	Indian Oxygen Ltd. (Electrode Factory) Barrackpore Trunk Road Khardah 24 Parganas (W. B.)	Covered electrodes for metal arc welding of mild steel of normal penetration type— IS : 814—1973	
11. CM/L-432 18-7-1962	16-8-73	15-8-74	Victor Cables Corporation 7/3 G.T. Road Sahibabad P.O. Pasonda Gha-ziabad (U. P.)	(i) PVC cables of 250/440 and 650/1100 volts grades with copper and aluminium conductors. (ii) PVC insulated flexible cords 250/440 volts grade— IS : 694 (Parts I & II)—1964	
12. CM/L-462 28-9-1962	1-8-73	31-7-74	Sambhar Salts Ltd. Sambhar Lake (Rajasthan)	Dairy salt and free-flowing table salt— IS : 253—1970	
13. CM/L-561 11-7-1963	1-8-73	31-7-74	Lloyd Bitumen Products Private Ltd. 1 Tarptola Road Calcutta.	Bitumen felts for waterproofing and damp-proofing Type 3 Grade I & II; and Type 2, Grade I— IS : 1322—1970	
14. CM/L-614 31-12-1963	1-8-73	31-7-74	—do—	Preformed fillers for expansion joints in concrete, non-extruding and resilient type— (bitumen impregnated fibre)— IS : 1838—1961	
15. CM/L-653 28-4-1964	16-8-73	15-8-74	Anand Water Meters Mfg. Co., Palluruthy Industrial Area, Cochin-5 (Kerala)	15mm and 20mm sizes water meters (domestic type)— IS : 779—1968	
16. CM/L-699 25-6-1964	16-7-73	15-7-74	Bombay Oil Industries (P) Ltd., Agra Road, Bhandup, Bombay.	Steric acid— IS : 1675—1971	
17. CM/L-720 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	Modern Industries, G.T. Road, Sahibabad (U. P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969	
18. CM/L-721 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969	
19. CM/L-724 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	Kisan Engineering Works Pvt. Ltd., Dakur Station (N. Railway), Distt, Bulandshahar (U. P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969	
20. CM/L-725 29-6-1964	1-8-73	31-7-74	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969	
21. CM/L-758 14-8-1964	1-8-73	31-7-74	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd. Plot No. 66-A, Industrial Area Faridabad Township (Haryana)	Carbon papers, typewriters, Types I, II & III— IS : 1551—1959	
22. CM/L-833 6-11-1964	16-8-73	15-8-74	The Kandivli Metal Works, Chittabhai Patel Road, Kandivli (East) Bombay-67	Wrought aluminium utensils, Grade: SIB SIC and NS3— IS : 21—1959	
23. CM/L-112 20-7-1965	16-8-73	15-8-74	Dhiman Scientific Works, Ambala Cantt	Wooden metric scales for general purpose rigid, Grades A & B, 50cm and foldable Grade B, 50cm only— IS : 1480—1970	
24. CM/L-1120 4-5-1965	1-9-73	31-8-74	Andhra Steel Corporation Ltd, Malkapuram, Vishakhapatnam (AP)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969	
25. CM/L-1121 4-5-1965	1-9-73	31-8-74	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969	
26. CM/L-1122 6-8-1965	16-8-73	15-8-74	Cynamid India Ltd., Atal Via Balwar.	Malathion, emulsifiable concentrates— IS : 2567—1963	
27. CM/L-1136 3-9-1965	16-8-73	15-8-74	—do—	Malathion, technical— IS : 1832—1961	
28. CM/L-1166 28-7-1965	1-8-73	31-7-74	Svastika Metal Works, Jagadhri (Haryana)	Rolled brass sheet and strip, Grade Cu Zn 37— IS : 410—1967	
29. CM/L-1242 14-4-1966	16-4-73	15-4-74	Plava Chemicals 3-C Nelson Monica Mudaliar Road, Aminjikaral Madras-29	Endrin EC— IS : 1310—1958	

1	2	3	4	5	6
30. CM/L-1303 28-7-1966	16-8-73	15-8-74	The Eveready Flashlight Company, Division of Union Carbide (India) Ltd., Mills Road, Lucknow (U. P.)	Flashlights— IS : 2083—1962	
31. CM/L-1305 28-7-1966	1-8-73	31-1-74	Assam Hardboards Ltd., Panikhaiti, near Gauhati	Fibre normal hardboards— IS : 1658—1966	
32. CM/L-1307 28-7-1966	1-8-73	31-7-74	The Structural Waterproofing Co Pvt Ltd., No. 8 Sevak Baidya Street, Calcutta-29	Integral cement waterproofing compound IS : 2645—1964	
33. CM/L-1382 30-12-1966	16-7-73	15-7-74	Camlin Private Ltd., 210 Lady Jamshedji Road, Bombay-16.	Ink, duplicating, black all weather, for rotary type machines— IS : 1222—1969	
34. CM/L-1469 30-6-1967	1-8-73	31-7-74	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66-A, Industrial Area, Faridabad Township (Haryana)	Ink, duplicating, all weather, black for drum type machines— IS : 1333—1958	
35. CM/L-1474 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	Goa Pesticides P. Ltd., Fatorda, Margoa (Goa)	Dieldrin emulsifiable concentrates— IS : 1054—1962	
36. CM/L-1475 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	—do—	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1958	
37. CM/L-1476 13-7-1967	1-8-73	31-7-74	Goa Pesticides Pvt. Ltd., Fatorda, Margoa (Goa)	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310—1958	
38. CM/L-1478 18-7-1967	1-8-73	31-7-74	Geeta Iron & Brass Works Private Ltd., Bajuva, Distt. Baroda	Sluice Valves for water works purpose (with non-ferrous and chromium spindles & rings) class I upto and including 300 mm sizes— IS : 780—1969 and sluice valves for water works purposes with non-ferrous spindles & rings, class I upto and including 600mm size sizes and class II, upto and including 1200 mm sizes double flanged— IS : 2906—1969	
39. CM/L-1490 16-8-1967	16-8-73	15-8-74	Polypharm Private Ltd. 29 Panchpakhadi Opp. Castel Mills Khanna Compound Agra Road, Thana (Maharashtra)	Sulphuric Acid— IS : 266—1961	
40. CM/L-1491 16-8-1967	16-8-73	15-8-74	Polypharm Private Ltd. 29, Panchpakhadi, Opp. : Castle Mills, Khanna Compound, Agra Road, Thana (Maharashtra)	Nitric acid, AR and pure grades— IS : 264—1960	
41. CM/L-1492 16-8-1967	16-8-73	15-8-74	—do—	Hydrochloric acid— IS : 255—1962	
42. CM/L-1512 12-9-1967	1-8-73	31-7-74	Plava Chemicals 3-C. Nelson Manicka Mudaliar Road Amlinjikarai Madras-29.	DDT DP— IS : 564—1961	
43. CM/L-1532 28-9-1967	16-7-73	15-1-74	Rashtriya Engineering Works G. T. Road Batala (Punjab)	Sand cast iron soil pipes' 50mm 75mm . and 100mm sizes only— IS : 1729—1964	
44. CM/L-1539 6-10-1967	1-9-73	31-8-74	Neiveli Ceramics & Refractories Ltd. Vadalur (Post) South Arcot District (Tamil Nadu)	Valveless flushing cisterns for water closets and urinals (siphonic type) vitreous china low level 12.5 litres capacity— IS : 774—1971	
45. CM/L-1540 6-10-1967	1-9-73	31-8-74	Neiveli Ceramics & Refractories Ltd. Vadalur (Post) South Arcot District (Tamil Nadu)	Vitreous sanitary appliances (vitreous china)— IS : 2556 (Parts II to X) —1967	
46. CM/L-1632 9-2-1968	16-9-73	15-8-74	The Canara Wire & Wire Products Ltd. Yoyyadi Padavu Konchady P. O. Mangalore.	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1969	
47. CM/L-1633 9-2-1968	16-8-73	15-8-74	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1969	
48. CM/L-1666 1-4-1968	1-9-73	28-2-74	United Pulverisers Bodla, Agra-7.	BHC dusting powders— IS : 561—1962	
49. CM/L-1686 30-4-1968	16-8-73	15-2-74	Palsons Industries Sultanpur Road Kapurthala (Pb)	Door closers (hydraulically regulated), sizes 2 and 3 only— IS : 3564—1970	
50. CM/L-1752 22-7-1968	16-7-73	15-7-74	Glace Kid (India) Private Ltd., 75, Ganesh Chandra Avenue Calcutta-13	Miners safety leather boots and shoes— IS : 1989—1967	
51. CM/L-1765 13-8-1968	16-8-73	15-5-74	P.V.S. Industries, 457 A, Amaravathy village, Hospet TQ	BHC DP— IS : 561—1962	
52. CM/L-1778 30-8-1968	1-9-73	28-2-74	Raj Brush Industries, 135, Mallviya Nagar, Bhopal-3	Flat brushes for paints and varnishes, (12 to 50 mm only)— IS : 384—1964	

1	2	3	4	5	6
53. CM/L-1786 11-9-1968	1-8-73	31-7-74	Goa Pesticides Pvt. Ltd., Fatorda, Margoa (Goa)	BHC dusting powders IS : 561—1962	
54. CM/L-1787 11-9-1968	1-8-73	31-7-74	—do—	DDT dusting powders— IS : 564—1961	
55. CM/L-1820 25-10-1968	1-9-73	28-2-74	United Pulverisers, Bodla, Agra-7.	DDT dusting Powders— IS : 564—1961	
56. CM/L-1823 31-8-1968	16-7-73	15-1-74	The Hindustan wood Industries, Vallamkhalam East P. O. (Vla Tiruvalla) Alleppey Distt. (Kerala)	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
57. CM/L-1942 21-3-1969	16-8-73	15-8-74	Polypharm Private Ltd., 29, Panchpakhadi, Opp : Castle Mills, Khanna Compound, Agra Road, Thana (Maharashtra)	Acetic Acid— IS : 695—1965	
58. CM/L-2020 15-7-1969	16-7-73	15-2-74	Krishana Miners & Traders, 12, Industrial Area, Jaipur West (Raj)	Endrin Emulsifiable concentrates— IS : 1310—1958	
59. CM/L-2022 23-7-1969	16-7-73	15-1-74	Gupta Engineering Works, Railway Road, Kapurthala (Pb.)	Domestic pressure cookers, 4 to 7 litres IS : 2347—1966	
60. CM/L-2023 23-7-1969	1-8-73	31-7-74	Agia Ram Khanna & Sons, 308/1-E, Shahzada Bagh, Old Rohtak Road, Delhi-7.	Plastic water-closet seats and covers, Type 'A'— IS : 2548—1967	
61. CM/L-2032 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	Vijay Industries, Shorapur-1, Palghat Distt.	Mortice lcks (Vertical type), 65 mm size, 4 lever type— IS : 2209—1970	
62. CM/L-2033 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	Addison & Co. Ltd., 4 & 18 Smiths's Road, Road, Maunt Road Madras-2.	Milling cutters of the follwing types :— (i) Shell end mills; (ii) Parallel shank end mills; (iii) Side and face cutter; (iv) cylindrical cutter ; (v) Taper shank end mills; (vi) Taper shank slot milling cutter; (vii) Keyway milling cutter; (viii) single angle cutter; (ix) Double angle cutter; (x) Equal angle cutter; (xi) 50 degree shell end single angle cutter; (xii) parallel shank slot milling cutter; (xiii) convex cutter; (xiv) concave cutter; (xv) Single corner rounding cutter— IS : 1830—1971	
63. CM/L-2034 28-7-1969	16-8-73	15-8-74	Addison & Co. Ltd., 4 & 18 Smith's Road, Mount Road, Madras-2	(i) Parallel hand reamers with parallel shanks— IS : 5444—1969; (ii) Chucking reamers with parallel shanks— IS : 5446—1969; (iii) Chucking reamers with morse taper shanks— IS : 5447—1969; (iv) Taper pin hand reamers— IS : 5881—1970; (v) Taper pin machine reamers— IS : 5918—1970 (vi) Machine bridge reamers— IS : 5919—1970 (vii) Shell reamers— IS : 5926—1970 (viii) Machine jig reamers— IS : 6091—1971	
64. CM/L-2038 31-7-1969	1-8-73	31-7-74	Sanifix India Pvt. Ltd., 172/7, Madhusudan Palchowdhury Lane Howrah-1	Cast Iron flushing cisterns for water closets and urinals (valve less sinphonic type):— (i) Low level, 12.5 litres capacity; and (ii) High level, 10 litres 12.5 litres capacity IS:774-1971	
65. CM/L-2039 31-7-1969	1-8-73	31-7-74	Sk. Baker Ali & Co, 65 Phear Lane, Calcutta-12	Tea-chest metal fittings. IS:10-1970	
66. CM/L-2041 31-7-1969	16-8-73	15-8-74	TANSI Stoneware Pipes, Junction Road, Vriddhachalan, South Arcot, District (Tamil Nadu)	Salt-glazed stoneware pipes of 100 mm, 150 mm and 230 mm dia only. IS:651-1971	

1	2	3	4	5	6
67. CM/L-2127 28-10-1969	16-8-73	15-8-74	Jairamdas Udyog Pvt. Ltd. 8th Mile, Mysore Road, Kangeri P. O., Bangalore South	(i) Twist drills, parallel shanks, stub Series— IS:5100-1969 (ii) Twist drills, parallel shanks short series or jobber— IS:5101-1969 (iii) Twist drills, parallel shank, long series IS:5102-1969; and (iv) Twist drills, morse taper shanks— IS:5103-1969	
68. CM/L-2142 12-11-1969	1-9-73	31-8-74	T. T. (Private) Limited, No. 78, Old Madras Road, Doorivaninagar, Bangalore-16.	Wrought aluminium utensils, grades SIC, NS 3 IS:21-1959	
69. CM/L-2147 26-11-1969	16-8-73	15-8-74	Oswal Electricals, 4C, Industrial Area, Faridabad (Haryana)	Three phase induction motors, 0.75 KW to 2.2 KW, class A insulation— IS:325-1961	
70. CM/L-2190 31-12-1969	16-8-73	15-8-74	Addison & Co. Ltd. 4 & 18 Smith's Road, Mount Road, Madras-2	(i) Twist drills, parallel shank stub series— IS:5100-1969 (ii) Twist drills, parallel shank, short series or jobbers— IS:5101-1969 (iii) Twist drills, parallel shank, long series— IS:5102-1969 and (iv) Twist drills, morse taper shank— IS:5103-1969	
71. CM/L-2241 9-2-1970	1-7-73	30-6-74	South India Plywood Industries, Market Landing Road, Kottayam (Kerala)	Tea-chest-battens— IS:10-1970	
72. CM/L-2353 26-6-1970	16-7-73	15-7-74	Martin Burn Industrial Unit No. 2, 1, Satya Doctor Road, Kidderpore, Calcutta-23	Valve fittings for compressed gas cylinders (LPG)— IS:3224-1971	
73. CM/L-2364 13-7-1970	16-7-73	15-7-74	—do—	Welded low carbon steel gas cylinders of 33.3 litres water capacity for the storage and transportation of low pressure liquefiable gases— IS:3196-1968	
74. CM/L-2374 23-7-1970	1-8-73	31-7-74	Diko Cables of Sanatnagar, Barzulla Srinagar-5 (J&K)	Hard-drawn standard aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS:398-1961	
75. CM/L-2375 27-7-1970	1-8-73	31-7-74	Bhilai Cement Pipe Mfg. Co., 70/A, Industrial Estate, Nandini Road, Bhilai-1(M.P.)	Concrete pipes class NP2-reinforced concrete, light duty, non-pressure pipes internal dia upto and including 900 mm— IS:458-1971	
76. CM/L-2395 31-8-1970	1-9-73	30-11-1974	The Hind Iron Foundry, Railway Road Batala (Punjab)	Cast-iron flushing cistorns for water closets and urinals (valucless sinphonic type), high level, bell type, 10 litres and 12.5 litres capacity— IS:774-1971	
77. CM/L-2401 1-9-1970	1-9-73	31-8-74	Andhra Steel Corporation Ltd, Mulakuram, Vishakhapatnam (AP)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS:1786-1966	
78. CM/L-2426 14-10-1970	16-8-73	15-2-74	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Chinchpokli, Cross Lane, Bombay-27	DDT WDPC - IS:565-1961	
79. CM/L 2528 27-1-1971	1-8-73	31-7-74	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66 A, Industrial Area, Faridabad Township (Haryana)	Carbon paper, hand writing— IS:3450-1966	
80. CM/L-2560 19-2-1971	16-8-73	15-2-74	Bhuvaneshwari Pulverising Mills, 4/5, Elaya Mudali Street, Madras-81	BHC WDPC— IS:562-1962	
81. CM/L-2716 16-7-1971	16-7-73	15-7-74	Shiva Durga Iron Works Pvt. Ltd. 156/1, Madhusudan Pal Chodhury Lane, Howrah (W. Bengal)	Cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage, all fitting upto 600 mm— IS:1538-1969	

1	2	3	4	5	6
82. CM/L-2719 28-7-1971	1-8-73	31-7-74	Elco Private Limited, B-90, Asstd. Private Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad-37	Direct reading PH meters,— IS: 2711-1966	
83. CM/L-2726 3-8-1971	16-8-73	15-8-74	S. K. G. Sugar Ltd. (Distilleries Division) P. O. Mirganj, District Saran (Bihar)	Whiskies— IS:4449-1967	
84. CM/L-2727 4-8-1971	16-8-73	15-6-74	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd, Tulsi ram Gupta Mills, Estate, Reay Road, Darukhana, Bombay-10	BHC WDPC— IS:562-1962	
85. CM/L-2731 6-8-1971	16-8-73	15-8-74	Meryfur Industries, Sri Ram Lane, Opp. Jindal Oil Mills, Shahdra, Delhi	(i) PVC insulated sheathed and unsheathed cables, single-core, aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 volts, (ii) PVC insulated sheathed cables, flat, twin-core, 250/440 and 650/1100 volts, aluminium conductor, and (iii) PVC insulated unsheathed cables, single-core, copper conductor, 650/1100 volts— IS:694(Parts I & II) - 1964	
86. CM/L-2735 12-8-1971	16-8-73	15-8-74	Victor Cables Corporation, 185, G. T. Road, Sahibabad (U. P.)	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltage upto and including 1100 volts— IS:1554 (Part I)—1964	
87. CM/L-2736 12-8-1971	16-8-73	15-8-74	Hukamchand Jute Mills Ltd, P. O. Hazinagar Naihati, 24 parganas (W.B.)	(i) Jute bags for packing cement— IS:2580-1965 and (ii) DW—flour bags— IS:3984-1964	
88. CM/L-2738 16-8-1971	16-8-73	31-5-74	Skytone Electricals (India), 43, Industrial Area, Faridabad (Haryana)	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages up to and including 1100 volts— IS:1554 (Part I)—1964	
89. CM/L-2746 25-8-1971	16-8-73	15-8-74	Phenoweld Polywer Pvt Ltd, Joshi Bldg., (unit No. 2) 2nd floor, Saki Vihar Road, Bombay-72AS and Kirpalani Industrial Estate, Saki Vihar Road, Bombay-72AS.	Plastic water closets, seats and covers (phenolic plastics and amino plastics)— IS:2548-1967	
90. CM/L-2752 26-8-1971	16-8-73	15-8-74	S. K. G. Sugar Ltd, (Distilleries Division) P. O. Mirganj, District Saran (Bihar)	Run— IS:3811-1966	
91. CM/L-2821 26-11-1971	16-8-73	15-8-74	—do—	Brandy— IS:4450-1967	
92. CM/L-2826 3-12-1971	1-8-73	31-7-74	Goa Pesticides P. Ltd, Fatorda, Mangao (Goa)	Malathion emulsifiable concentrates— IS:2567-1963	
93. CM/L-2834 9-12-1971	16-8-73	15-8-74	S. K. G. Sugar Ltd, (Distilleries Division) P. O. Mirganj, District Saran (Bihar)	Gin— IS:4100-1967	
94. CM/L-2842 15-12-1971	1-9-73	31-8-74	Foremost Dairies Ltd, Dehra Dun Rd, P. O. Kailashpur, Distt Saharanpur (U. P.)	Milk powder (skim) IS:1165-1967	
95. CM/L-2863 5-1-1972	16-1-73	15-1-74	Jaya Shree Textiles Industries Ltd, Rishra P. O. Distt. Hooghly (WB)	Unlines flax canvas hose for fire-fighting 63 mm and 70 mm— IS:4927-1968	
96. CM/L-2964 10-3-1972	16-3-74	15-3-74	The Industrial Gases Ltd., 146, Andul Road, Road, Howrah-3	Single operator, rectifier type, dearc welders, rating : 250 amps— IS:4559-1968	
97. CM/L-3100 12-7-1972	16-7-73	15-7-74	Climax Plastic Udyog, 26/1/2 Malakar Para Lane, Calcutta-38	High density polyethylene pipes for potable water supplies for sizes upto and including 32 mm outside diameter and of measure rating 6 kgs cm2— IS:4884-1972	
98. CM/L-3103 13-7-1972	16-7-73	15-7-74	Star Iron Works Pvt. Ltd, No. 8, Station Road, Liluah, Howrah (W. Bengal)	Black heart malleable iron castings— IS:2108-1962	
99. CM/L-3108 25-7-1972	18-73	31-7-74	Tractel Tirfor (India) Pvt. Ltd, 14/6, Milestone, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Universal gearless hand-operated pulling & lifting machines— IS:5604-1970	
100. CM/L-3109 26-7-1972	1-8-73	31-7-74	The Rameshwar Jute Mills Limited, Muktapur, P. O. Samastipur, Distt. Darbhanga (Bihar)	B-twill jute bags— IS:2566-1965	

1	2	3	4	5	6
101. CM/L-3111 31-7-1972	1-8-73	31-7-74	Bombay Chemicals Private Ltd., 19, Victoria Road, Low Level, Reay Road, Mazagaon, Bombay-10	Endrin EC-- IS:1310-1958	
102. CM/L-3112 31-7-1972	1-8-73	31-7-74	Tata Chemicals Limited, Mithapur (W. R.) Okhamandal (Gujarat)	Sodium bicarbonate-- IS:2124-1962	
103. CM/L-3113 1-8-1972	1-8-73	31-7-74	South Indian Steel Limited, Moula Ali, Hyderabad-40	Ungalvanised mild steel tapes for armouring cables-- IS:3975-1967	
104. CM/L-3115 1-8-1972	1-8-73	31-7-74	Jindal Industries Pvt. Ltd, Delhi Road, Hissar (Haryana)	Mild steel tubes-- IS:1239(Part I)--1968	
105. CM/L-3116 1-8-1972	1-8-73	31-12-73	Ramakrishna Prasad Pesticides, Koppuravuru, near Namkur R. S. (Guntur Dist.)	Endrin EC-- IS:1310-1958	
106. CM/L-3120 9-8-1972	16-8-73	31-3-75	The Tata Iron & Steel Co. Ltd, Jamshedpur (Bihar)	Hot rolled steel sheets for the manufacture of low pressure gas cylinders-- IS:6240-197	
107. CM/L-3127 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	Ryots Agricultural Produce Cooperative Marketing society Ltd, (Between 58th & 59th Mile) Mandya (Mysore State)	Compound feeds for cattle IS:2052-1968	
108. CM/L-3129 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	Ravi Engineering Works, Partap Estate, Chheharta, Dist. Amritsar	Structural steel (standard quality)-- IS:226-1969	
109. CM/L-3130 21-8-1972	16-8-73	15-8-74	--do.--	Structural steel (ordinary quality)-- IS:1977-1969	
110. CM/L-3134 21-8-1972	1-9-73	31-8-74	Diesel Engineers, 137, Walltax Road, Madras-1	Vertical diesel engines of following rating KW R. P. M. Type 3.7 (5 HP) 1500 KD-1 IS:1601-1960	
111. CM/L-3140 25-8-1972	16-8-73	15-8-74	The Reliance Jute & Industries Ltd, Railway Station Kankinara (E. Rly), P. O. Bhatpara, 24 Parganas (W. Bengal)	(i) A-twill jute bags-- IS:1943-1964 (ii) B-twill jute bags-- IS:2566-1965	

[No. CMD/13:12]

A. K. GUPTA, Acting Director General

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1975

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1975

क्र० प्र० 1436.--राजनयिक एवं कंसुली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) के खंड(क) की धारा 2 के अनुसार केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री डी०आर० साहनी को तत्काल से भारत के सैन्य-स्थित प्रधान कोसलाग्राम में कंसुली एजेंट का कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है।

[क्र० सं० टी० 4330(4)/74]

आर० सी० जोशी, उप-सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 25th April, 1975

S.O. 1436.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri D. R. Sahni, Assistant in the Consulate General of India, Saigon, to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(4)/74]

R. C. JOSHI, Dy. Secy.

क्र० प्र० 1437.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि से कोयला अभिप्राप्त किए जाने की सम्भाव्यता है ;

अतः अब, कोयला क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, उसमें कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

2. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) के कार्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में या कलकट्टा, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1, कॉमिन हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में किया जा सकेगा।

3. उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी मानचित्र, चाटे और अन्य दस्तावेजों, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से से नब्बे दिन के भीतर राजस्थान अधिकांसी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, वरभंगा हाउस, रांची को परिदष्ट कर देंगे।

अनुसूची

कम्पनी ब्लॉक 'बी'—विस्तार

कम्पनी कोयला-क्षेत्र

(महाराष्ट्र)

ड्राईंग सं० राजस्व/51/74

4 दिसम्बर, 74

(प्राथमिकता के लिए अधिसूचित भूमि)

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	मौजा सं०	जिला	क्षेत्र	दिश्य-शियां
1.	पिपला	सौनेर	144	नागपुर		भाग
2.	रानला	सौनेर	183	नागपुर		भाग
3.	दहेगांव	सौनेर	108	नागपुर		भाग
		कुल क्षेत्र :-	820.00	एकड़	(लगभग)	
		या	331.83	हेक्टेयर	(लगभग)	

सीमा वर्णन :-

- ए-बी लाइन ग्राम पिपला और कोडास की भागत : सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
- बी-सी लाइन ग्राम पिपला और दहेगांव में सड़क की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।
- सी-डी लाइन ग्राम दहेगांव और रानला से होते हुए जाती है।
- डी-ई लाइन ग्राम रानला से होते हुए जाती है।
- ई-एफ लाइन ग्राम रानला और पिपला की भागत : सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
- एफ-जी लाइन ग्राम पिपला और वाल्मी की भागत : सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
- जी-ए लाइन ग्राम पिपला से होते हुए जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[फा० सं० सी 3-2(2)/71-सी 5/सी 5 ई० एल०]

एस० आर० ए० रिज्वी, उप-सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 29th April, 1975

S. O. 1437.—WHEREAS, it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

2. The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

3. All persons interested in the land mentioned in the said schedule shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi, within 90 (ninety) days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Kamptee Block 'B'—Extension

Kamptee Coalfield

(MAHARASHTRA)

DRG NO. Rev/51/74

Dated 4-12-74

(Lands notified for prospecting)

Serial number	Village	Tahsil	Mouza number	District	Area Re-marks
1.	Pipla	Saoner	144	Nagpur	Part
2.	Ranala	„	183	„	„
3.	Dahegaon	„	108	„	„
Total Area :—820.00 acres					(approximately)
or					331.83 Hectares
					(approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION :—

- A—B line passes along the part common boundary of villages Pipla and Kodas.
- B—C line passes along the northern boundary of Road in villages Pipla and Dahegaon.
- C—D line passes through villages Dahegaon and Ranala.
- D—E line passes through village Ranala.
- E—F line passes along the part common boundary of villages Ranala and Pipla.
- F—G line passes along the part common boundary of villages Pipla and Walni.
- G—A line passes through village Pipla and meets at starting point 'A'.

[F. No. C3-2(2)/71-C5/CEL]

S. R. A. RIZVI, Dy. Secy.

नौबहत और परिशुद्ध संस्करण

(परिशुद्ध पक्ष)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1975

फा० आ० 1438.—सारमुगाओ डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1965 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप जिस केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम है, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्तापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी शक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उसके द्वारा प्रभावित होने की सम्भावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर

पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या को पश्चात विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अधि में पूर्व उक्त प्राण की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होने वाले किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायगा।

स्कीम की प्रारूप

1. इस स्कीम का नाम मारमुगाओ डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1975 है।

2. मारमुगाओ डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1965 के खण्ड 36 में श्रक "8" के स्थान पर श्रक "10" रखा जाएगा।

[फाइल सं० एल डी जी-6/7/75]

वी० शंकरलिंगम, अवर सचिव (एल)

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1438.—The following draft of a Scheme further to amend the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1965 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1975.

2. In clause 36 of the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1965, for the figure "8", the figure "10" shall be substituted.

[File No. LDG-6/7/75]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

(व्यापार पोत)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1975

क्र० प्रा० 1439.—भारतीय व्यापार पोत (नाविक रोजगार कार्यालय, कलकत्ता) नियम, 1954 के नियम 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कप्तान जी० ए० लोबो के स्थान पर कप्तान जी० राव को नाविक रोजगार बोर्ड (गृह व्यापार) कलकत्ता का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सा० प्रा० सं० 2371 दिनांक 28-7-1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं० 4 में, प्रविष्टि "कप्तान जी० ए० लोबो" के स्थान पर प्रविष्टि "कप्तान जी० राव" प्रतिस्थापित की जाय।

[फाइल सं० 15-एम० टी(1)/73]

(Merchant Shipping)

New Delhi, the 28th April, 1975

S.O. 1439.—In exercise of the powers conferred by Rule 5 of the Indian Merchant Shipping (Seamen's Employment Office, Calcutta) Rules, 1954, the Central Government hereby appoints Capt. G. Rao to be a member of the Seamen's Employment Board (Home Trade), Calcutta Vice Capt. G. A. Lobo and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) S. O. No. 2371 dated the 28th July 1973.

In the said notification, in Serial No. 4 for the entry "Capt. G. A. Lobo", the entry "Capt. G. Rao" shall be substituted.

[F. No. 15-MT(1)/73]

क्र० प्रा० 1440.—भारतीय व्यापार पोत (नाविक रोजगार कार्यालय कलकत्ता) नियम, 1954 के नियम 5 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के० पुरी के स्थान पर कप्तान श्री एम० डी० चड्ढा को पोत स्वामियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये कलकत्ता पोत के नाविक रोजगार बोर्ड (विदेश गामी) में सदस्य के रूप में नियुक्त करती है, और भारत सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सा० प्रा० सं० 2938 दिनांक 22 अक्टूबर, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्या 9 में प्रविष्टि

श्री के० पुरी के स्थान पर श्री कप्तान एम० डी० चड्ढा, प्रतिस्थापित किया जाय।

[फाइल सं० एम०एस०ई० (43)/174-एम०टी०]

बीवान चन्द अहीर, अवर सचिव

S.O. 1440.—In pursuance of Rule 5 of the Indian Merchant Shipping (Seamen's Employment Office, Calcutta), Rules, 1954, the Central Government hereby appoints Capt. S. D. Chadha as a member of the Seamen's Employment Board (Foreign-Going) at the port of Calcutta to represent the Shipowners vice Shri K. Puri, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) S. O. No. 2938 dated the 22nd October, 1974:—

In the said notification, in Serial No. 9 for the entry "Shri K. Puri", the entry "Capt. S. D. Chadha" shall be substituted.

[F. No. MSE (43)/74-MT]

D. C. AHIR, Under Secy.

अरम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

क्र० प्रा० 1441.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शिपों के बारे में श्री दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, गंगापुर की सवाईमाधोपुर जिले की गंगापुर तहसील में बाजना में लेटराइट बाकसाइट खानों और सवाईमाधोपुर जिले की नारनपुर तहसील में श्वेत मिट्टी की खानों के प्रबन्ध तन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, खान स्वामी, गंगपुर की सवाई माधोपुर जिले की गंगपुर तहसील में बाजना में लेटराइट बाक्साइट खानों और सवाई माधोपुर जिले के नारायणपुर तहसील में रवेत मिट्टी के खानों में नियोजित कर्मचारियों की, 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लेखा वर्षों के लिए 20% की वरस लाभ-सहभाजन बोनस के भुगतान के लिए मांग न्यायोचित है? यदि नहीं तो, अधिक प्रत्येक वर्ष के लिए बोनस की किस मात्रा के हकदार हैं?

[संख्या एल-29011/13/75-डी० प्रो० 3 (बी)]

MINISTRY OF LABOUR ORDERS

New Delhi, the 31st March, 1975

S.O. 1441.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Laterite Bauxite Mines in Bajna at Gangapur Tehsil in the District of Sawaimadhopur and White Clay Mines at Naranpur Tehsil in the District of Sawaimadhopur, of Shri Durga Prasad Agarwal, Gangapur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen employed in Laterite Bauxite Mines in Bajna at Gangapur Tehsil in the District of Sawaimadhopur and White Clay Mines at Naranpur Tehsil in the District of Sawaimadhopur of Shri Durga Prasad Agarwal, Mine Owner, Gangapur, for payment of profit Sharing bonus @20 per cent for the accounting years 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72 and 1972-73 is justified? If not, to what quantum of Bonus are the workers entitled for each year?

[No. L-29011/13/75-D.O.3(B)]

का० प्रो० 1442 :—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, गंगपुर की सवाईमाधोपुर जिले में गंगपुर तहसील में स्थित बाजना में लेटराइट बाक्साइट खानों और सवाईमाधोपुर जिले में नारायणपुर तहसील

में स्थित रवेत मिट्टी की खानों के प्रबन्धन से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, खान स्वामी गंगपुर की, सवाईमाधोपुर जिले में गंगपुर तहसील में स्थित बाजना में लेटराइट बाक्साइट खानों और सवाईमाधोपुर जिले में नारायणपुर तहसील में स्थित नारायणपुर रवेत मिट्टी की खानों में नियोजित कर्मकार, राष्ट्रीय और त्यौहार के दिनों की संवेतन छुट्टियों की मंजूरी के हकदार हैं? यदि हां, तो कितनी और किन अवसरों पर?

(संख्या एल० 29011/15/75-डी० प्रो० 3 (बी))

S.O. 1442.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to management of Laterite Bauxite Mines in Bajna at Gangapur Tehsil in the District of Sawaimadhopur and White Clay Mines at Naranpur Tehsil in the District of Sawaimadhopur of Shri Durga Prasad Agarwal, Gangapur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed in Letrite Bauxite Mines in Bajna at Gangapur Tehsil in the District of Sawaimadhopur and Naranpur White Clay Mines at Naranpur Tehsil in the District of Swaimadhopur of Shri Durga Prasad Agarwal, Mine Owner, Gangapur, are entitled for grant of paid national and festival holidays? If so, how many and on what occasions?

[No. L-29011/15/75-D.O. 3(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1975

का० प्रो० 1443.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के रामगुंडस प्रभाग, गोदावरी खान, डाकघर, जिला करीमनगर, आन्ध्र प्रदेश से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधि-करण गठित करती है जिसके पीछागीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राय होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

श्री मिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, रामगंडम प्रभाग, डाक-घर गोदावरी खानि, जिला करीमनगर, आन्ध्र प्रदेश के प्रबन्धतन्त्र की श्री टी० शर्माईप्राह, फिजलीमिस्त्री को प्रवर्ग-5 बिजलीमिस्त्री के रूप में प्रोन्नति और स्थाई न करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुसूच का हकदार है?

[संख्या एल०-21012/14/74-एल० आर०-2/डी०-3 बी०]

ORDER

New Delhi, the 3rd April, 1975

S.O. 1443.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Ramagundam Division of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani Post, Karimnagar District, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri T. Nursing Rao as Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division, Godavari Khani Post, Karimnagar District, Andhra Pradesh, in not promoting and confirming Shri T. Agaiiah, Electrician as Category V Electrician is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[No. L-21012/14/74-LR.II/D.IIIB]

आदेश

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

क्रा० आ० 1444.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों की बाबत श्री घासीलाल अरुण कुमार, खान स्वामी, मन्जी मण्डी, जयपुर की, तहसील और जिला सवाई-माधोपुर में बारेल स्थित रेड अक्साइड खानों के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

श्री घासीलाल अरुण कुमार, खान स्वामी मन्जीमण्डी, जयपुर की, तहसील व जिला सवाईमाधोपुर में बारेल स्थित रेड अक्साइड खानों में नियोजित कर्मकारों की 1969-70, 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लेखा वर्षों के लिये 20 प्रतिशत की दर से लाभ सहभाजन योजना के संदाय की मांग न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुसूच के हकदार है?

[संख्या एल०-29011/12/75-डी० ओ० 3-बी०]

ORDER

New Delhi, the 5th April, 1975

S.O. 1444.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Red Oxide Mines at Barel in the Tehsil and District of Sawaimadhopur of Shri Ghasilal Arunkumar, Mine Owner, Subzimandi, Jaipur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen employed in Red Oxide Mines at Barel in the Tehsil and District of Sawaimadhopur of Shri Ghasilal Arunkumar, Mine Owner, Subzimandi, Jaipur for payment of profit sharing bonus @20 per cent for the accounting years 1969-70, 1970-71, 1971-72 and 1972-73 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for each year?

[No. L-29011/12/75-D.O.3B.]

आदेश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल 1975

क्रा० आ० 1445.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री घासीलाल अरुण कुमार, खान मालिक, जयपुर की सवाईमाधोपुर तहसील और जिले में बारेल स्थित रेड अक्साइड खान के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

ORDERS

New Delhi, the 9th April, 1975

क्या श्री वासी लाल, अरुण कुमार, खान स्वामी, जयपुर की सवाई-माधोपुर तहसील और जिले में बरेल स्थित रेड् ओक्साइड खान में नियोजित कर्मकार, संवेतन राष्ट्रीय और त्यौहार के दिनों की छुट्टियों के हकदार हैं? यदि हाँ, तो किन्ती और किन अवसरों पर?

[संख्या एल-29011/14/75-डी०ओ०-3 (बी)]

ORDER

New Delhi, the 7th April, 1975

S.O. 1445.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Red Oxide Mines at Barel in the Tehsil and District of Sawaimadhapur of Shri Ghasilal Arun Kumar, Mine Owner, Jaipur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed in Red Oxide Mines at Barel in the Tehsil and District of Sawaimadhapur of Shri Ghasilal Arun Kumar, Mine Owner, Jaipur are entitled to paid National and Festival holidays? If so, how many and on what occasion?

[No. L-29011/14/75-D.O.3(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1975

का० आ० 1446.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री नारायण अग्रवाल, खान स्वामी, जयपुर की तहसील इसेरदा जिला सवाईमाधोपुर स्थित सैलखड़ी खानों के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1917 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री नारायण अग्रवाल, खान स्वामी, जयपुर की इसेरदा सैलखड़ी खानों, तहसील इसेरदा, जिला सवाईमाधोपुर में नियोजित कर्मकार, संवेतन राष्ट्रीय और त्यौहार के दिनों की छुट्टियों की स्वीकृति के हकदार हैं? यदि हाँ, तो किन्ती और किन अवसरों पर?

[संख्या एल-29011/10/75-डी०ओ०-3 बी]

S.O. 1446.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Soap Stone Mines at Tehsil Iserda, District Sawaimadhapur of Shri Narayan Agarwal, Mine Owner, Jaipur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed in Iserda Soap Stone Mines Tehsil Iserda, District Sawaimadhapur of Shri Narayan Agarwal, Mine Owner, Jaipur are entitled for grant of paid National and Festival Holidays? If so, how many and on what occasions?

[No. L-29011/10/75/D.O.3 B.]

का० आ० 1447.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स मर्चेंट सिंडीकेट (प्राइवेट) लिमिटेड पुलिवेंडला के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंहराव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स मर्चेंट सिंडीकेट (प्राइवेट) लिमिटेड पुलिवेंडला की श्री टी० श्री निवासन खान पर्यवेक्षक को 21-3-1974 से सेवा से हटाने की कार्रवाई वैध और न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किम अनु-तोष का हकदार है।

[संख्या एल-29012/2/75-डी०ओ० 3 बी]

एस० एन० एस० अय्यर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

S.O. 1447.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Merchant Syndicate (Private) Limited, Pulivendla, and their workman in

respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri T. Narsing Rao as Presiding Officer with headquarters at Hyderabad, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of Messrs Merchant Syndicate (Private) Limited, Pulivendla in removing from service of Shri T. Sreenivasan, Mine Supervisor, from 21-3-1974 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L-29012/2/75-D.O. 3B.]

New Delhi, the 28th April 1975

S.O. 1448.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the matter of an application under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, from Shri Md. Shariff and six workmen of the Medical Department of Main Hospital of Singareni Collieries Company Limited, which was received by the Central Government on the 22nd April, 1975.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Miscellaneous Petition No. 167 of 1968

IN

Industrial Dispute No. 30 of 1967

BETWEEN

Md. Shariff and other six workmen of Medical Department of Main Hospital, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.

... PETITIONERS

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.

... RESPONDENT.

APPEARANCES:

Shri A. Lakshmana Rao, Advocate for Petitioners.

Sri V. Gopal Sastry, Assistant Personnel Officer, Kothagudem for Respondent.

AWARD

In this application under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (which would hereinafter be called the Act) the seven complainants complain regarding the alteration of condition of their service by the Respondent-Management in contravention of the provisions of the Industrial Disputes Act.

2. The petition allegations briefly stated are these:—The Respondent-Management has in their establishment a department called Medical and Health Department. The

seven complaints are said to be the monthly rated workmen such as Nurse, Mid-wife and Pro-nurses. The descriptions as follows:—

- | | |
|-------------------------------------|--------------|
| 1. Md. Sharief | } Pro-Nurses |
| 2. A. Ramadas | |
| 3. Smt. J. Ruth | |
| 4. Smt. Lucy Isreal | |
| 5. Smt. Deevanamma | |
| 6. B. R. Paramanandam—Male Nurse | |
| 7. Smt. Padma Paramanandam—Midwife. | |

Industrial Dispute No. 30 of 1967 is said to be pending before the Tribunal which pertains to categorisation and wage fixation of the workmen of the Singareni Collieries as per the recommendations of the Wage Board. Wage fixation is said to be one of the claims made in the claims statement filed by the workmen but the Management has not filed any statement as yet but before filing the counter they have proceeded to change the designations of the above workmen No. 1 to 5 as Nursing Orderlies, No. 6 to a Compounder and No. 7 to that of a Junior Trained Nurse. These changes in designations are said to have been made by the Management in order to avoid the fixation of wages as claimed by the workmen in their claims statement in the industrial dispute. This action of the Management is said to be illegal and in contravention of all labour laws particularly so when the industrial dispute is pending. The changes of the designation are said to affect the workmen and their wage fixation etc. The action of the Management is therefore said to be illegal and mala fide. The changes in designations are also said to have been effected without proper compliance of the provisions of the Industrial Disputes Act. As an interim measure, they have also sought a stay order against the action of the Management. It is thus alleged that the Management has contravened the provisions of the I.D. Act in affecting the changes in designations.

3. In the counter filed by the Management, it is denied that the Management is guilty of any contravention of Section 33 as the change of designation cannot be construed as change in service condition. It is also contended that such a change of designation is not covered by Schedule 4 of the I.D. Act to which Section 33 or 9A of the Act would be attracted. In the absence of any contravention of Section 33, the complaint under Section 33A is not maintainable. That the seven complainants are the workmen of the Medical Department of the Collieries is admitted. It is also admitted that in the claims statement filed by the Union in the main industrial dispute, the demand for these workmen who are on the monthly paid staff are also included. It is contended that the seven workmen have been fixed in the appropriate wage board grades. The designations given to them on implementation of the Wage Board recommendations are in accordance with the duties they are performing at present. The first five workmen are said to have no qualifications in Nursing in spite of their long training and therefore they are designated as Nursing Orderlies. The Pro-nurses are said to be untrained nurses and therefore they have been included under the new designation suggested by the Wage Board. The action of the Management in changing their designations as Nursing Orderlies and fixing them in the Grade of 180—273 is said to be not only proper but justified and is based on the Wage Board recommendations. As regards the 6th workman Sri B. R. Paramanandam, it is alleged that he is a vernacular trained Male Nurse. He is said to possess the qualification of a Compounder and he is actually performing the duties of a Compounder in one of the Collieries Dispensaries. He is therefore designated as a Compounder and he is allowed the grade of Rs. 205—337 as recommended by the Wage Board for qualified Compounders. It is contended that the Management is fully justified in changing his designation from Male Nurse to that of a qualified Compounder. The workman is said to have not sustained any loss in his emoluments. Consequently upon his re-designation as a Compounder. The 7th workwoman is said to stand on the same footing and she is said to be appropriately fixed in the grade of 205—337 as a Junior Trained Nurse. It is alleged that she is not

performing the duties of the Midwife and there is no occasion for her to perform such duties at the dispensary when there are no arrangements for confinement cases. The Collieries is said to have a full fledged maternity ward at the Main Hospital, and that no confinement cases are ever handled at the dispensary. She is said to be performing the duties of a Trained Nurse only. It is also contended that she did not sustain any loss in the emoluments on account of the change in her designation as a Junior Trained Nurse which is only in accordance with the duties she is performing at present. It is thus denied that the re-designation is in any way illegal or in contravention of other laws. It is alleged that the petition is a frivolous one. It is also denied that the change of the designations would pre-judicially affect the workmen with regard to their Wage Board fixation. In short it is denied that the action is either illegal or mala fide. The dismissal of the complaint in limine is sought on the legal ground that the change of designation of a workman does not amount to a change in service condition.

4. The Tribunal passed an Award on 20th August, 1968 holding that no relief need be given to any of these applicants as the final decision in the Award to be passed in the main industrial dispute would cover not only the class of employees who have filed this complaint but also the various other classes of employees. Aggrieved by this Award the complainants preferred Writ Petition No. 543/69 on the file of the High Court. The matter is remitted to the Tribunal by an order of the High Court dt. 16-9-1970 holding that the Tribunal has failed to enquire and to hold whether there was any change in the conditions of service by the Management during the pendency of the Industrial Dispute No. 30 of 1967.

5. After remand, the Management took the plea that in the light of the decision given by the Minister for Labour, Central Government regarding the matters covered by I.D. No. 30 of 1967 and other Industrial Disputes, to which the parties agreed, it was agreed that all the petitions including the petitions under Section 33A would be withdrawn. That agreement was reached by the various Unions and the Management. Out of the seven claimants (aggrieved workmen) who filed the joint complaint Mr. and Mrs. B. R. Pramanandam have filed a petition seeking adjudication of their complaint and wanted the Tribunal to ignore the settlement with regard to the withdrawal of this complaint. Since the grievances were by individual workman, by an order of this Tribunal dated 9-10-1974 enquiry into this petition was ordered to be proceeded with. It is however, relevant to note that notices were directed to the other five individual workmen. Out of whom, in response to the notices only one workwoman by name, Lucy Isreal appeared. She wanted time for explaining her stand in the matter. But thereafter she absented herself. It is equally pertinent to note at this stage that the designation of those five workmen from Pro-nurse was alleged to have been changed to Nursing Orderlies. It is however conceded by the Management as well as by Mr. Lakshmana Rao, the learned counsel for the Five workmen that under the Award of the Labour Minister of the Central Government, a sum of Rs. 15.00 as an adhoc allowance is granted to those Probationer Nurses with effect from 15-8-1973 under Demand No. 29. It is presumably for that reason they have not chosen to have the matter inquired into. They are however now fitted in the grade of 180—273 as per the Wage Board recommendations which is the grade prescribed for Nursing Orderlies ad untrained or apprentice-Nurses. The case of the Management precisely was that in spite of having service for a period of 10 or 15 years they have not acquired the requisite qualifications. Be that whatever it may. In view of the order of the Tribunal referred to above the enquiry into the complaint proceeded with regard to the two claimants viz. Mr. and Mrs. Pramanandam.

6. At the outset it can be noted that the controversy with regard to these workmen also lies in a very narrow compass. The case of the workman Mr. Pramanandam is that his initial appointment was that of a Male Nurse but in due course he was given the additional charge or work of a Compounder as he was also a qualified Compounder. Thus his contention is that on the date of the implementation of the Wage Board recommendations though he was working as a Compounder that was an additional duty but for all practical purposes he was a Male Nurse and therefore his fitment consequent to the implementation of the Wage Board recommendations ought to have been in the grade of

Rs. 245—440, as a senior trained Nurse. The case of the Management is that preceding the implementation of the Wage Board Mr. Pramanandam was only a Compounder and being a qualified Compounder he was given the grade of Rs. 205—337. Thus redesignation of the workman as Compounder and the grade sought to be given to him is attempted to be justified on the ground of the nature of work he was performing on or immediately preceding the date of the implementation of the Wage Board recommendations. It is not however disputed that the appointment of this workman was as a Male Nurse. Ex. P1 dated 16th June, 1954 is the relevant appointment order. From the evidence of the workman as P.W. 1 and the Management's witness R.W. 1 it transpires that this workman was working at Gouthampur Dispensary as Compounder on the relevant date i.e. on the date of the implementation of the Wage Board recommendations in the year 1967. Before the workman was posted as Compounder at Gouthampur Dispensary he worked at Ramavaram Dispensary and prior to that at Mandamarry Dispensary. The short point for consideration is what was his designation throughout and whether the Management is justified in treating him as a Compounder on the date of the implementation of the Wage Board recommendations, for the purpose of giving the grade or fitting him into a new grade. The only stand of the Management is that since he was working as a Compounder in spite of his initial appointment as Male Nurse, he is given the new grade of a Compounder as per the Wage Board recommendations. It is also the contention of the Management that even by giving a grade of a Compounder as per the recommendations there is some monetary benefit to the workman. The contention of the workman is that he being a Male Nurse is entitled to the grade of Rs. 245—440, which is the grade prescribed for the Senior Trained Nurse in the Wage Board Recommendations. I may straightaway hold that the stand of the Management does not appear to be justified. It is not disputed that the workman had qualifications of a Male Nurse in addition to that of a Compounder. The very documentary evidence filed or summoned from the custody of the Management would belie the stand of the Management. As per Ex. R4 dt. 2-12-1965 Mr. Pramanandam is shown as Compounder Incharge of Rudrampur Division. Thus a year or two preceding the implementation of the Wage Board recommendations the workman was treated as Incharge Compounder. His initial appointment was as a Male Nurse. The Management would now attempt to show that he was a lower qualified Male Nurse. At the time of appointment there does not appear to be any such classification as a higher qualified Male Nurse or lower qualified Male Nurse though from Ex. P3 it would appear that the workman had the training in lower grade Nursing. It is equally pertinent to note that under the Wage Board recommendations there is nothing specific like a Male Nurse or a Female Nurse. The only grade is that of Senior Trained Nurse or Junior Trained Nurse and Compounder qualified and Compounder unqualified. For a Senior Trained Nurse the grade is Rs. 245—440, and for the Junior Trained Nurse the grade is Rs. 205—337. For a Compounder qualified the grade is Rs. 205—337 and for a Compounder unqualified the grade is Rs. 180—273. In the light of Ex. R4 the workman was treated as only Compounder Incharge. In Ex. R2 he is however shown as a Compounder. Thus even by the year 1965 the workman was shown only as an Incharge Compounder. The Management would also come forward with the version that at Gouthampur Dispensary where this workman was functioning as a Compounder there was another Male Nurse upto 1970 in which year that Male Nurse expired. It is thus intended to show that the post of a Male Nurse was already held by one Bashir and subsequent to his death that post was unfilled. Though it is the evidence of R.W. 1 that the post of a Male Nurse and the post of a Compounder were not interchangeable, the emoluments drawn by the said Bashir and this workman were the same at Gouthampur Dispensary. It is also the evidence of P.W. 1 that he was in the grade of Rs. 75—134 preceding the implementation of the Wage Board recommendations. His further evidence is that two other Male Nurses who were in the same grade preceding the implementation of the Wage Board recommendations were given the grade of Rs. 245—440 consequent to the implementation of the recommendations. Those two persons are Maria Susy and Bashir Ahmed. The Management has not cross-examined the witness on this aspect to show that they were Senior Trained Male Nurse or that they had better qualification

than this workman. When Male Nurses of the same grade i.e. in the grade of Rs. 75—134 preceding the Wage Board recommendations were given the grade of Rs. 245—440 I do not see any reason as to why this workman should be deprived of that grade. It is true that admittedly the workman was doing the work of a Compounder for a few years preceding the implementation of the Wage Board recommendations. If this workman had the additional qualifications of a Compounder he need not suffer for that, when his initial appointment was that of a Male Nurse. Thus apart from Ex. R4 it is equally relevant to note as to how the designation of this workman stood noted in the Attendance Register of the Dispensary at Gouthampur or in the pay-sheets. In Ex. P6 the Attendance Register, the workman is shown as Compounder in-charge in the month of January, 1966. In August 1968 he is shown as Compounder. In November 1968 his designation is omitted. It is necessary to recall that the Wage Board recommendations were implemented from the month of August, 1967. The pay-sheets marked Ex. R7 to R13 for the months of September, 1967, October, 1967, November, 1967, December, 1967, January 1968, February, 1968 and March, 1968 would disclose that the designation of this workman therein was shown as Male Nurse. As already noted above the fact that he was entrusted with the work of Compounding in view of his additional qualifications cannot be held to work against him. Similarly the absence of a post at Gouthampur Dispensary in view of another man being posted there cannot be held to lead to an inference that the workman was only a Compounder. If in view of his appointment as a Male Nurse the Management has not chosen for one reason or other to take the work of a Male Nurse from the workman, it is the Management which has to be blamed, and the workman need not suffer for that. In view of the evidence of R.W. 1 as already noted above, the emoluments drawn by a Male Nurse and the workman as Compounder were the same. Presumably it is for this reason when the workman was posted as Incharge Compounder he could not raise any objection or protest. So long his appointment was that of a Male Nurse and he was being shown in some places as Male Nurse (as in the pay-sheets), there was no duty cast upon the workman to raise any protest. It is true that he was trained as Lower Grade Male Nurse but in the absence of any distinction either alleged or proved by the Management that only Senior Grade Trained Male Nurses were given the grade of Rs. 245—440, consequent to the implementation of the Wage Board recommendations, I hold that this workman is also entitled to that grade and he need not be classified as a Compounder for the purpose of the grade to be given consequent to the implementation. I would however advert to the question whether there was a change in the condition of service by redesignating the workman as a Compounder, at a later stage. On merits I hold that in view of his appointment as a Male Nurse without any distinction either as a Senior Trained Nurse or Junior Trained Nurse, and in view of his additional qualifications as a Compounder, and on a par with the other two Male Nurses, holding the same grade of Rs. 75—134 prior to Wage Board recommendations who were given the grade of Rs. 245—440 admittedly, this workman is also entitled to the grade of Rs. 245—440 as against the present attempt of the Management to treat him as a qualified Compounder only and thus place him in the grade of Rs. 205—337.

7. With regard to Mrs. Pramanandam, her appointment was in the year 1965 as Mid-wife as per Ex. P10(a). The case of the Management is that she has been posted at Gouthampur Dispensary where no work of midwifery is to be done, and that she attends to pre-natal cases. It is also the case of the Management that she is only a lower grade Trained Nurse. It is however admitted by her that at Gouthampur Dispensary no cases of confinements are entertained and that she only attends to pre-natal cases. In this dispensary in the Attendance Register as per Ex. P6 her designation in the month of January 1966 is shown as Midwife. In the month of August, 1968 she is again shown as Midwife. Similarly in the month of November, 1968 (all in Ex. P6) she is shown as Midwife. In the pay-sheets Ex. P7 to P13 she is however shown as a Nurse. It might be that inspite of the appointment as Midwife no midwifery work was taken from her. But it cannot be said that she was not a qualified Midwife. It is also seen from Ex. P14 that she had one year training in Mid-wifery and passed the theoretical and practical examinations. It is true that as a Nurse she was trained in Telugu

vernacular. It is however her admission that that she had training in lower grade. But the question is not whether she is a Senior Trained Nurse or Junior Trained Nurse. Under the Wage Board recommendations a qualified Mid-wife is given the grade of Rs. 245—440. Her grievance is that at the time of the implementation of the Wage Board recommendations her designation is being changed from that of a Midwife to a Junior Trained Nurse. It can be seen that under the Wage Board recommendations a Junior Trained Nurse is only given the grade of Rs. 205—337. Her claim rests on the ground that she, as qualified Midwife is entitled to the grade of Rs. 245—440. It cannot also be said that she is not a qualified Mid-wife. The evidence of R. W. 1 is equally important in this context. Though he would put it at one stage that the qualification of a Midwife is three years training and six months training in Mid-wifery, it is conceded by him that the person having six months training in Mid-wifery would qualify himself or herself to that post. In the Attendance Register as noted above her designation is shown as a Mid-wife. Her appointment initially was that of a Mid-wife. It is true that at the place, where she was posted she had no work of Mid-wifery but was performing the duties of a general Nurse. In view of her appointment and also the designation under which she has come to be shown in the Attendance Register it must be deemed that the post held by her was that of a Mid-wife regardless of the nature of work turned out by her. Here again I may point out that in view of her qualifications as a Mid-wife which is not disputed there is no reason as to why the said workwoman should suffer if the Management has not chosen to take proper work from her. Regardless of her qualification with regard to Nursing which is admittedly a lower grade one, her claim on the ground of appointment as a Mid-wife and as a qualified Mid-wife, to the present grade of Rs. 245—440 must be held to be justified.

8. With regard to both the claimants the Management would refer to an earlier judgement of this Tribunal rendered in I.D. No. 20 of 1972. The facts of that case were entirely different. The workman was redesignated as an Assistant Draughtsman while implementing the recommendations of the Wage Board. The facts of that case have no application to the present case.

9. The contention of the Management however was that by re-designating Mr. Pramanandam as Compounder and Mrs. Pramanandam as Junior Trained Nurse for the purpose of giving the grade as per the Wage Board recommendations, there is no alteration of conditions of their service during the pendency of I.D. No. 30 of 1967. If the alteration of the designations had no monetary implications in the sense that the wages of workmen are not affected, it can certainly be said that there was no alteration of their conditions of service. But under Section 9(A) the employer is bound to give a notice in the manner and with the time prescribed therein if the wages of a workmen are affected. Under Schedule 4 Item I if any change in the conditions of service with regard to wages is affected, a notice is required to be given. If the re-designation of the workman was innocuous and did not involve their wages, the Management is certainly within its bounds to have either the classification of the grade or rationalisation or re-organisation of its business. It is true that in the industrial dispute itself, these workmen have put forward their claims to the grade of Rs. 245—440. They also made a representation to that effect Management as per Ex. P2. It cannot be disputed that by designating Mr. Pramanandam as a Compounder and Mrs. Pramanandam as Junior Trained Nurse their wages are bound to be affected, in the circumstances stated above. There is thus a contravention of Section 9 and alteration of conditions of service to the prejudice of the workmen by re-designating them during the pendency of the industrial dispute. The result of the above discussion is that the Management was not competent to change their designations at a time when the Wage Board recommendations were to be implemented and by the re-designations the workmen were being affected with regard to their wages. I, therefore, hold that there was contravention of Section 33 by the Management and such a redesignation cannot be upheld. On the other hand it is held that Mr. Pramanandam, being a Male Nurse has to be redesignated as a Senior Trained Nurse for the purpose of the grade that is to be given under the Wage Board recommendations. Similarly Mrs. Parmanandam as a qualified Mid-wife is

entitled to the grade of Rs. 245—440 as per the Wage Board recommendations and her designation should be that of a qualified Mid-wife.

10. Award is thus passed with regard to these two workmen and as regards the other five workmen, award is passed holding that their claims are not pressed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 17th day of March, 1975.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined For the Petitioner :
P.W. 1 B. R. Parmanandam
P.W. 2 Mrs. Lucy Isreal
P.W. 3 Mrs. Padmaparmanandam

R.W. 1 Dr. T. Krishna Prasad

Documents Exhibited For Petitioner:

- Ex. P1 Copy of the Appointment Order dated 16-6-1954, of Sri B. Parmanandam as a Male Nurse.
- Ex. P2. Copy of the letter dated 8-5-1968 of General Secretary, Singareni Collieries Mazdoor Sangh, Kothagudem addressed to the General Manager, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem not to change the designations.
- Ex. P3. Copy of the certificate of Nursing issued by the Christian Medical Association of India (South Indian Branch) on 1-9-1948 to Sri B. Parmanandam.
- Ex. P4. Copy of the certificate of Registration (Nurse) issued by the Madras Nurses and Midwives Council on 25-3-1949 to Sri B. Parmanandam.
- Ex. P5. Copy of the certificate of Registration of Nurses, Midwives and Health Visitors issued by the Medical and Health Services, Hyderabad, on 8-3-1952 to Sri B. R. Parmanandam.
- Ex. P6. Copy of the testimonial dated 30-12-1961 of Dr. T. C. Ramchandani, Chief Surgeon and Medical Officer, Singareni Collieries, Company Limited, Kothagudem to Sri B. Parmanandam.
- Ex. P7. Copy of the communication dated 13-4-1960 made by Sister Deliphina to Sri Parmanandam that Sister Ruth has requested him not to come on night duty tonight but to go to Ramavaram tomorrow.
- Ex. P8. Copy of the Certificate dated 5-6-1958 of Nurse Training issued by the Secretary, Board of Examination, Hyderabad to Lucy Isreal.
- Ex. P9. Copy of the testimonial given by illegible to Lucy Isreal on 12-1-1962.
- Ex. P10. Copy of the Appointment Order dated 18-11-1965 of Smt. B. R. Padmaparamanandam as midwife.
- Ex. P10(a). Original Appointment Order dated 18-11-1965 of Smt. B. R. Padmaparamanandam as midwife.
- Ex. P11. Copy of the confirmation Order dated 7-1-1967 of Smt. B. R. Padmaparmanandam as midwife.
- Ex. P11(a) Original confirmation Order dated 7-1-1967 of Smt. B. R. Padmaparamanandam as midwife.
- Ex. P12. Representation dated 6-5-1968 of Sri B. R. Parmanandam, and Smt. B. R. Padmaparmanandam addressed to the General Manager, Singareni Collieries Company Ltd., Kothagudem.
- Ex. P13. Copy of the certificate of Registration of Nurses, Midwives & Health visitors dated 11-5-1965

issued by the President, Hyderabad Nurses, Mid-Wives & Health Visitors Council to Undinti Padma.

- Ex. P14. Copy of the Midwifery certificate issued by the Church of South India Hospital, Medak Diocese to Undinti Padma that she has undergone a course of One Year Training in Midwifery in Duddaon Hospital from June, 1950 to June 1951.
- Ex. P15. Copy of the certificate of Registration of Nurses, Midwives & Health visitors issued by the Hyderabad Nurses, Midwives & Health Visitors Council to Padma Parmanandam.
- Ex. P16. Copy of the Certificate of Registration (Nurse) issued by the Madras Nurses and Midwives Council on 9-4-1951 to Undinti Padma Bai as trained in Telugu.
- Ex. P17. Copy of the certificate of Nursing dated 15-7-1950 issued by the The Christian Medical Association of India (South India Branch) to Smt. Undinti Padma.

Documents Exhibited for Respondent:

- Ex. R1 Copy of the Office Order dated 17/19-8-1963 that Sri G. Bhushaish to proceed Mandamari and relieve Shri Parmanandam to report Ramavaram dispensary.
- Ex. R2 Copy of the Office Order dated 16/17-12-1965 that Sri B. R. Parmanandam Compounder to take charge of all furniture and fittings of No. 9 Incline Dispensary.
- Ex. R3 Letter of the Medical Officer, Ramagundam Division dated 9/12-9-1963 addressed to the Chief Surgeon and Medical Officer, Kothagudem, that Sri Parmanandam joined duty on 5-9-1963 and Sri Samuel Comopunder proceeded on privilege leave from 8-9-1963 to 7-10-1963.
- Ex. R4 Letter dated 2-12-1965 of Chief Surgeon and Medical Officer, Kothagudem, addressed to Sri Parmanandam that he has allotted 'C' type quarter No. 371.
- Ex. R5 Officer Order of Chief Surgeon and Medical Officer, Kothagudem, that Sri B. R. Parmanandam Compounder will take charge of all furniture and fittings of No. 9 Incline Dispensary.
- Ex. R6 Muster Book of 9 Incline Dispensary from January, 1966 to January, 1972.
- Ex. R7 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of September, 1967.
- Ex. R8 Pay sheet for the monthly paid staff for the month of October, 1967.
- Ex. R9 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of November, 1967.
- Ex. R10 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of December, 1967.
- Ex. R11 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of January, 1968.
- Ex. R12 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of February, 1968.
- Ex. R13 Pay Sheet for the monthly paid staff for the month of March, 1968.
- Ex. R14 Pay Sheet for monthly paid staff as per Supplementary Wage Board arrears for the period from 15-8-1967 to 30-4-1968.

[No. L-21025/1/75/D.O.3B.]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

आवेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

का० प्रा० 1449.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की अमलाबाद कोलियरी, डाकघर भीरा जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या, 1 धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की अमलाबाद कोलियरी डाकघर भीरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की, श्री दलबीर सिंह, खन्धवि-दशक और श्री धर्मदेवसिंह, टिंडल को 3 अप्रैल, 1974 से उनकी सेवाओं से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं।

[संख्या एल०-20012/127/74-एल०-2/डी० 3-ए०]

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1975

S.O. 1449.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Amlabad Colliery Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Amlabad Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad, in dismissing Shri Dalbir Singh, Banksman and Shri Dharam Deo Singh, Tyndal, from their service with effect from 3rd April, 1974 is justified? If not to what relief are the concerned workmen entitled?

[No. L-20012/127/74/LRII/D.IIIA]

आवेश

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1450.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स कोल माइन्स

अथॉरिटी लिमिटेड की बाजना उप क्षेत्र संख्या 6, डाकघर निसाचट्टी, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड के बाजना उप क्षेत्र संख्या 6, डाकघर निसाचट्टी, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की, बाजना उप क्षेत्र कार्यालय के सर्वश्री जीवन किशोर मजूमदार और श्यामलाल कुमार राय, साधारण लिपिकों को 25-2-1974 से काम से रोकने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल०-20012/132/74-एल०-2/डी० 3 ए०]

New Delhi, the 2nd April, 1975

ORDER

S.O. 1450.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Badjna Sub Area number VI of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Badjna Sub Area Number, VI of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad, are justified in stepping the work of Sarva Shri Jiwan Krishna Mazumdar and Shyamal Kumar Roy, General Clerks, Badjna Sub Area Office with effect from 25-2-1974? If not, to what relief the said workmen are entitled?

[No. L-20012/132/74-LRII/D.IIIA.]

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1451.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की ईस्ट बास्तुरिया कोलियरी, डाकघर बसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 1, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

म्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की ईस्ट बासुरिया कोलियरी, डाकघर बंसजोरा, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र की सर्वश्री बैजू साधो, स्प्रै मजदूर, राजकुमार और रूपलाल राजक प्रोप मजदूरों को 18-5-73 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित थी? यदि नहीं तो कर्म-कार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल-2012/147/74-एल०आर० 2/डी-3ए]

New Delhi, the 4th April, 1975

S.O. 1451.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Bassuriya Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Banskjora, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of East Bassuriya Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Banskjora, District Dhanbad, were justified in stopping Sarva Shri Baiju Sao, Spray Mazdoor, Raj Kumar and Ruplal Rajak, Prop Mazdoors from work with effect from 18-5-73? If not to what relief are the workmen entitled?

[No. L-2012/147/74-LRII/DIIIA.]

का० प्रा० 1452.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की मुडिडिह कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबंध-तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ?

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 2, धनबाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

म्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की मुडिडिह कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र की श्री सत्य शान्ति प्रकाश शेल संचालक को 6-7-1974 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-20012/145/74-एल०आर०-2/डी-3ए]

S.O. 1452.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Mudidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2 Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Mudidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, in stopping from work Shri Satya Shanti Prakash, Shale Picker, with effect from 6-7-1974, is justified? If not, to what relief are the concerned workman entitled?

[No. L-20012/145/74-LRII/DIIIA]

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1453.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की खरखरी कोलियरी, डाकघर खरखरी, जिला धनबाद के प्रबंध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की खरखरी कोलियारी के प्रबंधन का इस उपाबंध में उल्लिखित कर्मचारों, जो, खनिकों/भारकों के रूप में, कार्य करने के लिए कहना न्यायोचित था? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किम अनुतोष के धोर किस तारीख से हकवार हैं?

उपाबंध

क्र.सं०	कर्मकार का नाम	इस समय काम
1	2	3
1.	श्री घुर्बिगन राम	रात्रि रक्षक
2.	" जियुत महतो	ट्रैमर
3.	" गणेश महतो	मशीन मजदूर
4.	" किशन महतो	ट्रैमर
5.	" राम प्रसाद मल्लाह	यथोक्त
6.	" रामायण महतो	यथोक्त
7.	" चिखुरी कुम्हार	यथोक्त
8.	" त्रिभुवन राजभार	यथोक्त
9.	" लखन कुम्हार	यथोक्त
10.	" रामसरण हरिजन	यथोक्त
11.	" सोचु भगत	यथोक्त
12.	" स्वार्थ हरिजन	यथोक्त
13.	" सोतम हरिजन	यथोक्त
14.	" द्वारका यादव	टिगर खालासी
15.	" जलिल मियां	रात्रि रक्षक
16.	" समर कुम्हार	लाईन मजदूर
17.	" राम जनम कुमार	टंडेल
18.	" रामबली कुम्हार	यथोक्त
19.	" राजबली कुम्हार	टंडेल
20.	" रामायण कुम्हार	यथोक्त
21.	" नखरु कुम्हार	यथोक्त
22.	" रामबधान कुमार	यथोक्त
23.	" जफर मियां	यथोक्त
24.	" अमन सेख	यथोक्त
25.	" खलिल मियां	यथोक्त
26.	" रसिद मियां	फिटर सहायक
27.	" नूर अलम मियां	टंडेल
28.	" तारु बाजरी	टेक सहायक
29.	" मुस्लिम मियां	ट्रैमर
30.	" नूर मोहम्मद	ट्रैमर
31.	" हबिल मियां	टंडेल
32.	" हरू बाजरी	टंडेल पर्यवेक्षक
33.	" मुखलाल रेबानी	टंडेल
34.	" सिधु बाजरी	यथोक्त
35.	" जुधाली मियां	बिजली सहायक
36.	" अमीन मियां	ट्रैमर
37.	" त्रिभुवन दूवे	यथोक्त
38.	" बुताली दुसाध	यथोक्त
39.	" बतार्ई दुसाध	यथोक्त
40.	" एच०डी० सरकार	लैम्प सहायक
41.	" बासदेव हरिजन	हार्ड कोक फायरमैन
42.	" पनबाबू मियां	हकमैन

1	2	3
43.	" ग्रहण महतो	हकमैन
44.	" गोविन्द सिंह	सैलिक
45.	" कुबेर हरिजन	टेक सहायक
46.	" भिखु महतो	यथोक्त
47.	" अमलु मल्लाह	रात्रि-रक्षक
48.	" कैलास कुर्मी	यथोक्त
49.	" जुमराती	यथोक्त
50.	" अनिल गोप	हार्ड कोक
51.	" श्री मेकु मण्डल	रात्रि रक्षक

[सं०एल०-20012/134/74-एल०भार०-2/डी० 3 ए]

एल०के० नारायणन, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 5th April, 1975

S. O. 1453.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad, was justified in asking the workmen mentioned in the Annexure hereto to work as Miner/Leader? If not to what relief are the said workmen entitled and from what date?

ANNEXURE

S. No.	Name of the workman	Present work
1	2	3
1.	Sri Ghurbigan Ram	Night Guard
2.	Sri Jiut Mahato	Trammer
3.	Sri Ganesh Mahato	Machine Mazdoor
4.	Sri Kishun Mahato	Trammer
5.	Sri Ramprasad Mallah	-do.-
7.	Sri Ramayan Mahato	-do.-
7.	Sri Chikhuri Kumhar	-do.-
8.	Sri Tribhuban Rajbhar	-do.-
9.	Sri Lakhun Kumhar	-do.-
10.	Sri Ramsaran Harijan	-do.-
11.	Sri Sochu Bhagat	Trammer
12.	Sri Swarath Harijan	-do.-
13.	Sri Sotam Harijan	-do.-
14.	Sri Dwarka Yadav	Tigar Khalasi
15.	Sri Jalil Mian	Night Guard
16.	Sri Samaru Kumhar	Line Mazdoor
17.	Sri Ramjanam Kumar	Tandel

Sl. N	Name of the workman	Present work
18.	Sri Rambali Kumhar	Tandel
19.	Sri Rajbali Kumhar	-do.-
20.	Sri Ramayan Kumhar	-do.-
21.	Sri Nakhru Kumhar	-do.-
22.	Sri Rambadhan Kumar	-do.-
23.	Sri Zafar Mian	-do.-
24.	Sri Aman Sekh	-do.-
25.	Sri Khalil Mian	-do.-
26.	Sri Rasid Mian	Fitter Helper
27.	Sri Noor Alam Mian	Tandel
28.	Sri Taru Bauri	Prop Helper
29.	Sri Muslim Mian	Trammer
30.	Sri Noor Md.	Trammer
31.	Sri Habil Mian	Tandel
32.	Sri Hari Bauri	Tandel Supervisor
33.	Sri Mukhlal Rewani	Tandel
34.	Sri Sibhu Bauri	-do.-
35.	Sri Jumrali Mian	Elec. Helper
36.	Sri Amin Mian	Trammer
37.	Sri Tribhuban Dubey	-do.-
38.	Sri Butali Busadh	-do.-
39.	Sri Batai Dusad	-do.-
40.	Sri H. D. Sarkar	Lamp Helper
41.	Sri Basdeo Harijan	Hard Coke Fireman
42.	Sri Panbabu Mian	Hukman
43.	Sri Arun Mahate	-do.-
44.	Sri Gobind Singh	Oilman
45.	Sri Kuber Harijan	Prop Helper
46.	Sri Bhikhu Mahato	-do.-
47.	Sri Aklu Mallah	Night Guard
48.	Sri Kailass Kurmi	-do.-
49.	Sri Jumrati	-do.-
50.	Sri Anil Gope	Hard Coke
51.	Sri Meku Mandal	Night Guard.

[No. L-20012/134/74-LR/II/D/IIA.]

L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1975

का० प्रा० 1454.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाय्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कलकत्ता पत्तन आयुक्त, कलकत्ता के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद के उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

1. क्या कलकत्ता पत्तन आयुक्तों द्वारा पूल पद्धति के अधीन नियोजित छीलन, रंग रोगन और बायलर सफाई कर्मचारी बर्हिदा

पाने के हकदार हैं ? यदि हां, तो किस प्रकार की और किस तारीख से ?

2. क्या कलकत्ता पत्तन आयुक्तों द्वारा पूल पद्धति के अधीन नियोजित छीलन, रंग रोगन और बायलर सफाई कर्मचारियों की, कचरा भत्ते और गियर भत्ते में वृद्धि की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो किस दर से और किस तारीख से ?

[संख्या एल-32011/13/74-पी०एंडडी०/सी०एम०टी०/डी०-4(ए०)]

नव्य लाल, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 29th March, 1975

S.O. 1454.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section A of the said Act.

SCHEDULE

1. Whether Chipping, Painting and Boiler Cleaning Workers employed by the Calcutta Port Commissioners under pool system are entitled to uniforms? If so, of what kind and from what date ?
2. Whether the demand of Kachra allowance and increase in gear allowance of Chipping, Painting and Boiler cleaning workers employed by Calcutta Port Commissioners under pool system is justified ? If so, at what rate and from what date ?

[No. L-32011/13/74-P&D/CMT/D-IV(A)]

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1455.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाय्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कलकत्ता पत्तन आयुक्त कलकत्ता से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या कलकत्ता पत्तन आयुक्तों के प्रबन्धतन्त्र की, श्री पातेई कुर्मी प्रकुशल मजदूर (टोकन संख्या 207) की, जो मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के विभाग के अधीन समुद्री फोरमैन के अनुभाग से

संलग्न है, 31-3-72 से 5-7-73 तक की अवधि के लिये मजदूरी का संदाय करने को कार्रवाई न्यायोचित थी ? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल०-320 12/2/75-डी०-4(ए)]

ORDER

New Delhi, the 5th April, 1975

S.O. 1455.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Calcutta Port Commissioners in not paying wages to Shri Patali Kurmi, unskilled labour (TK No. 207), attached to Marine Foreman's section under Chief Mechanical Engineer's Department for the period from 31-3-72 to 5-7-73 was justified ? If not, to what relief is he entitled ?

[No. L-32012/2/75-D-IV(A)]

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1975

का०आ० 1456—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कलकत्ता पत्तन आयुक्तों के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या कलकत्ता पत्तन आयुक्तों के प्रबन्धतंत्र की, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के विभाग के अंतर्गत पेटर्न एण्ड फाउन्ड्री शाँप में नियुक्त श्री बृज मोहन अहीर मिस्त्री, टी० के० संख्या पी०एफ०/88, को 23-12-1973 से 16-5-1974 तक की अवधि के लिए मजदूरी का भुगतान न करने की कार्रवाई न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या-एल-32012/3/75-डी०-4(ए)]

New Delhi, the 8th April, 1975

S.O. 1456.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Calcutta Port Commissioners in not paying wages to Shri Briz Mohan Ahir, Mason, T. K. No. PF/88, attached to Pattern and Foundry Shop under Chief Mechanical Engineer's Department for the period from 23-12-1973 to 16-5-1974 was justified? If not, to what relief is he entitled ?

[No. L-32012/3/75-D-IV(A)]

New Delhi, the 30th April, 1975

S.O. 1457.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2, and their workmen which was received by the Central Government on the 26th April, 1975.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A.,B.L.,

PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS,

(Constituted by the Central Government)

Industrial Dispute No 10 of 1974

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of M/s D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2.)

BETWEEN

The Secretary Cochin Dock Employees' Association, Door No. VI/71 Calvethy, Cochin-1.

AND

M/s. D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents
P. B. No. 218, Cochin-2.

REFERENCE

Order No. L. 35012/3/73-P&D, dated 27th February 1974 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 4th day of April, 1975 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Damodara Kurup, Advocate appearing for the Union and of Thiru A. L. Somayaji, Advocate for Thiruvallargal B. R. Dolia, G. Venkataraman and R. Jamal Nazem, Advocates appearing for the management and this dispute having stood over till this day for consideration this Tribunal made the following award.

AWARD

This is an industrial dispute between the management of Messrs. D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2 and their workmen referred to by the Government of India for adjudication of the following issue.

2. The issue is:—

“Whether Messrs D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin are justified in denying bonus for the years 1970-71, 1971-72 and 1972-73 to Shri Kesava Iyer, Piece-rated employee? If not, to what relief is Shri Kesava Iyer entitled?”

3. The General Secretary of the Cochin Dock Employee's Association has filed a claim statement alleging that Sri Kesava Iyer is employed as Shipment Tally Clerk under M/s. D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2 and he is a member of the Association and there were two prior settlements dated 22-5-1971 and 14-9-1973 relating to the demands of the workmen between the Customs Clearing Agents Association and Cochin Dock Employees Association and M/s. D. B. Khona is a member of the Customs Clearing Agents Association. The further allegation is that Sri Kesava Iyer is entitled to bonus under the Bonus Act and that his claims for the years 1970-71, 1971-72 and 1972-73 has to be allowed at the rate of 20 per cent.

4. The respondent management has filed a counter statement contending that Mr. Kesava Iyer is not employed by M/s. D. B. Khona as a tally clerk; that whenever M/s. D. B. Khona have got shipment in their Clearing and Forwarding Department, Mr. Kesava Iyer was entrusted with the tallying of shipment packages on a contractual arrangement that he would be doing the same either personally or through other persons of his choice and that the agreed amount calculated on the basis of the packages shipped will be paid to him. The next contention is that Mr. Kesava Iyer used to attend to other steamer agents/owners work as supervisor in addition to the work entrusted by M/s. D. B. Khona as a contractor in his capacity. The next contention is that Sri Kesava Iyer also worked as Supervisor in M/s. D. B. Khona's Agency vessels as well and that was simultaneous to his attending to shipment tally work entrusted. Thus the management contends that so far as tallying is concerned, Mr. Kesava Iyer is not entitled to any bonus payment as claimed by the Union. Mr. Kesava Iyer has registered himself as a member of the Pool of steamer supervisors and that the Cochin Dock Labour Board is effecting payment of wages, bonus and other benefits to all supervisors in the Pool. Mr. Kesava Iyer is not one of the employees of M/s. D. B. Khona and his name will not be found in the muster roll and Mr. Kesava Iyer was not paid any bonus for the shipment tally work because he is not an employee as defined in the Bonus Act, as far as tallying work is concerned. The respondent also contends that the two settlements dated 22-5-1971 and 14-9-1973 will not confer Mr. Kesava Iyer any right to claim bonus because those settlements were confined to the enhancement in the quantum of remuneration to the members of the Cochin Dock Employees' Association and the bonus question regarding Mr. Kesava Iyer was not at all a subject matter in those settlements.

5. Issue :

At the commencement of the enquiry of this case, the learned counsel for the management raised a preliminary objection, namely, that the reference itself is not valid, because no industrial dispute existed at the time of the reference of this subject to this Tribunal. The learned counsel for the management argued that it is true that Mr. Kesava Iyer was attending to the shipment tally work of M/s. D. B. Khona agency only on a contractual basis and there was no direct relationship of employer and employee and that his dispute has not been sponsored either by the union or by a substantial majority of the workmen. In reply to this argument, the petitioner Association examined Thiru B. J. Fernandez, W.W.1, the General Secretary of the Cochin Dock Employees Association to establish the fact that the dispute was sponsored by the Union. The evidence of W.W.1 discloses that the shipment tally clerks working under the various employers are members of the Association and that Thiru Kesava Iyer was the only dock employee employed in M/s. D. B. Khona Agency and that Thiru Kesava Iyer is a member of the Dock

Employees' Association. He also filed Ex. W-12, the minutes book maintained by the Dock Employees' Association to show that there was a resolution dated 29-6-1973 authorising the union to take up the cause of the workman Thiru Kesava Iyer. The ruling reported in 1961-I.L.L.—page 668 (Workmen of Dharampal Premchand (Saughandhi) Vs. Dharampal Premchand (Saughandhi)) shows that it is necessary that the dispute should have been taken up by the Union to which the employee belongs or by a number of employees. The evidence in this case clearly shows that Thiru Kesava Iyer is a member of the Dock Employees Association and this dispute has been sponsored by the Dock Employees Association. So it cannot be said that no industrial dispute existed at the time of the reference for adjudication by this Tribunal. The preliminary objection raised by the management is not upheld.

6. Now coming to the case on merits, I will discuss the evidence in this case to find out whether Thiru Kesava Iyer is entitled to bonus for the three years in question. Thiru B. J. Fernandez, W.W. 1 filed Ex. W-8 dated 22-5-1971 and Ex. W-9 dated 14-9-1973 to show that there were two earlier settlements between the Dock Employees' Association and the Customs Clearing Agents Association, of which M/s. D. B. Khona is a member of the Customs Clearing Agents Association. These two settlements entered into under the original of Exs. W-8 and W-9 do not refer to any bonus dispute relating to Thiru Kesava Iyer, but on the other hand it relates to the quantum of remuneration paid to the members of the Cochin Dock Employees' Association. So those two settlements have no bearing on the question of bonus claimed in this case.

7. Thiru V. Kesava Iyer, W.W.2 has deposed that he is employed as a Shipment Tally Clerk in M/s. D. B. Khona for the last 14 or 15 years and that he is paid on piece rate basis at the rate of Rs. 150 p. per 100 packets plus 40 per cent under the settlement Ex. W-9 and that he has not been paid bonus for the three years claimed in the claim statement. The endeavour on the part of the management was to show that Mr. Kesava Iyer is not an employee under M/s. D. B. Khona Agency, but he was only attending to the shipment tally work as a contractor. Mr. Kesava Iyer, W.W.1 has admitted in the course of the cross-examination to the effect that there is a muster register for all the employees of M/s. D. B. Khona Agency and that his name will not be found and in the muster roll maintained by the respondent-company; that he has not signed in the acquittance register maintained by the respondent for the disbursement of salary to its employees and that he has not sent any leave application if he wanted to go on leave. The above circumstances clearly shows that there is no relationship of employer and employee between M/s. D. B. Khona and Mr. Kesava Iyer. The next circumstance that was relied upon by the management to show that Thiru V. Kesava Iyer was doing the work only as a contractor and not as a direct employee to this: Ex. M-1, dated 14-5-1974 is the letter written by Mr. V. Kesava Iyer to M/s. Devshi Bhanji Khona, Cochin-2. That letter reads that the amounts received by him are regularly paid to the persons who attend the work as such and so there is no justification in debiting the whole amount in his favour calculating as his income for the purpose of payment of income-tax. The management was deducting 2 per cent on the bills under the income-tax rules for the payments made to the persons who did the work for M/s. Devshi Bhanji Khona including shipment tally work.

When it was so deducted by the respondent M/s. D. B. Khona, Thiru V. Kesava Iyer has stated in Ex-M-1 that though the payments were made to him in his name, he used to pay some amount to the persons engaged by him. Thus, this document Ex. M-1 conclusively establishes the case of the respondent-management, namely, that Sri V. Kesava Iyer was attending to the shipment tally work only on a contractual basis and not as the employee under M/s. D. B. Khona.

8. Ex. M-2 to M-7 are the various files of bills given by him to the respondent-company and other companies. These things show that he was working not only for M/s. D. B. Khona Agency, but also for other Companies such as Indo Ceylon Trading Co., who are the agents for M. N.T.C. Ltd., Cochin and for the United Corporation, Cochin. Further Ex. M-8 series show that he was paid bonus, only in his Supervisor and not as shipment tally clerk. Further he has admitted in the course of the evidence, that if there were two ships awaiting loading, he will depute somebody else to attend

to the work of loading cargo in any one ship. Thus this circumstances also clearly shows that he could not have been directly employed under M/s. D. B. Khona Agency. Further there is also a categorical admission by him to the effect that he will collect the bills from the respondent as if he worked for the respondent and then pay the same to the persons engaged by him. His evidence also discloses that no order of appointment was issued to him by the respondent company and that he would not be paid remuneration for holidays and that there was no provident fund deduction from his salary. If really, he was an employee, there would be Provident Fund account in his name or payment of salary including for the holidays. But that has not been done in the case of Sri V. Kesava Iyer. This is also a strong circumstance for coming to the conclusion that he is not an employee under the respondent management.

9. The Dock Employees Association filed certain documents. But none of those documents are helpful for establishing the fact that he was a direct employee under M/s. D. B. Khona Agency. Ex. W-2 is only a letter of authorisation given by M/s. D. B. Khona to the Port authorities to permit Sri Kesava Iyer to attend their shipment at Mattencherry Wharf and Ernakulam Wharf. If he was really an employee there would be a photo pass issued by the Port authorities showing that he was an employee under M/s. D. B. Khona authorising to enter the Wharf. In the absence of any photo pass issued by the Port authorities recognising him as the shipment tally clerk of the respondent company, this mere authorisation as seen in Ex-W-2 cannot conclusively establish that he was an employee of the Respondent. Ex. W-2 is only a request to the Port authorities to permit Sri Kesava Iyer to attend to the shipment tally work. The various circumstances referred to above clearly show that Sri V. Kesava Iyer was working only as an independent contractor for M/s. D. B. Khona and there was no relationship of employer and employee between them. Under those circumstances, Thiru V. Kesava Iyer is not entitled to claim any bonus from M/s. D. B. Khona or any other relief.

10. In the result, an award is passed negating the claim of Sri V. Kesava Iyer for claim of bonus for the period claimed in the claim statement. There will be no order as to costs.

Dated, this 10th day of April, 1975.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESS EXAMINED

For worker

W.W.1—Thiru B. J. Fernandez.

W.W.2—Thiru V. Kesava Iyer.

For Management

M.W.1—Thiru Kuttappan Menon.

DOCUMENTS MARKED

For worker

Ex. W-1/17-5-1967—Letter from the management to W.W.2 regarding extra copies of shipment bills.

Ex. W-2/22-7-1970—Letter of authorisation given by the management to attend shipment at Mattencherry Wharf.

Ex. W-3/16-10-1967—Letter from the management to W.W.2 regarding shipment by S. S. Demian Bedney.

Ex. W-4/24-10-1967—Reply to Ex. W-3 by W.W.2.

Ex. W-5/25-4-1968—Letter addressed to W.W.2 by the management regarding consignments of cashews.

Ex. W-6/12-11—Slip for arrangement to attend shipment.

Ex. W-7/24-12-1973—Letter addressed to W.W.2 by the management for proper vigil and attention in the shipment and tally work.

Ex. W-8/22-5-1971—Memorandum of settlement under Section 12(3) of the I.D. Act, 1947 between the

Clearing and Forwarding Agents of Cochin and their shipment Tally Clerks.

Ex. W-9/14-9-1973—Memorandum of settlement between the Union and the Tally Clerks Association and the Customs Clearing Agents Association.

Ex. W-10/21-3-1974—Warning letter issued by the management to W.W.2.

Ex. W-11/2-7-1973—Letter addressed to the management by the Union regarding bonus for the years 1970-71 1971-72 and 1972-73.

Ex. W-12—Minutes Book of the Union.
For management

Ex. M-1/14-5-1974—Letter addressed to the management by W.W.2 regarding income of the individual.

Ex. M-2/—Wage bill dated 19-4-1972 from W.W.2 and the stamped receipt of Rs. 711.22 received by W.W.2.

Ex. M-3—Wage bill dated 30-5-1972 from W.W.2 and the stamped receipt for Rs. 143.64 received by W.W.2.

Ex. M-4—Wage bill dated 2-6-72 from W.W.2 and the stamped receipt for Rs. 455.81 received by W.W.2.

Ex. M-5—Wage bill dated 17-5-1972 from W.W.2 and the stamped receipt for Rs. 357.62 received by W.W.2.

Ex. M-6—Stamped receipts passed by W.W.2 from the United Corporation, Cochin and wage bills.

Ex. M-7—Wage bill and stamped receipts from W.W.2.

Ex. M-8 series—Two receipts for wages and bonus and two statements showing wages earned by Kesava Iyer.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

[No. 1-35012/3/73-P&D/D-IV(A)]

New Delhi, the 2nd May, 1975

S.O. 1458.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs M. Bhasker Kini and Company, Clearing, Shipping and Forwarding Agents, Cochin and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th April, 1975.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Thursday, the 10th day of April, 1975

Industrial Dispute No. 21 of 1974

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of M/s. M. Bhasker Kini and Company, Cochin-2)

BETWEEN

The workmen represented by

The Secretary, Cochin Dock Employees' Association, Door No. VI/71, Calvethy, Cochin-1.

AND

The Proprietor, M/s. M. Bhasker Kini and Company, Post No. 110, Cochin-2.

REFERENCE :

Order No. L-35012/2/73-P&D dated 27-5-1974 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 4th day of April, 1975 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Damodara Kurup, Advocate appearing for the union and of Thiru M. P. R. Nair, Advocate for the management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an industrial dispute between the management of Messrs M. Bhasker Kini and Company, Clearing, Shipping and Forwarding Agents, Cochin and their workmen referred to by the Government of India for adjudication of the following issue.

2. The issue is as follows :—

"Whether the action of Messrs M. Bhasker Kini and Company, Clearing, Shipping and Forwarding Agent, Cochin in denying employment to Sri P. R. Josey, Shipment Tally Clerk from the 27th May, 1973 is justified? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

3. The General Secretary of the Cochin Dock Employees' Association, Cochin has filed a claim statement alleging that Sri P. R. Josey was employed as a shipment Tally Clerk by the Management from 5-3-1969; that Thiru P. R. Josey was a full time employee of sufficiently long service and without issuing any show cause notice or paying any compensation or any gratuity, the management denied employment to him from 27-5-1973.

4. The respondent management has filed a counter statement contending that Sri P. R. Josey was not employed by the management as a Tally Clerk with effect from 5-3-1969; that the engagement of Tally Clerks including that of Sri P. R. Josey is of a contractual nature and that the services of Tally Clerk would automatically terminate on collection and delivery to his principal or principals of Mate's receipts. The next contention is that in the case of Sri P. R. Josey, his services have been utilised by several other shippers during the period he is alleged to have been under the employment of the respondent management. Further the Tally Clerks cannot be present at all the spots or vessels at any given time and so they make internal arrangements among themselves on a reciprocal basis as relieving clerks and that was the case with Sri P. R. Josey also. Finally it is contended that there was no denial of any employment of Sri P. R. Josey as alleged.

5. Issue :

Sri B. T. Fernandez, W.W. 1, the General Secretary of Cochin Dock Employees' Association was examined to show that Sri P. R. Josey was under the employment of the Respondent as a Shipment Tally Clerk from 1968 till 27-5-1973. In the course of the cross-examination, he stated that Ex. W-1 is the evidence showing that Sri P. R. Josey is the employee of the respondent company. Ex. W-1 is only a letter of authorisation issued by M/s. M. Bhasker Kini and Company in favour of Sri P. R. Josey. It reads that Ex. W-1 dated 7th July, 1971 was issued only for the purpose of identity, etc., to enable him to be the Tally Clerk on board the vessel "CLAN MACLEOD" and at the Docks. Ex. W-1 has been issued only for the limited purpose of acting as Tally Clerk on board the above vessel to deal with or handle and attend properly to the Port/Customs papers, forms, etc. Sri B. T. Fernandez, W.W. 1 was cross-examined to show that Ex. W-1 will not conclusively estab-

lish that he was the employee under the respondent management as shipment tally clerk. W.W. 1 has admitted that Wharf permits are there to show that Sri P. R. Josey was an employee under the respondent. But unfortunately that Wharf permit was not filed to show that Sri P. R. Josey was a direct employee under the respondent. It is common knowledge that Wharf permits are absolutely essential with photo to enter the Wharf and it would be issued by the Port authorities to enter the Wharf. If really Sri P. R. Josey had been the employee under M/s. Bhasker Kini & Company, the respondent-company would have definitely got for him the Wharf permit issued by the port authorities. The failure to file Wharf permit in favour of Sri P. R. Josey shows that for reasons best known to himself Sri P. R. Josey has not filed the Wharf permit to establish his case. W.W. 1 has admitted that Ex. W-1 is only the documentary evidence in his possession to show that the worker Sri P. R. Josey was an employee under the respondent. W.W. 1 does not conclusively establish that he was the Shipment Tally Clerk employed by M/s. Bhasker Kini & Company on a permanent basis.

6. Sri P. R. Josey, the claimant is W.W. 2. His evidence is that at the time of appointment he got only Ex. W-1. If there is direct relationship of employer and employee, there would be an order of appointment fixing the wages and other terms and conditions of service. But Ex. W-1 does not show the nature of the appointment as an employee under M/s. Bhasker Kini and Company on certain conditions which would be usually seen in the order of appointment. W.W. 1 himself has admitted that Ex. W-1 is the general authorisation given at the time of appointment and except Ex. W-1; there is no documentary evidence to show that he was paid wages by the respondent company. In the absence of any formal order of appointment and other documentary evidence such as mention of his name in the muster rolls and the payment of salary shown in the acquittance register, it is not safe to come to the conclusion that he was an employee under the respondent company.

7. But on the other hand, the respondent management examined Sri James Fernandez, M.W. 1. His evidence discloses that he is working even now as Tally Clerk in M/s. Bhasker Kini and Company; that he used to take the worker Sri P. R. Josey as Cooper to the Wharf for packing repacking cartoons and also for repairing the cartoons. M.W. 1 is very positive in his evidence that he did not employ Sri P. R. Josey as Tally Clerk, but he used to take him for attending the work and that he used to pay him for the work done by him in the Wharf to probalilise his evidence, he filed Ex. M-1 dated 27-7-1973 which is the letter written by him to the respondent company. Ex. M-1 shows that Sri P. R. Josey was claiming to be the Tally Clerk, superseding him and that was objected by Sri James Fernandez, M.W. 1. It is too much to say that Ex. M-1 was concocted to use it for some purpose. Further the evidence of M.W. 1 discloses that Sri P. R. Josey was an employee under the Pierce Lessly and Company and his services were terminated on 14th August, 1974 and there is a case pending relating to the termination of his services and that it related to his failure on his part in not returning the pass issued by the Pierce Lessly and Company authorising him to enter the Wharf. The evidence of M.W. 1 stands uncontradicted on this aspect. The probabilities of this case also show that Sri P. R. Josey was only working under Sri James Fernandez (i.e.) M.W. 1 as a Cooper and not a direct employee under the respondent management. The evidence of M.W. 1 struck me as natural and true and it is also consistent with the probabilities of this case.

8. Sri M. Bhasker Kini, M.W. 2 is the proprietor of the respondent company. He has denied the allegation that Sri P. R. Josey was an employee of his Company. His evidence discloses that the Shipment Tally Clerk for his Company is Sri James Fernandez, M.W. 1 and that the payments made by the Company to him will show that M.W. 1 was their shipment tally clerk. He filed Ex. M-4, M-5, M-6 and M-7, which are the receipts showing payments made to Sri James Fernandez for shipment tally work. Thus these documents, namely, Exs. M-4 to M-7 show that M.W. 1 alone was the Shipment Tally Clerk of the respondent company and not Sri P. R. Josey. It is the case of the respondent management that Ex. W-1 was issued to do a specific work by Sri P. R. Josey. On a reading of Ex. W-1 it is seen that it is only an authorisation to do work in that particular ship for the respondent and not a general authorisation. M.W. 2 has spoken about the fact that Sri P. R.

Josey voluntarily gave up the work and that he threw the document in the road stating that he was not his tally clerk and that he can go to James Fernandez (i.e.) M.W. 1. The evidence of M.W. 2, namely, that after that behaviour he collected the documents thrown on the road, show these things lead me to the conclusion that the evidence of M.W. 1 must be true. Thus the evidence of M.W. 2 clearly shows that Sri P. R. Josey was doing only the work as directed by Sri James Fernandez (i.e.) M.W. 1.

9. The learned counsel for the union argued that the photo pass given to P. R. Josey by the respondent management has been lost. But unfortunately this explanation was not forthcoming from the party (i.e.) Sri P. R. Josey. So it is highly unbelievable that he lost the photo pass alleged to have been given by the respondent management. If really it was so, nothing prevented Sri P. R. Josey from calling upon the management to produce the duplicate photo copy with the Port authorities alleged to have been given by the respondent management in favour of Sri P. R. Josey. The cumulative effect of the evidence let in this case show that there was no direct relationship of employer and employee between the respondent management and Sri P. R. Josey. I find this issue against the claimant.

10. In the result, an award is passed negating the claims of the petitioner-claimant. There will be no order as to costs.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Dated, this 10th day of April, 1975.

WITNESSES EXAMINED

For worker

W. W. 1—Thiru B. T. Fernandez.

W. W. 2—Thiru P. R. Josey.

For management:

M. W. 1—Thiru James Fernandez.

M. W. 2—Thiru M. Bhasker Kini.

DOCUMENTS MARKED

For worker

Ex. W-1/7-7- 1971 Letter of authorisation issued by M/s. M. Bhasker Kini and Company to Thiru P. R. Josey.

Ex. W-2/30-10-1973 Letter from the Asst. Labour Commissioner (Central) Ernakulam to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi regarding denial of employment to Thiru P. R. Josey.

For management

Ex. M-1/27-7-73 Letter addressed to M/s. M. Bhasker Kini & Co., by Mr. James Fernandez regarding joining of Thiru P. R. Josey.

Ex. M-2/12-6-1973 Letter to the Secretary, Cochin Dock Employees Association, Cochin-1 by the respondent management regarding denial of employment to Thiru P. R. Josey.

Ex. M-3/27-7-1973 Copy of Ex. M-1.

Ex. M-4-5-11-71 Stamped receipt passed by M. W. 1 for Rs. 61-68

Ex. M-5/12-11-71 -do.- -do.- for Rs. 36.53

Ex. M-6-9-12-71 -do.- -do.- for Rs. 89.48

Ex. M-7/18-12-68 -do.- -do.- for Rs. 23.48

[No. L-35012/2/73-P&D/DIV(A)]

NAND LAL Section Officer(Spl.).

आदेश

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1975

कां० 1459.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपाब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में टेलिकोम फैक्ट्री,

मुम्बई से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन स्थित औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या टेलिकोम फैक्ट्री, मुम्बई के प्रबन्धक श्री, श्री ए.एम.ए. कुरेशी, मोटर चालक को सेवा से हटाने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुसूची का हकदार है?

(संख्या एल-40011/1/74-एल०आर०डी० 2 थी)

ORDER

New Delhi, the 8th April, 1975

S.O. 1459.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Telecom Factory, Bombay, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 1), Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Telecom Factory, Bombay, in removing Shri A. M. A. Quereshi, Motor Driver from service is justified ? If not, to what relief is he entitled ?

[No. L. 40011/1/74/LR. III/D. 2(B)]

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1460.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Station Workshop, E.M.E. Secunderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd April, 1975.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD.

Industrial dispute No. 26 of 1973.

BETWEEN

Workmen of Station Workshop E.M.E., Secunderabad.

AND

Management of Station Workshop, E.M.E., Secunderabad.

APPEARANCES :

Sri Pothukuchi Sambasiva Rao, Advocate, for Workmen.

Sri I. A. Naidu, representing Sri P. Ramshaha Additional Government Pleader-cum-Additional Public Prosecutor, Secunderabad and Hyderabad for—Management.

AWARD

The Government of India in Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) through notification No. L. 14012/1/73-LR. 1 dt. 10th July, 1973 referred the industrial dispute between the Employers in relation to the Station Workshop E.M.E. Secunderabad and their Workman, under Sections 10(1)(d) and 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 (which would hereinafter be called the Act) for adjudication of the dispute by the Tribunal on the issue stated hereinafter. Since the above notification was issued for adjudication by Sri P. S. Ananth, the then Presiding Officer of the Industrial Tribunal, who ceased to hold the office, the Government of India issued a subsequent notification dated 22nd November, 1973, for adjudication of the dispute by the present Presiding Officer of the Industrial Tribunal. The issue referred for adjudication reads as follows :—

"Whether the action of the Management of the Station Workshop E.M.E., Secunderabad in terminating the services of Sri Xavier Harry, T. No. 230 Labourer (Ty) from their services with effect from the 22nd April, 1968 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The reference was registered as D. No. 26 of 1973 and notices were directed to the Workman and to the Management. A claims statement is filed by the General Secretary of the Station Workshop E. M. E. Secunderabad Civil Employees Union. It was inter alia alleged therein that the workman was appointed as labourer by the Officer Commanding, Station Workshop E. M. E., Trimulgherry, Secunderabad, in the year 1963 in the scale of Rs. 70-1-80 and was authorised for workshop on P. E. T. (Peace establishment table). The duties specified were that he should assist and help the Tradesmen on the technical side. The working hours were from 8.00 a.m. to 12.30 p.m. and 1.00 p.m. to 5.00 p.m. with a recess of 1/2 hour in between. The workman is said to have appeared for the Trade Test prescribed for vehicle mechanic recruitment and passed the same in or about the year 1965 and thus qualified himself for promotion as a Motor Vehicle Mechanic. On 29th March 1968 a Memo containing a charge of disobedience was issued to the workman. In that Memo it is said to have been alleged that the workman while functioning as temporary labourer during the period March 1968 was charged for disobedience of the orders of his superior, Mr. K. C. Bose on 25th March, 1968 when the latter asked the former to load the ration bags in a truck and that the workman refused to do it, and used flouting words, whereupon a complaint was lodged in writing by Mr. Bose against the workman. It is alleged that the complaint and the Memo of charge omitted the time and place of occurrence. It is also alleged that the detailing of the workman to collect army rations was not one of his duties. In the enquiry that is said to have been made, it is alleged, the workman's signature was obtained representing that was a paper for pardoning. It is thus alleged that the signature of the workman-petitioner was obtained on misrepresentation and subsequently he was removed from service. The enquiry is said to have not been conducted in accordance with the rules and therefore it is void and illegal. The workman pursued the matter before the higher authorities but to no avail. It is contended that the workman was appointed as labourer authorised for workshop, to assist the Tradesmen on the technical side. It was not his duty to load army rations as only combatants are required to do the same and thus the job asked to be performed by the workman was outside the scope of his duty. The said act of disobedience is said to have happened between 12.30 and 1.00 p.m. which was recess period. It is thus contended that Mr. K. C. Bose

was not competent to order to turn out any work during recess hours. The charges levelled against the Petitioner are thus said to be not lawful and reasonable and the removal order that followed is said to be equally illegal, improper and void. The workman is said to be not guilty of any misconduct. When approached, the Labour Officer expressed his inability as the matter fell within the jurisdiction of the Regional Labour Commissioner, Government of India, and therefore the case of the Petitioner was transferred to the said Commissioner. The Station Workshop E. M. E. Secunderabad is said to be a defence installation governed by the Factories Act, 1948 and that it has been registered so. In the Workshop the workers employed are classified mainly into two categories: (1) Industrial workers (2) Non-industrial workers (technical and non-technical). Industrial workers are said to be employed in preference to man technical jobs and non-industrial staff are engaged in non-technical jobs (executive works and administrative works). Labourers are said to be classified under Industrial Workers. The Labourers were authorised as per P. E. T. based on industrial groups and number of industrial workers were to assist in their day to day industrial jobs both the combatants and the civilians who are technicians. Therefore the labourers are known as industrial workers (unskilled) who are given the opportunity to become skilled workers in the later stages. The Petitioner workman is said to have the opportunity to learn and pass vehicle mechanic trade test held by the Officer Commanding and that he has been classified as a semi-skilled industrial worker. He was thus in regular service for more than five years. The Government of India Ministry of Defence Office Memo dt. 22-1-1968 clearly defined that the workers employed in an establishment governed by the Factories Act, should perform duties outside similar to the nature of work done by them inside the factory premises. Thus it is contended that the loading of ration bags for the combatant personal outside the workshop premises is not a job similar in nature to the one done inside the workshop. It is reiterated that the charge sheet issued to the Petitioner was vague without mentioning the place of incident and that it was prepared in a hasty of manner. Without establishing even a prima facie case and without examining the witnesses during the enquiry, the dismissal of the workman is said to establish the prejudice which the Disciplinary Authorities bore against the Petitioner. It is also contended that the Officer Commanding of the Unit was not the right person to call the workman straightaway to enquire without appointing any enquiry Board. The appointment of the Enquiry Board ought to have been published in the Daily Orders of the Workshop but that was not done. The Officer Commanding all of a sudden called the workman and he is said to have taken his signature by pressure in the presence of a Subordinate Officer on a type-written statement which was prepared already and kept ready for the signature. The contents of the statement are alleged to have been not read out and explained to the workman. The procedure followed at the enquiry is said to be irregular and against C. C. S. Rules of 1965. It is thus reiterated that the work authorised to the workman was outside his duty. The Disciplinary Authority and Mr. K. C. Bose are said to be prejudiced against the workman and therefore his dismissal was procured by them. Thus it is prayed that the dismissal order be set aside, and the workman be reinstated with back wages and other orders necessary in the circumstances may be passed.

3. In an equally elaborate counter it was contended by the Management that the workman was not discharging the duties satisfactorily or without any complaint. On 3rd February, 1968 the workman was warned in writing for driving a motor cycle at 2.30 p.m. on 31st January, 1966 without authority. Disciplinary action is said to have been taken against him in the past for the workman misbehaving and pouring a bucket of water in the oven on 6th June, 1966 which resulted in the damage of food stuff. Punishment of stoppage of one annual increment is said to have been imposed upon him for a period of six months. On 17th June and 19th June and 22nd June, 1967, the workman is said to have committed acts of misconduct. He is said to have misbehaved with the Canteen Nayeab Subedar and on 22nd June, 1967, he refused to obey the orders of the incharge K. C. Bose and insulted him in the presence of the other co-workers. The workman was punished by reducing his pay to the lowest stage of pay of Rs. 70/- for a period of one year. It is reiterated that loading and unloading ration are also the duties of the labourers and therefore the order given to the workman was lawful and

reasonable. It is contended that even according to the admission of the workman he was asked to load the ration bags at the depot at 12.45 hours and this establishes that the truck carrying incharge section and Labourers left the Unit during working hours i.e. before 12.30 p.m. It is alleged that normally it will take 45 minutes to go to the ration depot and collect the necessary issue orders from the supply depot. When the work on hand is not completed, the incharge can extend the beginning of the lunch break and extend the lunch hour. In the instant case also the lunch hour is said to have been extended it is however contended that there is no prescribed charge sheet form so as to mention specifically the time and place when the disobedience took place. The Petitioner was supplied with the copy of the statement of Sri K. C. Bose, the complainant. The workman is said to have not taken any objection to the omission of time and place in the said charge sheet. On the other hand in the reply given by the workman to the charge sheet, the hour of occurrence is said to have been admitted. So also the place of occurrence is said to have been proved by the very acceptance of the report of the complaint by the workman. It is alleged that the Petitioner-workman was employed in an authorised vacancy in the Peace Establishment of Station Workshop E.M.F. as a temporary labourer with effect from 20th April, 1963. It is reiterated that the labourers have to perform all menial and other works given by the Section Incharge, as the duties of the labourers are not specifically laid down. Loading and Unloading of rations is said to be a regular duty of the labourers. All Civilian labourers are detailed for loading and unloading and other Station duties are entrusted to them during working hours in addition to many other duties. If for any reason they are detailed for any period beyond the normal working hours they are granted compensatory off on other working days. Even the military personal is said to be detailed for such duties during non-working hours. As the Union has objected to the detailing of labourers on duties other than helping the technicians, the matter was referred to the Civilian Labour Officer Army Base Workshop, Bangalore which is said to have given the ruling that no specific duties are laid down for labourers. To the charge sheet served on the workman he was to submit written statement within 10 days. Since the workman has not filed any such statement nor he made any request to be heard in person, enquiry was held from 11th April, 1968 to 13th April, 1968, by the Enquiry Authority. The Enquiry was said to be *ex parte*. The procedure followed is said to be in conformity with the Central Services (Classification, Control and Appeals) Rules 1965. In addition to the enquiry authority, another Officer was also present throughout. The workman was then served with the show cause notice on 13th April, 1968. The workman was required to make a representation within a period of 7 days. A written statement was received from the workman on 20th April, 1968. After that the dismissal order was passed on 22nd April, 1968. It is contended that if any promise or pardon was held out, a mention of it would have been made in that reply. It is thus contended that the workman had sufficient time to submit his statement or to make a request to be heard in person, and he had time enough to explain the circumstances under which he signed the proceedings. It is thus denied that the signature of the workman was taken on any paper by misrepresentation, or that the enquiry was void or illegal. As regards the facts of the incident it is averred that on 25th March, 1968 the workman along with two other Labourers were detailed to collect ration from the supply depot. A report was received from his superior Shri K. C. Bose that the workman disobeyed his orders. Thus a charge sheet was served on the workman on 29th March, 1968. The procedure followed as explained above is again reiterated. It is contended that on completion of the enquiry and on consideration of the reply of the Respondent-workman to the show cause notice dated 13th April, 1968 the workman was removed from service with effect from 22nd April, 1968. It is however alleged that the workman was not kept under suspension during these proceedings. The workman appealed to the Appellate Authority i.e. the Director of Electrical and Mechanic Engineering, Army Headquarters, New Delhi, who held that there are no grounds to alter the decision taken by the Disciplinary Authority or to reduce the penalty and thus the appeal was dismissed. While disposing the Appeal the Director is said to have kept in view the report of the Conciliation Officer and the Labour Officer, Hyderabad. It is also alleged that the Respondent offered his comments to the letter of the Regional Labour Commissioner. As the workman and the Union approached the Labour Officer Hyderabad, the Respondent is said to have expressed his inability to reopen the case as the appeal preferred by the

workman was pending with the Director. Consequently the Labour Officer closed the Conciliation proceedings. It is denied that the charge sheet was either vague or that the Enquiry Officer was prejudiced. It is also denied that any unauthorised work was entrusted to the Petitioner workman. Similarly it is denied that the dismissal was a motivated one. The dismissal of the workman was thus sought to be justified.

4. In support of the claim the workman examined himself as W.W.1 and examined two more witnesses a W.W.2 and W.W.3. No documentary evidence is marked on his side. In rebuttal the Management examined Mr. K. C. Bose, the immediate superior of the workman, as M.W.1. Two more witnesses who were detailed along with the workman by Mr. K.C. Bose for loading and unloading the rations are also examined as M.W. 2 and M.W.3. Exs. M1 to M9 are marked by way of documentary evidence.

5. At the outset it can be noted that the case of the Management is that there was also a domestic enquiry against the workman and that the workman was afforded reasonable opportunity during the said enquiry. Both the parties have also read evidence before the Tribunal for and against the action of the Management in dismissing the workman. Since the dispute has come by way of a reference under Section 10(1)(d) of the Act, the Tribunal has first to consider whether the domestic enquiry was valid and whether the misconduct alleged was proved in the said enquiry. It can however be noted that the Management has not initially invited any finding as to the validity or otherwise of the domestic enquiry though the workman would dispute its fairness. Before adverting to the evidence let in by the parties before the Tribunal it is therefore necessary to give a finding as to the validity or otherwise of the said domestic enquiry. Ex. M 8 is the charge sheet dated 29th March, 1968 served on the workman. The allegation therein is that the workman disobeyed the orders of his superior Mr. Bose on 25th March, 1968 when the latter ordered the loading of the ration bags into the truck and that the workman also used words to the effect "Tum bhi labourer hai" "Tum load Karo". This charge sheet is said to have emanated from a complaint given in writing by Bose, on 25th March, 1968. That complaint is also attested by the two other workmen who accompanied the workman now concerned and went to the Depot to load the rations. The charge sheet is acknowledged by the workman as is evident by his signature on Ex. M 8. Ex. M 2 are the proceedings which contain the plea of the workman. The plea is one of guilty. This plea was recorded on 13th April, 1968 by the Officer Commanding, Station Workshop and it is also attested by the Officer in attendance. In view of this plea of guilty a second show cause notice as to the proposed punishment was served on the workman on the same day as per Ex. M 1. The service of this notice is borne out by the fact that the workman also signed it on the same day. The explanation to the proposed penalty, according to the Management was to be given within a week. Through in the counter it is averred that this explanation was sent by the workman on 29th April, 1968, the said explanation was received according to the records (as per Ex. M 3) on 20th April, 1968. Then followed the removal order on 22nd April, 1968 as per Ex. M 4. The case of the workman is that he has not actually pleaded guilty. But his signature was obtained on the show cause notice on an assurance that it was only a warning. The workman as W.W.1 stated so in his evidence before the Tribunal. It is also his evidence that he brought that letter and gave it to the Secretary, Vidya Sagar and that a reply was also drafted to it and the said reply was also given to the Colonel. To establish that the admission of guilt was on account of the misrepresentation, W.W.2 is also examined who was then the General Secretary of the Union. According to W.W.2 when a charge sheet was issued to the workman, he (W.W. 2) approached the Officer and requested him to withdraw the charge sheet. It is also his evidence that as per his instructions the workman submitted his explanation and that some days later the workman went and told him that the Officer Commanding called him and took his signature on some paper and that the officer promised to pardon him. Thus according to W.W. 2 the taking of the signature of the workman by the Officer Commanding on some paper was subsequent to the submission of the explanation. It is the very version of W.W.2 that on the following day of the workman informing him about the Officer taking his signature, the workman was not allowed to enter the premises and thereafter a dismissal order was passed against him. Thus according to W.W. 2 the workman informed him about

the latter signing a paper at the insistence of the Officer Commanding subsequent to the explanation given in writing. But from the records it is evident that the plea of guilty was a week prior to the submission of the explanation. While it is the version of W.W. 1 (workman) that he signed that paper on being assured that it is only a warning, the version given by W.W. 2 is that W.W. 1 informed him that he signed the paper on the promise of the Officer Commanding to pardon him. Thus as to the time of the plea of guilty and circumstances under which it is said to have been made there is any amount of discrepancy in these two versions. Having regard to the long lapse of time these discrepancies may not be given much credit. But is it the very version of W.W. 2 that the written explanation has come to be given on his instructions. If as deposed by the workman that the plea of guilty was on account of any inducement or promise, such an allegation ought to have found a place in his letter of explanation as per Ex. M 3. Even there the case of the workman was that he obeyed the orders of Mr. Bose for some time to load the ration bags but when it was 12.45 p.m. the workman was hungry and when Mr. Bose asked him to hurry up the loading and that the workman should obey his orders, he lost his temper and refused to load the bags and told Mr. Bose that "turnbhi labour hai-tum-load karo". Though in that explanation it is stated that the above words were used by the workman as he lost his temper, the present version of W.W. 1 is that he did not lose his temper but used the above words against Mr. Bose in all humility. It is further mentioned in Ex. M 3 that the whole thing was taken in a light vein as Mr. Bose used to cut jokes with the workmen. The workman also requested to be excused for this time. Since in this explanation, the workman in substance admits the charge, the present plea that his plea of guilty to the charge sheet was an induced one can only be characterised as an after thought. The explanation which has come to be admittedly drafted on the instruction of W.W. 2, the General Secretary, also establishes the happening of the incident. I will advert to the evidence let in before the Tribunal in that respect at a later stage. Suffice it to say that there is nothing to say that the plea of guilt made to the charge sheet, by the workman was either an induced one or it was wrongly noted, as the said plea also stands reiterated by the facts mentioned in the explanation as per Ex. M 3 by the workman. Thus irrespective of the circumstances whether it was 12.45 p.m. or the workman was very hungry, it is an admitted fact even according to the Ex. M 3 that while Mr. Bose asked the workman to hurry up the loading or unloading, the workman disobeyed the orders and refused to load the bags into the truck and also used words that Mr. Bose is also a labourer and that he should load it. Thus the act of misconduct alleged against the workman is established by his own admission. The removal order was passed by the disciplinary authority on 22nd April, 1968. It would appear that the workman has refused to receive that order as is borne out by the endorsement on Ex. M 4. The order reads that the workman is removed from service and that shall not be a disqualification for future employment under the Government. It can be thus said that the workman was given opportunity to show cause against the charge as well as the proposed punishment and thus there was compliance of the principles of natural justice before passing the order of removal. I will advert at a later stage to the question whether the misconduct was such as to entail the removal of the workman.

6. In the evidence let in by the workman before the Tribunal it was sought to be brought out that loading of the ration or unloading is not part of the job of a labourer and that a labourer has to work in the workshop and not outside the workshop. Thus the contention is that loading and unloading of the rations not being part of the job of a labourer, the direction given by the Incharge Mr. Bose to this workman to load or unload ration is not a lawful order. The alternate contention is that if the order is not a lawful order no question of disobedience of such an order arises. The other circumstance urged by the workman is that the recess is from 12.30 p.m. to 1.00 p.m. and that when Mr. Bose asked to unload the ration, it was already 12.45 p.m. and that the workman was very hungry and therefore he refused to unload the ration. The other circumstances urged was that the workman had offered his blood to the wife of the Colonel a few days ago and therefore he was feeling exhausted and thus felt very hungry and in that mood he refused to obey the orders of Mr. Bose. Thus the refusal to unload was sought to be justified on the ground of the physical weakness of the workman. I may here itself point out that out of the three witnesses examined by the workman the evidence of W.W. 3 is of not much avail as it only throws light on

the filing of the claim statement. According to W.W. 2 the workman after refusing to obey went to the dining hall where he met W.W. 2 and informed him that Mr. Bose was insisting upon unloading ration even though it was then 12.45 p.m. and though the workman was feeling hungry. W.W. 2 is said to have enquired from the workman whether he first obeyed the orders of Mr. Bose to load the rations and that he only refused to unload them, to which the workman replied in the affirmative. Then W.W. 2 is said to have promised to ascertain the same from Mr. Bose. Thus as to the actual happenings of the incident the evidence of W.W. 2 is of no avail. It is however his version that the loading of rations outside the workshop is not part of the job of the labourer. It is however an admitted fact that the workman was appointed as temporary labourer in the year 1963. Though he is said to have passed some vehicle test and thus qualified himself for promotion, he continued to be a labourer. Though it is the version of W.W. 2 that some confidential instructions were issued by the higher Military authorities not to take the work of loading or unloading of rations by these labourers, no such instructions are placed before the Tribunal. On the other hand it is the evidence of M.W. 1 Mr. Bose that loading of ration is part of a job of a labourer. In this context a Circular issued by the Army Head-quarters, Bangalore as per Ex. M 9 is filed by the Respondent-Management. As per this Circular no specific duties are laid down for labourers, as they come under the category of unskilled workers. The labourers are detailed for collection of P.O.L. and Fuel. It is further laid down that there is no rigid demarcation of duties performed by labourers. Though W.W. 2 would now depose that loading and unloading of rations is to be done by the combatants as those rations are meant for them, according to M.W. 1 those rations are meant not only for the combatants but also for the Civilian personnel. One thing emerges from the evidence of W.W. 2. When W.W. 1 informed him about the refusal to obey the direction of Mr. Bose for unloading W.W. 2 questioned the workman whether he obeyed the orders of Mr. Bose with regard to loading. Whatever be the instructions at that time, it goes established that the loading or unloading of the ration was part of the duty of a workman. It is not the case of the workman that he initially refused the orders of Mr. Bose when he was detailed along with two other labourers from the workshop to go in a truck to the supply depot which is little away for the purpose of loading and unloading of rations. According to the evidence on record these three labourers and a combatant who drove the truck accompanied Mr. Bose to the Supply Depot where the ration bags were to be loaded into the truck and were to be unloaded near the workshop. Thus as per the practice, it also appears that loading and unloading of the ration was a part of the duty of the labourers. The case of the Management is that when Mr. Bose took the truck and the three workmen including Mr. Harry (the claimant) to the supply depot, there itself Mr. Harry refused to load the bags, while the other two labourers (M.W. 2 and M.W. 3) and the Combatant Driver started loading the bags into the truck. It is the version of M.W. 1 to M.W. 3 that though the workman Harry was present at that time he did not turn out any work inspite of the orders of Mr. Bose and that when questioned by Mr. Bose the workman retorted. The workman W.W. 1 also admits the contents of Ex. M 3 to the effect that when Mr. Bose asked him to unload the ration he retorted that Mr. Bose is also a Labourer and that he should do the work. The contention of the learned counsel for the workman was that this admission refers to a later stage when the rations were being unloaded but what is contended is that according to M.Ws. 1 to 3 the workman refused to obey the instructions even at the stage of loading. It was also contended on behalf of the workman that as to the time when the truck reached the Supply Depot there is any amount of discrepancy between the versions of the witnesses on behalf of the Respondent. There is no gain-saying of the fact that as to the time when the act of loading was commenced at the Supply Depot, the version of the Respondent witnesses is not unanimous. It is however the evidence of M.W. 1 to M.W. 3 that the workman followed them to the Workshop after loading the bags into the truck at the Supply Depot. What was contended on behalf of the workman is that it is improbable that the workman having followed them to the Supply Depot should have taken into his head not to do any work. What made him not to load the bags inspite of instruction of Mr. Bose is certainly anybody's guess. But it is also the evidence of M.Ws. 2 and 3 and that in that context there was some hot exchange between Mr. Bose and the workman. There is however no reason to disbelieve their versions. As to the discrepancy of the commencement of the loading time it can only be ascribed to long lapse of interval that took

place between the incident and the time of their deposition. It can be noted that nearly six years elapsed after the occurrence and by the time the witnesses are deposing before the Tribunal. Human memory and particularly with regard to the incident of no close connection is likely to fail. The version of the occurrence as immediately or shortly admitted by the workman is borne out by Ex. M3. Either at the stage of loading or at the stage of unloading certain exchange did take place between Mr. Bose and the workman, during which admittedly the workman disobeyed the instructions to unload the rations. The only justification sought to be put forward by the workman is that it was by then 12.45 p.m. and that it was the hour of recess. It might be that the workman gave his blood as a humanitarian act to the ailing wife of the Colonel. It is equally probable that he was feeling exhausted. But it is also in the evidence that the workman gave his blood to the wife of the Colonel some time ago and that it was not a proximate event. Though the recess hour admittedly commenced from 12.30 p.m. it is the evidence of M.W. 1 that where a work already commenced could not be completed by the stroke of 12.30 p.m. the work has to be continued and that the recess hour would be extended and on that day also he also obtained oral permission to employ the workman for some more time beyond the commencement of the recess hour. At any rate though W. W. 1 would put it that he has not lost his temper it is equally probable that he might have lost his temper when he uttered these words against Mr. Bose. Admittedly he was hungry and that hunger might have promoted him to say so. Thus the two grounds of the recess hour commencing and of the workman feeling hungry certainly do not justify his action in disobeying the orders of his superior. Though W.W. 2 would put it that he also ascertained from M.Ws. 2 and 3 about this incident the following day of it, M. Ws. 2 and 3 would put it that they informed him that the workman refused to do the work on the day of the incident. Though W.W. 2 wants us to believe that the version of M.Ws. 2 and 3 when questioned by him supported the stand of the workman, the said version of W.W. 2 is falsified by Ex. W3 which admittedly was given by the workman on his instruction. If the version of M.W. 2 and 3 was some thing different and even if the workman was not guilty as is now sought to be painted, the contents of Ex. M3 would have been altogether different. Viewed from any angle it goes established that the workman did disobey the orders of the superior and that he also retorted Mr. Bose to do the work by himself. As per the allegations in Ex. M3 Mr. Bose was in the habit of cutting jokes with the labourers. This was sought to be put to M.W. 1 but he denied the same. It would appear that the expressions or words used by the workman have come to be understood or taken in a serious vein. But nevertheless the act of disobeying is patent on its face. It is true that admittedly on two occasions the workman was punished either by way of stoppage or by way of reducing him to his basic pay. In spite of the previous punishments, the Punishing Authority only felt that the workman was not a fit person to continue in Government service, but the Punishing Authority did not proceed to dismiss him from service. It is true that disobedience in Military Department is certainly a grave one. But it is the very case of the Respondent that the workman is a Civilian labourer. The incident which has given rise to disciplinary action is certainly a trivial one. It is equally relevant to note that eight long years have elapsed after the order of removal. It is also the version of the workman W.W. 1 that he has not sought any employment since his removal. Thus he is said to be out of employment. The suggestion to him is that he is engaged in selling cinema tickets in black market or that he is doing illicit distillation. If the workman is profitably engaged otherwise there is no reason as to why he should seek a reinstatement. As held above this is not a case where the finding of the domestic enquiry for the misconduct is to be set aside. On the very admission of the workman, the misconduct is proved. Even otherwise as per the evidence before the Tribunal the misconduct stands proved. But having regard to the circumstances and also to the order passed by the Punishing Authority that the removal order does not debar the workman from seeking re-employment under the Government and also having regard to the trivial nature of disobedience, I am inclined to hold that the punishment of removal is certainly disproportionate to the misconduct proved. The reference has come to be made in the year 1973, i.e. after the introducing of Section 11A of the Industrial Disputes Act which came into effect on 15-12-1971. Section 11 A reads as follows :—

"Where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a

Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceeding, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require :

Provided that in any proceeding under this section the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall rely only on the materials on record and shall not take any fresh evidence in relation to the matter."

In the light of the above provision and since I hold that the punishment of removal is too severe, though the misconduct is held proved, I direct the reinstatement of the workman but without any back wages. The loss of the wages for all these years is itself a punishment. Thus the workman is directed to be reinstated without any back wages and without any continuity of service.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of March, 1975.

INDUSTRIAL TRIBUNAL.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined

For Workmen :

W. W. 1 Xavier Harry

W.W. 2 S. Balan

W.W. 3 B. P. Vidyasagar

Witnesses Examined

For Management :

M.W. 1 K. C. Bose

M.W. 2 A. Nazrus

M.W. 3 M. Kumara Swamy.

Documents Exhibited for Workmen:

NIL

Documents Exhibited for Management:

- Ex. M1. Show Cause Notice dt. 13-4-1968 issued by the Management to Sri Xavier Harry.
- Ex. M2. Proceedings of the case in respect of Sri Xavier Harry before disciplinary authority of Station Workshop EME, Secunderabad on 11-4-1968.
- Ex. M3. Reply to the Show Cause Notice (Ex. M1) given by Sri Xavier Harry to the Management on 20-4-1968.
- Ex. M4. Orders of the disciplinary authority station workshop EME, Secunderabad issued on 22-4-1968 that the removal from the service with effect from 22-4-1968 of Sri Xavier Harry which shall not be a disqualification for future employment under the Government.
- Ex. M5. Application dated 6-5-1968 of Sri Xavier Harry addressed to the Officer Commanding, Secunderabad requesting to send a discharge certificate to him by post.
- Ex. M6. Application dated 18-5-1968 of Sri Xavier Harry addressed to the Officer Commanding, Secunderabad with a request the reason for his discharge may be intimated, along with copy of discharge certificate.

- Ex. M7. Covering Letter dated 27-5-1968 of Officer Commanding Secunderabad to Sri Xavier Harry that the orders of the disciplinary authority dated 22-4-1968 is forwarded herewith.
- Ex. M8. Memorandum dt. 29-3-1968 of Officer Commanding Station Workshop EME, Secunderabad addressed to Xavier Harry.
- Ex. M9. Letter of Civilian Labour Officer, 515 Army Base Workshop, Bangalore, dt. 25-6-1971 addressed to the Officer Commanding Station Workshop, EME, Secunderabad regarding duties of Labourers.

[No. L-14012(1)/73-LR. I/D. 2(B)]

S.O. 1461.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad in the industrial dispute between the employers in relation to the Food Corporation of India, Vijayawada and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd April, 1975.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)

AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 28 of 1974

BETWEEN

Workmen of Food Corporation of India, Vijayawada.

AND

Management of Food Corporation of India, Vijayawada.

APPEARANCES :

Sri T. S. Harnath, Advocate—for Workmen.

Sri T. Anantha Babu and Sri G. Govinda Rao, Advocates—for Management.

AWARD

The Government of India in Ministry of Labour, through Notification No. L. 42012/26/74/LR/III, dt. 27th September, 1974 referred the industrial dispute between the Employers in relation to the Food Corporation of India, Vijayawada and their Workmen, under Section 10(1)(d) and Section 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 (which would hereinafter be called the Act) for adjudication by the Tribunal on the following issue :—

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Vijayawada in not granting special casual leave on the 5th and 8th April, 1974 to Shri S. T. P. V. N. Acharyulu, Unit Secretary Food Corporation of India Employees Union is justified? If not, to what relief is he entitled?”

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 28 of 1974 and notices were directed to the Workmen and to the Employer. On behalf of the Workmen, the Unit Secretary (the workman concerned in the dispute) himself filed a claims statement. It is inter alia alleged that the concerned workman Sri S. T. P. V. N. Acharyulu was working as a Quality Inspector in the office of the District Manager, Food Corporation of India, Vijayawada and was

the Secretary of the Food Corporation of India Employees Union, Vijayawada. He had to attend the Regional Committee Meeting of the Units of Andhra Pradesh Region at Hyderabad on 6th and 7th of April, 1974. In the said meeting the elections of the Office bearers for the Andhra Pradesh General Committee of the F.C.I. Employees Union were to take place. Therefore, on 3-4-1974 he made an application for the grant of Special Casual Leave on 5th and 8th April, 1974 with permission to avail holidays on 6th and 7th April, 1974 and to leave the Headquarters to enable him to attend the meeting at Hyderabad. This application he made to the District Manager of Vijayawada, through his immediate superior, the Assistant Manager. The Chairman and Secretary of the various Units in the region are said to be the members of the Andhra Pradesh Regional Committee. They also were eligible to participate in the Regional Committee Meeting and entitled to be elected as office bearers of the Regional Committee. Thus the concerned workman is said to be entitled to participate in the said meeting and thus also entitled to apply for Special Casual Leave, for the purpose of the legitimate union activities. It is alleged that the Assistant Manager was the competent person to entertain the leave application and to recommend the same. The sanction of the District Manager is said to be formal in nature. The Assistant Manager is said to have recommended the leave application and forwarded it to the District Manager on 3-4-1974 itself. The workman called on the District Manager on 4-4-1974 in the evening at about 6.00 p.m. and informed him about the exigency of the situation to leave for Hyderabad to attend the meeting. The District Manager made the workman believe that the leave would be granted and that the formal orders in writing would be given in due course. The other District Managers in the Region are said to have granted Special Casual Leave to the respective office bearers of the other units who participated in the said meeting. For 5th and 8th April a substitute is also said to have been posted in the place of this workman. On 7-4-1974 the workman was elected as Regional Secretary of the Andhra Pradesh Region which is said to have caused prejudice in the mind of the District Manager. Taking advantage of the non-issue of the formal sanction order of leave and permission to leave Headquarters, the District Manager issued a Memo on 9th April, 1974 at 5.00 p.m. anti-dating the same as 5-4-1974 to the effect that the Special Casual Leave cannot be granted for the purpose mentioned in the leave application. This memo is said to be illegal and unjust. It is also alleged that no grounds are mentioned as to why Special Casual Leave could not be granted. As per the Circular No. 1/1/68 I.R. dt. 8-2-1974 the workman is said to be entitled to avail Special Casual Leave for the purpose mentioned in the leave application and the employer was bound to grant the same. But out of personal prejudice, the District Manager is said to have refused the leave. It is also contended that if leave was to be refused, the Employer had to inform in writing the employee before the date from which the availment was proposed. It is also alleged that where Special Casual Leave was intended to be granted or was actually granted formal orders were used to be given subsequent to the date of availment. The District Manager in order to justify his action is also said to have sought clarification with regard to the eligibility of Special Casual Leave and the purpose for which it can be granted. The Regional Office is said to have given a clarification mentioning that the workman is entitled to avail Special Casual Leave. But the District Manager did not review the orders passed by him rejecting the application. The District Manager is thus said to have acted mala fides. The election of the workman as Chairman of the F.C.I. Employees Union, South Zone and also Joint Secretary of All India Committee was said to be not to the liking of the District Manager, therefore, he withdrew the salary of the workman from 5th to 8th April, on the ground of unauthorised absence. When this workman received the salary for the remaining period of that month under protest by recording the same in the acquittance roll, the Management charged him with the tampering of records. Further the Management is said to have charged him with unauthorised absence from duties and desertion of duties. Thus the District Manager is said to be actuated by motives of victimisation etc. in not granting Special Casual Leave to the workman. It is also contended that the District Manager was not entitled to deduct the salary for the two days on 6th and 7th April, which were public holidays. The District Manager is said to have not participated in the conciliation meeting proposed to be held by the Conciliation Officer, Vijayawada. This non-participation in the meeting is also said to point to the mala fide conduct of the

District Manager. Thus the workman prayed for a declaration that the action of the Management in not granting Special Casual Leave on 5th and 8th April in unjust and illegal. He also prayed for the salary for the period from 5th to 8th April, 1974 and for costs and other incidental reliefs.

3. In the counter and the additional counter filed by the Respondent it is admitted that the workman was functioning as Unit Secretary of the Food Corporation of India Employees Union, Vijayawada at the relevant time. It is also, admitted that the workman gave an application on 3rd April, 1974 to the Assistant Manager for the purpose of attending the Regional Committee meeting at Hyderabad. The Assistant Manager is said to have forwarded this application to the District Manager. As there was no specific recommendation by the Assistant Manager it was retransmitted to him on 4th April, 1974 for specific recommendation. The application is said to have, been sent back to the District Manager through the Branch Office with the recommendation of the Assistant Manager on 5th April, 1974. The District Manager refused the Special Casual Leave on the ground that the workman was not eligible to claim Special Casual Leave for the purpose mentioned in the application. In that context the District Manager is said to have followed the instruction contained in Circular 17-1/68-IR dt. 15th July, 1972 and 1/1/68-IR dt. 8th February, 1974. The instruction is said to be that office bearers of the Staff Union are entitled to Special Casual Leave for participation in the meeting of the Executive Committee pertaining to their jurisdiction and not to the region or zone. The rejection of the Special Casual Leave was thus sought to be justified in the light of the above instructions. It is further contended that there were no full details also in this application. It is also urged that the dispute raised is an individual dispute and unless the workman proves that majority members of the Union espoused its cause, the said dispute does not have a character of an industrial dispute. It is denied that the workman met the District Manager on 4th April, 1974 and that any oral assurance was given to the workman by him with regard to the grant of the application. The workman is said to have left for Hyderabad without prior permission of the Competent Authority and without ascertaining about the grant or refusal of leave. The Petitioner is said to have absented himself unauthorisedly from duty from 5th to 8th April, 1974. The workman is said to be guilty of contravention of Conduct Rules. The workman is said to have brought undue pressure on the Management by direct action and pay boycott. This conduct of the petitioner is said to amount to indiscipline. The District Manager passed orders on the application on 5th April, 1974 rejecting the special application but the said Memo could not be communicated to the workman on the very day as the latter did not attend the office on that day. It was therefore served on him on 9th April, 1974 when he resumed duty. It is denied that the District Manager received any letter from the Regional Officer at Hyderabad. The practice of post sanction of leave after availment is also denied. Sanction of leave it is contended depends upon factors like administrative convenience and exigency of business.

4. At the stage of enquiry the workman filed a Memo dt. 10-3-1975 stating that the Employees Union and the Management have decided and agreed to have an amicable settlement and the Management agreed to regularise the period from 5th to 8th April, 1974 as leave due to the workman. The Management also promised to close the departmental enquiry on some other charges instituted against the workman. Thus in order to have cordial and normal relations the workman does not propose to prosecute the dispute and therefore the matter may be closed. The Memo is signed by the Workman and also by his Counsel. That Memo was also recorded on ascertaining its contents from the workman present. In view of the Settlement outside, if I may say so, a comprehensive settlement, whereunder the Management agreed to drop the proceedings against the workman, the further non-prosecution of the present claim which is agreed to be settled in favour of the workman, is only just and fair. Though it is not an adjudication by the Tribunal, in view of the non-prosecution of the claim before the Tribunal, there is nothing to adjudicate upon.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of March, 1975.

T. NARASING RAO, Presiding Officer.

HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.)

[No. L. 42012/26/74. LR. III/D.2(B)]

प्राप्ति

नई दिल्ली 2 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1462:—यतः केन्द्रीय सरकार को राय है कि इस से उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतन्त्र के लिये सहायक रोकड़िया एवं गोदाम रक्षक सर्वश्री, विजेन्द्र कुमार जैन, नरेन्द्र कुमार जैन, शेरसिंह जैन, सतीश चन्द्र जैन, रजिन्दर प्रकाश, एन० एल० बन्सल, जगमोहन जैन, और कौशल किशोर गुप्ता की सेवायें 26 जुलाई, 1972 से समाप्त करना न्यायोचित था? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुसूचि के हकदार

[सं० एल०-12012/35/73-एल० ग्रा० 3]

ORDERS

New Delhi, the 2nd April, 1975

S.O. 1462.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Central Bank of India were justified in terminating the services of Sarvashri Vijender Kumar Jain, Narendra Kumar Jain, Sher Singh Jain, Satish Chand Jain, Rajinder Prakash, N. L. Bansal, Jagmohan Jain and Kaushal Kishore Gupta, Assistant Cashiers-cum-Godown Keepers, with effect from the 26th July, 1972? If not, to what relief are these workmen entitled?

[No. L-12012/35/73-LR(III)]

आदेश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1463 :—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपानुद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है .

अनुसूची

क्या भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र की श्री जी०एस० देशपांडे, वास्तुविद सहायक की सेवाएं 31 जुलाई, 1974 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[का० सं० एल-17011/11/74-एल०आर० 1]

आर० कुंजीथापदम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 11th April, 1975

S.O. 1463.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Life Insurance Corporation of India in terminating the services of Shri G. S. Deshpande, Architect Assistant with effect from the 31st July, 1974, is justified? If not, to what relief is he entitled?

[File No. L. 17011/74/LR. I]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1464 :—यतः महाराष्ट्र राज्य सरकार ने, कर्मचारी राज्य अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसरण में श्री कल्याण राव पंढरिताथ पाटिल के स्थान पर, श्रीमती प्रतिभा डी० पटेल, लोक स्वास्थ्य मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग)

की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 2763, तारीख 27 मई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में “धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन राज्य सरकारों द्वारा नाम निर्दिष्ट” शीर्ष के अन्तर्गत, मद 15 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

“श्रीमती प्रतिभा डी० पटेल,
महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई।”

लोक स्वास्थ्य मंत्री

[संख्या यू०-16012(15)/74-एच० प्रा० 1]

जे० सी० सक्सेना, अवर सचिव

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1464.—Whereas the Government of the State of Maharashtra has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shrimati Pratibha D. Patel, Minister for Public Health, Government of Maharashtra to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Kalyanrao Pandharinath Patil;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) S.O. No. 2763, dated the 27th May, 1971, namely:—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)”, for the entry against item 15, the following entry shall be substituted, namely:—

“Smt. Pratibha D. Patel, Minister for Public Health, Government of Maharashtra, Bombay.”

[No. U-16012/15/74-HI]

J. C. SAXENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1465 :—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार सर्वश्री ए० ए० मकार्डी, एस० पुरुषोत्तम राव, एस० राजगोपालचारी और आर० श्रीनिवासाय को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(1)/74-पी० एफ० 1]

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1465.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri A. A. Maccai, S. Purushotham Rao, S. Rajagopalachari and R. Srinivasaiah to be Inspectors for the whole of the State of Karnataka for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme, framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oil-field or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(1)/74-P.F.I]

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1466 :—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5घ की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० 17(81)/65-सी०एल० तारीख 27 अप्रैल, 1974 को अधिक्रान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री ए०एस० लक्ष्मणन के स्थान पर श्री के०ए० अन्सारी को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायता देने के लिए, समस्त भ्रान्ध प्रदेश राज्य तथा पाण्डिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के यानम क्षेत्र के लिए प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016(10)/74-पी० एक-1(i)]

प्रसन्न चन्द्रा, अवर सचिव, (एस०एस०)

New Delhi, the 29th April, 1975

S.O. 1466.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. 17(81)/65-PF-I, dated the 27th April, 1974, the Central Government hereby appoints Shri K. A. Ansari vice Shri A. S. Lakshamanan as

Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of Andhra Pradesh and Yanam area of the Union Territory of Pondicherry, to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties.

[No. A. 12016(10)/74-PF. I(i)]

PARSAN CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 मई, 1975

का० प्रा० 1467 :—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री श्रीनिवास को मुख्य खान निरीक्षक के मातहत खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[फाइल सं० ए-12025/1/74-एम-1]

टी०एस० कृष्णामूर्ति, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd May, 1975

S.O. 1467.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Shri Niwas as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[File No. A-12025/1/74-MI]

T. S. KRISHNAMURTHI, Under Secy.

